page 1 and 8 jan 2_page 1 Mar 25 final ds.qxd 1/2/2026 1:28 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 विकास कार्यों का जायजा लिया

5 सड़क हादसे के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज हुए एंथनी जोशुआ, दो करीबी साथियों की मौत

8 ड्रैगन फ्रूट उत्पादन विधि

मौसम जम्मू — न्यूनतम 7 — अधिकतम 16

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-02 | जम्मू तवी, शुक्रवार 02 जनवरी, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

रक्षा मंत्री ने भरोसा जताया डीआरडीओ जल्द ही बना लेगा स्वदेशी 'सुदर्शन चक्र'

नई दिल्ली, 01 जनवरी । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कहा कि डीआरडीओ अगले दशक में देश की हवाई सुरक्षा मजबूत करने के लिए हमारे जरूरी ठिकानों को एयर डिफेंस सिस्टम से लैस करने के लिए तैयार है। हमने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हवाई युद्ध में एयर डिफेंस की अहमियत देखी। मुझे भरोसा है कि डीआरडीओ जल्द ही इस लक्ष्य को पाने के लिए पूरे दिल से काम करेगा। उन्होंने भरोसा जताया कि डीआरडीओ जल्द ही रूस के एयर डिफेंस सिस्टम एस-400 की तर्ज पर स्वदेशी सुदर्शन चक्र बना लेगा। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के 68वें स्थापना दिवस के मौके पर नई दिल्ली में डीआरडीओ मुख्यालय का दौरा करने के दौरान रक्षा मंत्री ने वरिष्ठ अधिकारियों और वैज्ञानिकों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि डीआरडीओ की हथियार प्रणालियों ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अहम भूमिका निभाई, जो राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए संगठन की व्यावसायिकता और प्रतिबद्धता का सबूत है। सशस्त्र बलों को आधुनिक हथियारों से लैस करके भारत की स्वदेशी क्षमताओं को मजबूत करने के लिए डीआरडीओ की तारीफ करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन के दौरान हथियारों ने बिना किसी

रुकावट के काम किया, जिससे सैनिकों का हौसला बढ़ा। रक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से अपने भाषण में स्वदेशी सुदर्शन चक्र बनाने की घोषणा की थी, जिसमें डीआरडीओ अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि इस पहल के तहत डीआरडीओ अगले दशक में हवाई सुरक्षा पक्का करने के लिए हमारे जरूरी ठिकानों को एयर डिफेंस सिस्टम से लैस करने के लिए तैयार है। हमने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के साथ हवाई संघर्ष के दौरान एयर डिफेंस की अहमियत देखी। मुझे भरोसा है कि डीआरडीओ जल्द ही इस लक्ष्य को पाने के लिए पूरे दिल से काम करेगा। राजनाथ सिंह ने प्राइवेट सेक्टर के साथ

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान डीआरडीओ के हथियारों की रही अहम भूमिका

डीआरडीओ के सहयोग को मानते हुए कहा कि रक्षा उद्योग और स्टार्टअप्स के साथ बढ़ते जुड़ाव से एक तालमेल वाला रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र बना है। उन्होंने कहा कि डीआरडीओ ने लगातार अपने काम करने के तरीकों में सुधार किया है। खरीद से लेकर परियोजना प्रबंधन तक, उद्योग जुड़ाव से लेकर स्टार्ट अप और लघु उद्योगों के साथ मिलकर काम करने तक, काम को आसान, तेज और ज्यादा भरोसेमंद बनाने की कोशिश दिख रही है। रक्षा मंत्री ने डीआरडीओ से कहा कि वह तेजी से बदलते तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र के साथ तालमेल बिठाते हुए आगे बढ़ता रहे और बदलते समय के हिसाब से उत्पाद लाता रहे।

उन्होंने डीप टेक और नेक्स्ट-जेनरेशन टेक्नोलॉजी की दिशा में डीआरडीओ की कोशिशों की तारीफ करते हुए कहा कि इस कोशिश में तरक्की से न सिर्फ़ देश की काबिलियत बढ़ेगी, बल्कि डिफेंस इकोसिस्टम भी मजबूत होगा।

सेना ने 2026 को नेटवर्किंग और डेटा सेंट्रिसिटी का वर्ष घोषित किया, जनरल द्विवेदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है

नई दिल्ली, 1 जनवरी। भारतीय सेना ने गुरुवार को 2026 को नेटवर्किंग और डेटा सेंट्रिसिटी का वर्ष घोषित किया और कहा कि यह पहल कनेक्टिविटी, रियल-टाइम निर्णय लेने और युद्ध प्रभावशीलता को बढ़ाएगी, जिससे भविष्य के लिए तैयार बल के लिए लचीलापन और फुर्ती मजबूत होगी।

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने अपने नए साल के संदेश में कहा कि उनकी सेना एक दशक के बदलाव से गुजर रही है, और संयुक्तता, आत्मनिर्भरता और नवाचार हमारी सैन्य शक्ति के मुख्य स्तंभ हैं ।

सेना के ङ्क हैंडल पर पोस्ट किए गए अपने लिखित संदेश में उन्होंने कहा, स्वदेशी तकनीकों, नए विचारों और लगातार सुधारों के प्रभावी उपयोग से, हम सेना को और अधिक सक्षम और भविष्य के लिए तैयार बना रहे हैं। नेटवर्किंग और डेटा-केंद्रितता इस बदलाव को नई गति दे रहे हैं। जनरल द्विवेदी ने यह भी कहा कि भारतीय सेना पूरी सतर्कता और दृढ़ संकल्प के साथ राष्ट्र की सुरक्षा सुनिश्चित कर रही है। सेना प्रमुख ने जोर देकर कहा, पिछले साल, ऑपरेशन सिंदूर के तहत दृढ़ और

निर्णायक कार्रवाई के माध्यम से दुश्मन के नापाक मंसूबों का मुंहतोड़ जवाब दिया गया था, और यह ऑपरेशन आज भी जारी है।

एक अलग पोस्ट में, सेना ने कहा कि उसने 2026 को नेटवर्किंग और डेटा सेंट्रिसिटी का वर्ष घोषित किया है।

X पर कहा गया, स्वदेशी करण, रक्षा आधुनिकीकरण और डिजिटल एकीकरण से प्रेरित, यह पहल कनेक्टिविटी, रियल-टाइम निर्णय लेने और युद्ध प्रभावशीलता को बढ़ाएगी, जिससे भविष्य के लिए तैयार बल के लिए लचीलापन और फुर्ती मजबूत होगी

पिछले साल 11 नवंबर को, जनरल द्विवेदी ने यहां एक सेमिनार में अपने संबोधन में कहा था कि भारतीय सेना 2026-27 को नेटवर्किंग और डेटा सेंट्रिसिटी का वर्ष घोषित करने पर काम कर रही है, और यह बताया था कि यह एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें हम तैयार नहीं हैं और इसलिए, तेजी से कार्रवाई करने की आवश्यकता है।

सेना ने 2024-25 को प्रौद्योगिकी अवशोषण का वर्ष घोषित किया था।

एक और पोस्ट में, आर्मी ने कहा कि जनरल द्विवेदी ने गुरुवार को दिल्ली कैंट के बेस हॉस्पिटल का दौरा किया, जहाँ उन्होंने इलाज करवा रहे सेवारत कर्मियों और पूर्व सैनिकों से बातचीत की, सभी मुश्किलों के बावजूद उनके लड़ने के जज्बे की तारीफ की और उनके जल्द ठीक होने की शुभकामनाएँ दीं।

इसमें कहा गया है, "COAS ने मेडिकल अधिकारियों और पैरामेडिकल स्टाफ की अटूट लगन, प्रोफेशनल काबिलियत और निस्वार्थ सेवा की तारीफ की, और सेवारत कर्मियों, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों की हर समय देखभाल करने और उनका भला सुनिश्चित करने में उनके लगातार प्रयासों को सराहा।

वीआईपी (VIP) संस्कृति ने जम्मू को बंधक बना लिया

एक बार फिर जम्मू थम गया।
न किसी आपदा के कारण,
न किसी आपात स्थिति में —
बल्कि सिर्फ इसलिए कि कुछ VIP सड़क पर निकल पड़े।

नए साल के दिन बाग़-ए-बाहु रोड पर जो हुआ, वह प्रशासनिक नाकामी का खुला प्रमाण है। सड़कें बंद, लोग परेशान, एंबुलेंस जाम में फंसी और पत्रकारों से कथित बदसलूकी — और यह सब VIP मूवमेंट के नाम पर।

यह शासन नहीं है।
यह सत्ता का घमंड है।

जब एक एंबुलेंस को ट्रैफिक में रोका जाता है और VIP काफ़िला बिना रुके निकल जाता है, तो सिस्टम साफ़ संदेश देता है — यहाँ कुछ ज़िंदगियाँ ज्यादा अहम हैं।

क्या यही सुशासन है?

माता बावे वाली के दर्शन के नाम पर पूरे इलाके को ठप कर देना, लोगों को उनके ही घरों तक न जाने देना — क्या आस्था के नाम पर जनता को सज़ा देना जायज़ है?

सबसे चिंताजनक घटना एक स्थानीय पत्रकार के साथ हुई कथित बदसलूकी है, जिसे करीब 15 मिनट तक रोका गया और घर तक जाने नहीं दिया गया।

अगर सवाल पूछने वाले पत्रकार सुरक्षित नहीं हैं, तो आम नागरिकों की हालत का अंदाज़ा लगाया जा सकता है।

बाग़-ए-बाहु, गोरखा नगर और आसपास के इलाकों के लोग मानो अघोषित कर्फ़्यू में डाल दिए गए।

न कोई सूचना,
न कोई जवाब,
न कोई माफ़ी —
सिर्फ़ बैरिकेड, डांट-फटकार और सत्ता का प्रदर्शन।

आज जम्मू एक ऐसे शहर में बदलता जा रहा है जहाँ
सड़कें जनता की नहीं,
VIP काफ़िलों की जागीर बन चुकी हैं।
ऑफिस जाने वाले कर्मचारी, छात्र, बुज़ुर्ग, मरीज़ —
सबको रुकना होगा,
क्योंकि VIPनिकल रहे हैं।

कई लोग आज खुले तौर पर कह रहे हैं कि स्व. शासन के दौरान VIP मूवमेंट सीमित था और ऐसे हालात कम देखने को मिलते थे। आज जब चुनी हुई सरकार है, तो VIP संस्कृति पहले से ज्यादा हावी क्यों हो गई?

और सबसे दुखद बात —
यह धारणा मज़बूत होती जा रही है कि J&K पुलिस ऊपर वालों की सुनती है, जनता की नहीं।

जहाँ अफ़सर का आदेश ज़रूरी है,
वहाँ आम आदमी की मजबूरी बेकार है।

जम्मू के लोग अब थक चुके हैं —
रुक-रुक कर,
डांट खाकर,
अपमान सहकर।

यह सिर्फ़ एक VIP मूवमेंट का मामला नहीं है।

यह उस सोच का मामला है,
जो मानती है कि सत्ता आए तो जनता रुक जाए।
जम्मू इससे बेहतर का हक़दार है।
ऐसे शासन का,
जो जनता के साथ चले —

पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन के संचालक और कमांडर रफीक नाई उर्फ सुल्तान की संपत्ति पुंछ में जब्त

जम्मू, 1 जनवरी । सीमा पार से संचालित आतंकी नेटवर्क के खिलाफ निर्णायक और दृढ़ कार्रवाई करते हुए जम्मू-कश्मीर पुलिस ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के प्रावधानों के तहत एक प्रतिबंधित आतंकी संगठन के पाकिस्तान स्थित संचालक और कमांडर की अचल संपत्ति जब्त कर ली है। पुलिस ने एक विज्ञप्ति में बताया कि यह कुर्की पुंछ जिले के गुरसाई पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर संख्या 194/2024 के संबंध में की गई है। जब्त की गई संपत्ति में पुंछ जिले के मेंढर तहसील के नक्का मझरी क्षेत्र के नार गांव में स्थित 4 मरला और 2 सरसाई कृषि भूमि शामिल है। संलग्न संपत्ति का स्वामित्व रफीक नाई उर्फ सुल्तान के पास है जो इलाके के निवासी मोहम्मद अफसर का पुत्र है

और वर्तमान में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन तहरीक-उल-मुजाहिदीन/जम्मू कश्मीर गजनवी फोर्स के पाकिस्तान स्थित संचालक और लॉन्चिंग कमांडर के रूप में काम कर रहा है। आरोपी रफीक नाई उर्फ सुल्तान पुंछ-राजौरी सेक्टर में नशीले पदार्थों और हथियारों की तस्करी की निगरानी, प्रशिक्षित आतंकवादियों की घुसपैठ में सहायता और आतंकवादी गतिविधियों को पुनर्जीवित करने में सक्रिय रूप से शामिल है। उसे 'नामित व्यक्तिगत आतंकवादी' घोषित किया गया है और वह कई गंभीर आपराधिक मामलों में वांछित है।` कानूनी प्रक्रियाओं का पालन, सत्यापन, दस्तावेज़ीकरण और सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदन प्राप्त करने के बाद पुलिस स्टेशन मेंढर और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा कुर्की की गई। कुर्क की गई संपत्ति का बाजार मूल्य लगभग 10 लाख है।

दो साल में रेलवे कुछ सेक्टरों पर प्रतीक्षा सूची को पूरी तरह खत्म करेगी : वैष्णव

नई दिल्ली, 01 जनवरी । रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज कहा कि बीते कुछ वर्षों से रेलवे नेटवर्क के क्षमता निर्माण कार्य इस स्तर पर पहुंच गये हैं कि अब गाड़ियों में प्रतीक्षा सूची को समाप्त करने की दिशा में कदम उठाये जाएं। उन्होंने कहा कि दो साल में कुछ सेक्टरों की गाड़ियों की प्रतीक्षा सूची मुक्त हो जाने की आशा है।

वैष्णव ने यहां रेल भवन में संवाददाताओं से मुलाकात में कहा कि बीते कुछ वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विज़न के अनुरूप रेलवे नेटवर्क के विस्तार एवं क्षमता वृद्धि की दिशा में बहुत काम हुआ है। हमारा मानना है कि जितनी मांग है, उसे क्षमता विस्तार किये बिना पूरा करना संभव नहीं है। इसीलिए बीते 11 साल में करीब 35 हजार किलोमीटर नयी पटरियां बिछायी गयीं हैं। बीते साल करीब सात हजार किलोमीटर पटरियों को बदला गया है। लोकोमोटिव्स का उत्पादन बढ़ा है। 11 साल में करीब 42 हजार नये कोच बनाये गये हैं।

माघ मेले पर रेल यात्रियों को बड़ी सौगात, भोपाल मंडल से गुजरने वाली 13 ट्रेनें प्रयागराज में रुकेंगी

भोपाल, 01 जनवरी । मध्य प्रदेश के रेल यात्रियों और माघ मेले में शामिल होने जा रहे श्रद्धालुओं के लिए रेलवे ने बड़ी राहत भरी घोषणा की है। माघ मेले के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ और श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेलवे प्रशासन ने भोपाल मंडल से होकर गुजरने वाली 13 महत्वपूर्ण ट्रेनों का प्रयागराज स्टेशन पर अस्थायी ठहराव देने का निर्णय लिया है। इस फैसले से मध्य प्रदेश सहित देश के विभिन्न हिस्सों से प्रयागराज पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को सीधा लाभ मिलेगा।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इन ट्रेनों का प्रयागराज स्टेशन पर दो-दो मिनट का अस्थायी ठहराव रहेगा, जिससे यात्रियों को उतरने और चढ़ने में सुविधा होगी।

सेना ने पुंछ में ड्रोन से गिराया गया गोला-बारूद से भरा बैग किया जब्त

पुंछ, 1 जनवरी । सेना ने गुरुवार को पुंछ जिले में भारत-पाकिस्तान सीमा के पास ड्रोन से गिराए जाने के संदेह में एक खेप बरामद की।

अधिकारियों ने बताया कि यह घटना खारी गांव के चक्कन दा बाग इलाके में रंगर नाला और पुंछ नदी के बीच के क्षेत्र में आज सुबह हुई। सेना को एक बैग मिला जिसमें दर्जनों गोला-बारूद और एक पीला टिफिन बॉक्स था जिस पर इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) होने का संदेह है। बम निरोधक दस्ते (बीडीएस) ने विस्फोटक खतरे की जांच के लिए पहले बैग की जांच की। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

गांदरबल से दो आतंकी सहयोगी गिरफ्तार, 8.40 लाख रुपये, गोला-बारूद बरामद

गांदरबल, 01 जनवरी । जम्मू-कश्मीर पुलिस ने गुरुवार को मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले में देर शाम चलाए गए एक अभियान के दौरान दो आतंकी सहयोगियों को गिरफ्तार किया। इनके पास से 8.40 लाख रुपये, हथियार, गोला-बारूद और अन्य सामग्री बरामद की गई है।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि विशिष्ट खुफिया सूचनाओं के आधार पर गांदरबल पुलिस ने विशेष अभियान समूह (एसओजी) के समन्वय से गुंड्रेहमान पुल के पास नाकाबंदी की। इस दौरान पुलिस दल ने मालवाहक वाहन (जेके15बी-7309) को रोका। वाहन की गहन तलाशी के दौरान दो हथगोले, एक चीनी पिस्तौल, एक पिस्तौल की मैगज़ीन, चार पिस्तौल राउंड बरामद की गई। इसके अलावा 8,40,500 रुपये मिले। उन्होंने आगे बताया कि जिला बांदीपोरा के हाजिन निवासी गुलाम नबी मीर और जिला गांदरबल के शालाबुघ निवासी शबनम नजीर को गिरफ्तार किया गया है। गांदरबल पुलिस ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम और शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत गांदरबल पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया है। हथियारों, गोला-बारूद और नकदी के स्रोत का पता लगाने के साथ-साथ उनके संभावित आतंकी संबंधों की जांच के लिए आगे की जांच जारी है। गांदरबल पुलिस ने जिले में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए जनता से राष्ट्रविरोधी या आपराधिक गतिविधियों से संबंधित किसी भी जानकारी को साझा करने और सहयोग करने की अपील की है।

कश्मीर के पर्यटन स्थलों और घाटी के ऊंचे इलाकों में ताजा बर्फबारी ने किया नव वर्ष का स्वागत

श्रीनगर, 01 जनवरी । कश्मीर में लोकप्रिय पर्यटन स्थलों और घाटी के ऊंचे इलाकों में ताजा बर्फबारी के बीच नव वर्ष का स्वागत हुआ। गुलमर्ग, पहलगाम और सोनमर्ग सहित पर्यटन स्थलों पर रात भर ताजा बर्फबारी हुई, जो गुरुवार सुबह तक जारी रही। बर्फबारी को देखते हुए बड़ी संख्या में पर्यटक घाटी की ओर उमड़ पड़े।गुरेज की तुलैल घाटी, बांदीपोरा का राजदान टॉप, कुपवाड़ा का मच्छिल और साधना टॉप तथा जोजिला दर्रा जैसे कई ऊंचे इलाकों में भी ताजा बर्फबारी हुई। कुछ क्षेत्रों में हल्की बारिश और बर्फबारी की संभावना है, क्योंकि पश्चिमी विक्षोभ का पिछला हिस्सा शाम तक दूर चला जाएगा, जिससे मौसम में धीरे-धीरे सुधार होगा। हालांकि, शुक्रवार को कुछ स्थानों पर हल्की बारिश या बर्फबारी हो सकती है। बादल छाए रहने के कारण रात का तापमान मौसमी औसत से अधिक रहा और अधिकांश स्थानों पर हिमांक बिंदु से ऊपर रहा। मौसम विभाग के मुताबिक ताजा बर्फबारी के बावजूद घाटी में असामान्य रूप से गर्म शीत ऋतु जारी है, जहां तापमान मौसमी औसत से 1.2 से 6.3 डिग्री सेल्सियस अधिक है।

आईटीआई कर्मचारियों की मांगों को लेकर डिप्टी सीएम से प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात, नियमितीकरण, वेतन विसंगतियों और भर्ती नियमों को लेकर सौंपा ज्ञापन

जम्मू, 01 जनवरी । जम्मू-कश्मीर आईटीआई एम्प्लॉइज यूनाइटेड फ्रंट के अध्यक्ष नज़ीर अहमद मौलवी के नेतृत्व में संगठन के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर कुमार चौधरी से उनके कार्यालय में मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने आईटीआई कर्मचारियों से जुड़ी विभिन्न लंबित मांगों को लेकर एक विस्तृत मांग पत्र (मेमोरेंडम) सौंपा। मेमोरेंडम में प्रमुख रूप से विभिन्न माध्यमों—एडहॉक, कॉन्ट्रैक्चुअल, कंसोलिडेटेड, एकेडमिक, गेस्ट फैकल्टी, सेल्फ-फाइनेंस, आईएमसी और पीपीपी—के तहत कार्यरत व्यावसायिक प्रशिक्षकों एवं अन्य कर्मचारियों के नियमितीकरण और वेतन वृद्धि की मांग रखी गई। इसके साथ ही गजेटेड एवं नॉन-गजेटेड पदों के लिए भर्ती नियमों को अंतिम रूप देने, विभाग के पुनर्गठन और उन्नयन, संस्थान स्तर पर संरचनात्मक सुधार तथा पदनामों के एकरूपीकरण की

मांग भी शामिल रही। प्रतिनिधिमंडल ने लाइब्रेरियन और एमटीएस पदों में वेतन विसंगतियों को दूर करने, एमटीएस कर्मचारियों के लिए तकनीकी प्रशिक्षण, कश्मीर संभाग के एमटीएस कर्मचारियों की वरिष्ठता सूची जारी करने, अकादमिक कंसोलिडेटेड और कॉन्ट्रैक्चुअल कर्मचारियों के लिए मातृत्व एवं चिकित्सा अवकाश तथा स्थानांतरण नीति लागू करने जैसे मुद्दे भी उठाए। इसके अतिरिक्त अनुपयोगी सामग्री की नीलामी/निष्पादन और संस्थानों में प्रमुखों (एचओआई) की उचित तैनाती की मांग भी रखी गई। उपमुख्यमंत्री सुरिंदर कुमार चौधरी ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को ध्यानपूर्वक सुना और आश्वासन दिया कि आईटीआई कर्मचारियों की वास्तविक और जायज मांगों पर शीघ्र कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार कर्मचारियों से जुड़े लंबे समय से लंबित मामलों के समाधान और उनके कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

कश्मीरियों पर हमला करने वाले चरमपंथी हिटलर के रास्ते पर चल रहे हैं : फारूक

श्रीनगर, 01 जनवरी । नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि देश के कुछ हिस्सों में कश्मीरियों को निशाना बनाने वाले लोग हिटलर के रास्ते पर चल रहे हैं और उन्होंने उम्मीद जताई कि ये चरमपंथी एक दिन चले जाएंगे। उन्होंने कहा यह हमारी नियति है कि कुछ लोग ऐसे हैं जिनका उद्देश्य कुछ और है। वे हिटलर के रास्ते पर चल रहे हैं और हिटलर जैसी सरकार बनाना चाहते हैं। कश्मीरियों पर हमलों के बारे में पूछे जाने पर अब्दुल्ला ने पत्रकारों से कहा लेकिन हिटलर गायब हो गया उसने खुद को गोली मार ली। नाज़ीवाद वहां समाप्त हो गया और एक समय यहां भी आएगा जब ये चरमपंथी चले जाएंगे। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने नव वर्ष के आरंभ के अवसर पर भारत के पड़ोसी देशों के साथ शांति और मित्रता की प्रार्थना की। उन्होंने कहा नया साल शुरू हो गया है

ईश्वर वर्षा और हिमपात भेजे ताकि हमारी

कठिनाइयाँ कम हों। मैं प्रार्थना करता हूँ कि हमारे देश में शांति बनी रहे और हम अपने पड़ोसियों के साथ मित्रता स्थापित करें ताकि हम इन कठिनाइयों से उबर सकें। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के अंतिम संस्कार में विदेश मंत्री एस जयशंकर की उपस्थिति पर अब्दुल्ला ने कहा कि बांग्लादेश भारत का पुराना मित्र है।

बच्चों को प्रकृति के साथ जोड़े रखने के खास उपाय

अगर आप अपने बच्चों को प्रकृति के साथ भी जोड़ना चाहते है तो आपको बच्चें बनकर उनके साथ समय बीताना चाहिए। पर प्रकृति के साथ पलना-बढ़ना शायद बीते जमाने की बात हो चुकी है, पर इन बातों का ध्यान रख कर बच्चों को प्रकृति के करीब ला सकते हैं। जानें कैसे बच्चों को प्रकृति के साथ जीना सिखाएं...

-बच्चें को प्रकृति के करीब लाए

आजकल इतने ज्यादा स्मार्टफोन हो गए है कि हर बच्चे के हाथ में देखने को मिलता है। यहां तक कि बच्चों ने इस फोन को ही अपना बेस्ट फ्रैंड बना लिया है जो कि उनके सेहत और दिमाग पर गहरा असर डालते है। इस तरह बच्चे प्रकृति से दूर जा रहे हैं। इसे में समय से पहले ही आपके बच्चों में कई तरह की बीमारी देखी जा सकती है। ऐसे में आपके चाहिए कि आप आपने बच्चें को प्रकृति के करीब लाए ताकि वह शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहें।

-सुबह-शाम वॉक पर जाए

आपको अपने बच्चों के साथ सुबह और शाम वॉक पर जाना चाहिए। वॉक करने के लिए आपको पार्क में जाना चाहिए यहां पर सड़क के किनारे पेड़ लगे हो। यह सुबह की वॉक के लिए बेहतर होगा क्योकि इनसे हमें स्वच्छ ऑक्सीजन मिलती है और यह प्रकृति के करीब ले जाते है।

-सुकुन मिलने वाली जगहों पर जाए

आपने बच्चों को ऐसी जगह पर लेकर जाएं जहां पर उनहें सुकुन मिलें जैसे कि हरियाली ले भरें खेत आदि। खेतों की हरियाली देखने से आंखों और दिमाग को बहुत सुकुन मिलता है। बच्चों को ऐसे फार्म में ले जाएं जहां पर बच्चों को भी प्रकृति की अहमियत पता चल पाए।

-सूखे पत्तों पर कूदें

बच्चों को खुश करने के लिए आपको चाहिए कि आप भी उनके साथ बच्चें बन कर झड़े हुए पत्तों को इकठा करके उन पर कूदें। बच्चों को इन पत्तों को इस गट्ठा कर के कूदने और आपका ये नया रुप दोनों ही अच्छे लगेंगे।

-पिकनिक पर ले जाए

अपने बच्चों को पिकनिक पर लेकर जाएं। वहां पर कोशिश करें कि बच्चें अपने फोन पर विडियोगेम खालना छोड़कर गुल्ली डंडा खेले। यह उनके लिए नई गेम होगी और ऐसा करना से कुछ समय के लिए बच्चें प्रकृति का आनंद भी मान पाएगे।

-रात के समय तारे गिनना

मौसम का बदलाव रात के अंधेरे में भी बदलाव लाता है। गर्मी की रात, सर्दी की रातों से अलग होती हैं। सर्दी की रातों में आसमान साफ नजर आता है। बच्चों को आकाश में रात में आ रहे बदलावों के बारे में बताए और साथ ही रात को छत पर जाकर इसका प्रेक्टिकल भी कर के दिखाएं।

खेल खेलने से बच्चों को होते हैं ये फायदे

अगर आप चाहते है कि आपके बच्चे का विकास स्वस्थ तरीके से हो तो उसके लिए बच्चों के खेल खेलना बहुत ही जरुरी है। अगर आपके बच्चे किसी तरह का खेल नहीं खेलेंगे तो बच्चो के शरीर की विकास अच्छी तरह से नही होगा न ही वह एक्टिव रहेगे। ऐसे में बच्चो को मोटापा भी नही आता। एक पालक होने के नाते आपको यह जानना आवश्यक है कि बच्चों के जीवन में खेल के क्या फायदे हैं। अगर आप बच्चों को उनके बचपन में खेलने से रोक रहे हैं तो वास्तव में आप उनका बचपन उनसे छीन रहे हैं। आजकल देखा गया है कि बहुत से स्कूलों में तो बच्चो के लिए खेलने के मैदान ही नही होते। ऐसे में आपको चाहिए कि अपने बच्चे को स्कूल के बाद खेलने के लिए भेजे। इस तरह से आप अधिक अच्छे पालक बन सकते हैं।

1. सामाजिक कौशल का विकास जब आपका बच्चा खेलों में भाग लेता है तो उनमें सामाजिक कौशल का बहुत अच्छा विकास होता है। खेलों के दौरान आपका बच्चा अन्य बच्चों से मिलता है और उनसे बातचीत करता है। यह उसके समाजिक कौशल के विकास में सहायक होता है।

2. टीम वर्क टीम वर्क में आपका बच्चा सीखता है कि किस प्रकार टीम की विजय में योगदान दिया जा सकता है। 3. मस्तिष्क का विकास जब बच्चें किसी भी तरह का कोई खेल खेलते है तो उनके शरीरिक गतिविधि तो होती ही है साथ में उनके सिर के अंदर का जो अंग है उसका विकास होता भी है जो आपके बच्चे को जल्दी सीखने और बढ़ने में सहायक होता है। 4. खेलों से शारीरिक विकास खेल या अन्य शारीरिक गतिविधियों से मांसपेशियों का विकास होता है। स्वस्थ हड्डियों और मांसपेशियों के अच्छे विकास के लिए आपको बच्चे को किसी भी तरह का खेल खालने के लिए उत्साहित करना चाहिए।

5. इम्यूनिटी के लिए स्पोर्ट्स फायदेमंद हैं जब आपका बच्चा खेलों में भाग लेता है तो आपके बच्चे की इम्यूनिटी बढ़ती है। इसके अलावा बच्चे को खुली हवा में छोड़ना अच्छा होता है ताकि उसे अपने आसपास के माहोल का भी पता लगेगा।

6. खिलाड़ी की भावना आपका अपने बच्चो को बताना चाहिए कि जीतना और हारना जीवन का हिस्सा है तथा आपका बच्चा इसे खेल की उन गतिविधियों के माध्यम से सीखता है जिसमें वह हिस्सा लेता है। 7. धैर्य खेल की गतिविधियों से शारीरिक सहनशीलता बढ़ती है, क्योंकि प्रत्येक गेम आख़िरी तक खेला जाता है जिससे आपका बच्चा सीखता है कि अधिक समय तक गर्मी में कैसे रहा जाता है। 8. सहनशीलता खेल खिलाड़ी की सहनशीलता के लिए चुनौती के समान होता है।अगर आपका बच्चा इस प्रकार के खेलों में सहभागी हो ताकि उसकी सहनशीलता बढ़ सके। शारीरिक गतिविधियों में ताकत ही सब कुछ होती है।

बच्चे का वजन कम होने पर खिलाएं उन्हे ये आहार

कई बार पेरेंटस को ये टेंशन रहती है कि उनका वजन सही तरीके से नहीं बढ़ रहा, जबकि साथ वाले बच्चे का वजन सही तरीके से बढ़ रहा होता है ऐसे में आपके मन में कहीं ना कहीं ये सवाल जरूर आता है कि कहीं आपके खान-पान की देखभाल में या परवरिश में कुछ कमीं तो नहीं रह गई?

आजकल बच्चों का खानपान सही न होने की वजह से उनका वजन उम्र के हिसाब से सही नहीं होता है। बच्चों के सही वजन में भोजन सबसे ज?यादा सहायक होता है पर आजकल के बच्चे खाने के मामले में बहुत नखरीले होते है। ऐसे में बच्चों को क्या खिलाया जाएं कि वह स्वस्थ बने रहें और उनका वजन भी संतुलित रहे।

आइए जानें कमजोर शिशुओं व बच्चों को दिया जाने वाला आहार: मलाई सहित दूध

अगर बच्चे का वजन कम है तो उसे मलाई वाला दूध पिलाएं। अगर उसे पीने में अच्छा नहीं लगता है तो शेक बनाकर दें, लेकिन उसके शरीर में मलाई पहुंचनी चाहिए।

घी और मक्खन

बच्चे का वजन बढ़ाना हो, तो घी और मक्खन खिलाना जरूरी होता है। इसे दाल में डालकर दें तो सबसे ज्यादा असर होगा।

सूप, सैंडविच, खीर और हलवा

ये चारों ही चीजें बच्चे के स्वास्थ्य को फायदा करती हैं अगर इन्हे सही मात्रा में दिया जाएं।

आलू और अंडा

अंडा और आलू, दोनों में ताकत होती है। एक में प्रोटीन काफी ज्यादा होता है दूसरे में कार्बोहाईड्रेट। ऐसे में आप बच्चे को ये दोनों ही उबालकर खिला सकती हैं।

स्प्राउट

बच्चे को स्प्राउट खिलाएं, इससे उसका वजन सही होगा। अगर बच?चा बहुत छोटा है तो उसे दाल का पानी पिलाएं। ? व्यवहार और दिनचर्या

बच्चे को स्वस्थ बनाना है तो उसके व्यवहार और दिनचर्या पर ध्यान दें। छोटे बच्चों को इसकी सबसे ज्यादा आवश्यकता होती है। शिशुओं को सही समय पर खुराक दें और उनका ध्यान रखें।

क्रच में बच्चों को मिलता है ऐसा माहौल...

क्रच एक ऐसी जगह है जहां पर बच्चों को घर जैसा प्यार और माहौल मिलता है। क्रच मे छोटे बच्चों की देखभाल की जाती है। आजकल जो माता-पिता दोनों ही काम करते है, ऐसे में समय कम होने की वजह से उनके पास बच्चों की देखभाल करना बहुत ही मुश्किल हो जाता है। ऐसे में वह अपने बच्चों को क्रच में छोड़ जाते है, जहां पर उनकी केयर घर जैसे माहौल में की जाती है। -क्रच आजकल बहुत से ऐसे छोटे स्कूल खोले गए है जहां पर बच्चों को हर तरह की बाते सीखने को मिलती है, जैसे कि वहां पर बच्चों को साफ रखने, गंदे कपड़े बदलने, उनके खान-पीने के साथ खेलने तक का भी ध्यान रखा जाता है। ऐसी जगहों को क्रच कहा जाता है। क्रच में बहुत से हमउम्र बच्चे रहते हैं जिनके साथ आपके बच्चे छोटी-छोटी चीजों को भी सीखते हैं। -सेफ जगह बच्चो के लिए क्रच सेफ जगह है। यहां पर बच्चों के सोने की जगह, खेलने के लिए खिलोने और घर जैसा माहौल होता है।

-खिलोनें

क्रच में बच्चों के खेलने का सामान बच्चों की उम्र के हिसाब से रखा होता है जैसे कि रंगबिरंगे खिलौने, मोटरगाड़ियां, वीडियो गेम्स, कार्टून देखने के लिए टीवी, उन के सोने के लिए बैड, पढ़ने-लिखने के लिए बच्चों की कुछ किताबें।

-मेड

क्रच में बच्चों को संभालने के लिए 2-3 मेड भी रखी होती है जो कि सुबह से लेकर शाम तक बच्चों की अच्छे से केयर करता है। -समय और फीस

क्रच में बच्चों की उम्र के हिसाब से उनका समय और फीस रखी जाती है। अगर बच्चा 5-6 महीने का है तो उसे वह सुबह के 7 बजे से शाम के 7 बजे तक क्रच में रहता है तो ऐसे में उसकी फीस भी इसी हिसाब से रखी जाती है। जिन क्रच में बच्चों को खाना भी दिया जाता है वहां की फीस भी ज्यादा होती है।

-सूचित करना

अगर क्रच में कोई बच्चा रो रहा होता है तो उसे चुप करवाते हैं। अगर बच्चा बीमार तो क्रच वाले उसकी जानकारी उनके माता-पिता को देते हैं। वह खुद से कोई भी दवा नही देते बल्कि माता-पिता को फोन पर बता देते हैं। बताने के बाद अगर बच्चे के माता-पिता दवा देने के लिए बोले तो ही वह बच्चें को दवा देते हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

सकीना इटू ने J&K में GMCs, डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल, SDHs, दूसरी हेल्थ सुविधाओं में सैनिटेशन और सफाई के उपायों में बड़े बदलाव की मांग की

जम्मू, 01 जनवरी। हेल्थ और मेडिकल एजुकेशन, सोशल वेलफेयर और एजुकेशन मिनिस्टर, सकीना इटू ने आज J&K में सभी सरकारी मेडिकल कॉलेज, डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल, सब-डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल और दूसरी हेल्थकेयर सुविधाओं में सैनिटेशन और सफाई के उपायों में पूरी तरह से बदलाव की तुरंत ज़रूरत पर ज़ोर दिया। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि मरीज़ों की अच्छी देखभाल और लोगों के भरोसे के लिए हाइजीन और सैनिटेशन बहुत ज़रूरी है।

कश्मीर डिवीज़न की कल हुई मीटिंग की तरह, जम्मू डिवीज़न की हेल्थ सुविधाओं में साफ़-सफ़ाई और सैनिटेशन के उपायों पर एक हाई-लेवल रिव्यू मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए, मंत्री ने गंदे अस्पतालों के प्रति ज़ीरो टॉलरेंस पॉलिसी अपनाने की बात कही। उन्होंने प्रिंसिपल और मेडिकल सुपरिटेंडेंट को सफ़ाई प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करने, सैनिटेशन स्टैंडर्ड की रेगुलर मॉनिटरिंग करने और हर लेवल पर जवाबदेही सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि अस्पतालों और दूसरी सुविधाओं में मरीज़ों और उनके अटेंडेंट के लिए सुरक्षा, सम्मान और दया का माहौल दिखना चाहिए।

मंत्री सकीना ने कहा, साफ़ और अच्छी तरह से मेंटेन किए गए हेल्थ संस्थान ऑप्शनल नहीं हैं, बल्कि वे असरदार हेल्थकेयर डिलीवरी के लिए ज़रूरी हैं। हमें यह पक्का करना होगा कि बड़े GMC से लेकर आस-पास के हेल्थ सेंटर तक, हर सुविधा में सफ़ाई और सफाई के सबसे ऊँचे स्टैंडर्ड बनाए रखे जाएँ।

मंत्री ने जम्मू और कश्मीर के सभी अस्पतालों में पूरी तरह सफ़ाई, अनुशासन और जवाबदेही के लिए कड़े और भावनात्मक निर्देश जारी किए, और कहा कि गंदे अस्पताल सिर्फ़ एडमिनिस्ट्रेटिव नाकामी नहीं हैं, बल्कि नैतिक, सांस्कृतिक और नैतिक धोखा हैं।

इस्लामी शिक्षा अत-तहरूस शतरुल ईमान (सफ़ाई आधा ईमान है) का ज़िक्र करते हुए, उन्होंने ज़ोर दिया कि अगर घरों और पूजा की जगहों पर सफ़ाई ज़रूरी है, तो यह अस्पतालों में पवित्र हो जाती है, जहाँ दर्द, प्रार्थना और उम्मीद एक साथ मिलते हैं। मंत्री ने डिपार्टमेंट को सेंट्रल लेवल पर ऑडिट कमेटी बनाने और जम्मू-कश्मीर में हेल्थ सुविधाओं का हर दो हफ़्ते में रेगुलर इंस्पेक्शन करने का निर्देश दिया, जिसमें सफ़ाई और सफ़ाई के उपायों पर खास ध्यान दिया जाए। मंत्री ने अस्पताल के दौरे के दौरान ज़मीनी हालात पर गहरी चिंता जताई, और कहा कि सबसे परेशान करने वाली बात डॉक्टरों या कोशिशों की कमी नहीं, बल्कि ओनरशिप की कमी है। उन्होंने साफ़ तौर पर कहा कि सफ़ाई सबकी ज़िम्मेदारी है, डायरेक्टर और प्रिंसिपल से लेकर आख़िरी सफ़ाई कर्मचारी तक। मंत्री सकीना ने कहा, अस्पतालों के मैनेजमेंट और सफ़ाई में सिर्फ़ मेडिकल सुपरिटेंडेंट या प्रिंसिपल की ही नहीं, बल्कि सभी की भूमिका होती है। अस्पतालों को हमारे घरों जितना ही साफ़ होना चाहिए और इस पर कोई समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने मेडिकल सुपरिटेंडेंट से अस्पतालों की सफाई और सफ़ाई बनाए रखने में शामिल सफ़ाई कर्मचारियों, डॉक्टरों या दूसरे स्टाफ़ को कैश इनाम, सर्टिफ़िकेट देने के लिए भी कहा। मंत्री ने मेडिकल सुपरिटेंडेंट को यह भी निर्देश दिया कि वे बाहर से किसी भी तरह का खाना या खाने की चीज़ें अस्पतालों के अंदर न आने दें। उन्होंने अस्पताल परिसर के अंदर पॉलीथीन बैग पर पूरी तरह से बैन लगाने के लिए भी कहा।

किसानों को आधुनिक फल उगाने की तकनीकों, सरकारी योजनाओं से परिचित कराया

जम्मू, 01 जनवरी। बागवानी विभाग जम्मू ने ATMA/MIDH के तहत अखनूर के चक ब्राह्मणा में आधुनिक खेती की तकनीकों को बढ़ावा देने और स्थानीय किसानों को सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूक करने के लिए एक व्यापक बागवानी जागरूकता और विकास शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में संसद सदस्य (लोकसभा) जुगल किशोर शर्मा; संसद सदस्य (राज्यसभा) सत शर्मा; अखनूर के विधायक मोहन लाल भगत; निदेशक बागवानी जम्मू, गुल सैयद; मुख्य बागवानी अधिकारी, आर.के. कोटवाल; बागवानी विकास अधिकारी संदीप शर्मा शामिल हुए।कार्यक्रम की शुरुआत सभी प्रतिभागियों के गर्मजोशी से स्वागत के साथ हुई, जिसके बाद अखनूर क्षेत्र में फलों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए बागवानी पहलों और उद्देश्यों का अवलोकन किया गया।इस कार्यक्रम में स्थानीय किसानों, कृषि हितधारकों और समुदाय के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।शिविर की मुख्य बातों में वैज्ञानिक बागवानी पद्धतियों, उच्च मूल्य वाली फसलों की खेती, मिट्टी स्वास्थ्य प्रबंधन और उत्पादकता बढ़ाने के लिए जलवायु-स्मार्ट खेती की तकनीकों पर प्रस्तुतियाँ शामिल थीं। केंद्र और केंद्र शासित प्रदेश सरकार की बागवानी योजनाओं पर विस्तृत जानकारी दी गई, जिसमें समग्र कृषि विकास कार्यक्रम (HADP), बागवानी के एकीकृत विकास के लिए मिशन (MIDH), JKCIP और इनपुट, ऋण सुविधा और विपणन संबंधों के लिए अन्य सहायता तंत्र शामिल हैं। किसानों और विशेषज्ञों के बीच सीधे संवाद में, जिसमें बागवानी निदेशक और मुख्य बागवानी अधिकारी शामिल थे, फसलों के चयन, बेहतर पौधों की किस्मों, कीट प्रबंधन, फसल कटाई के बाद की प्रथाओं और बागों की देखभाल से संबंधित सवालों के जवाब दिए गए।

कृषि विभाग में जाली नियुक्ति पत्रों के इस्तेमाल से जुड़े एक मामले में दो व्यक्तियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल

श्रीनगर, 01 जनवरी (हि.स.)। कश्मीर अपराध शाखा (सीबीके) की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने कृषि विभाग में जाली नियुक्ति पत्रों के इस्तेमाल से जुड़े एक मामले में दो व्यक्तियों के खिलाफ बडगाम जिले के चदूरा स्थित न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष आरोपपत्र दाखिल किया है। आरोप है कि इन जाली नियुक्ति पत्रों का इस्तेमाल सरकारी नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों को धोखा देने के उद्देश्य से किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि भारतीय दंड संहिता की धारा 420, 511, 467, 468, 471 और 120-बी के तहत दर्ज एफआईआर संख्या 43/2021 के संबंध में आरोपपत्र दाखिल किया गया है। आरोपियों की पहचान शौकत अहमद हाजम पुत्र मोहम्मद अकबर हाजम निवासी वागूरा चदूरा तहसील, बडगाम जिला और इरशाद अहमद अहंगर पुत्र गुलाम मोहम्मद अहंगर निवासी रत्नीपोरा पुलवामा जिला के रूप में हुई है। यह मामला कृषि उप निदेशक की शिकायत से शुरू हुआ जिन्होंने बताया कि एक महिला ने फर्जी और अमान्य नियुक्ति पत्र के आधार पर कृषि निदेशालय में शामिल होने का प्रयास किया था। शिकायत के अनुसार महिला 30 नवंबर, 2019 को कार्यालय में आई थी और अपने साथ 22 नवंबर, 2019 की एक कथित आधिकारिक सूचना की फोटोकॉपी लाई थी। बाद में सत्यापन से पता चला कि यह सूचना फर्जी थी और निदेशालय द्वारा जारी नहीं की गई थी। आगे की जांच में पता चला कि दस्तावेज़ में उल्लिखित नियुक्ति आदेश - आदेश संख्या 385/स्थापना 2019 दिनांक 26 अप्रैल, 2019 और आदेश संख्या 16/स्थापना 2019 दिनांक 29 जनवरी, 2019 भी जाली थे। जांच के दौरान यह स्थापित हुआ कि इरशाद अहमद अहंगर ने सह-आरोपी शौकत अहमद हाजम से फर्जी पत्र प्राप्त किए थे। जांचकर्ताओं ने बताया कि जाली दस्तावेज़ में तीन व्यक्तियों को कश्मीर डिवीजन के कृषि विभाग में अर्दली के रूप में चयनित या नियुक्त दिखाया गया था जाली आदेश के आधार पर पुलवामा जिले के पठान क्षेत्र की एक महिला को कथित तौर पर यह विश्वास दिलाया गया कि उसकी नियुक्ति वैध रूप से हुई है और उसने उसी दिन श्रीनगर स्थित कृषि विभाग में कार्यभार ग्रहण करने का प्रयास किया। जांच में आगे यह भी पता चला कि आरोपियों ने नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों को धोखा देने के इरादे से जाली नियुक्ति आदेश तैयार करने और उनका उपयोग करने के लिए आपराधिक साजिश रची थी। हालांकि किसी भी प्रकार के मौद्रिक लेन-देन या अनुचित लाभ या हानि का प्रमाण नहीं मिल सका, फिर भी इस कृत्य को आईपीसी की धारा 511 के तहत धोखाधड़ी का प्रयास माना गया जांच पूरी होने के बाद ईओडब्ल्यू ने न्यायिक निर्णय के लिए सक्षम न्यायालय के समक्ष आरोप पत्र प्रस्तुत कर दिया है।

पवन शर्मा ने कैलेंडर नव वर्ष 2026 की शुभकामनाएं दीं

जम्मू, 01 जनवरी (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी जम्मू-कश्मीर के राज्य सचिव पवन शर्मा ने आज कैलेंडर नव वर्ष 2026 के अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सभी के अच्छे स्वास्थ्य शांति समृद्धि और सामूहिक प्रगति की कामना की। अपने संदेश में पवन शर्मा ने कहा कि यद्यपि कैलेंडर नव वर्ष विश्व भर में व्यापक रूप से मनाया जाता है। अब भारत के लिए अपनी सभ्यतागत चेतना को पुनर्जीवित करने का समय आ गया है जिसके लिए विक्रम संवत के अनुसार भारतीय नव वर्ष की आधिकारिक घोषणा की जानी चाहिए जो भारत की प्राचीन वैज्ञानिक और समय-परीक्षित कालानुक्रम प्रणाली पर आधारित है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विक्रम संवत केवल एक पारंपरिक पंचांग नहीं है बल्कि एक वैज्ञानिक रूप से विकसित ढांचा है जो भारत के खगोल विज्ञान गणित और प्राकृतिक चक्रों के गहन ज्ञान को दर्शाता है। इस पंचांग के अनुसार भारतीय नव वर्ष को मान्यता देना भारत की सांस्कृतिक विरासत ऐतिहासिक निरंतरता और समृद्ध बौद्धिक धरोहर का सम्मान करने की दिशा में एक सार्थक कदम होगा।

डॉ. संजीव कौल को आरएएएसटी एसोसिएट फेलोशिप अवॉर्ड-2025

अमीर इक़बाल ख़ान

भद्रवाह, 1 जनवरी। शिक्षा और शोध के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले भद्रवाह निवासी शिक्षाविद् एवं शोधकर्ता डॉ. संजीव कुमार कौल को वेस्टर्न घाट रिसर्चर एसोसिएशन फॉर एग्रीकल्चर साइंस एंड टेक्नोलॉजी (आरएएएसटी), मदुरै द्वारा प्रतिष्ठित एसोसिएट फेलोशिप अवॉर्ड-2025 से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें वैज्ञानिक अनुसंधान, नवाचार और समाजोन्मुख पहलों में उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रदान किया गया। पीएम श्री राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, भलरा में कार्यरत डॉ. कौल एसोसिएट एनसीसी अधिकारी भी हैं। उन्हें विशेष रूप से मशरूम प्रलेखन तथा पर्यावरण जागरूकता के क्षेत्र में किए गए अग्रणी कार्यों के लिए सराहा गया है। जम्मू विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र डॉ. कौल को हाल ही में जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल द्वारा बेस्ट टीचर अवॉर्ड-2025 से भी नवाजा गया था, जिससे केंद्र शासित प्रदेश में एक अग्रणी शिक्षाविद् के रूप में उनकी पहचान और सुदृढ़ हुई है।

सम्मान प्राप्त करने पर डॉ. कौल ने इसे गर्व का विषय बताते हुए कहा कि यह उपलब्धि उन्हें समाजहित में सार्थक वैज्ञानिक अनुसंधान को और आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करेगी। अब तक 55 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित कर चुके डॉ. कौल 83 राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भागीदारी कर चुके हैं। पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक विज्ञान से जोड़कर सतत विकास को बढ़ावा देने में उनकी भूमिका सराहनीय रही है। एनसीसी और अकादमिक जगत के प्रति उनकी दोहरी प्रतिबद्धता क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनी हुई है और इससे जम्मू-कश्मीर की वैज्ञानिक एवं शैक्षणिक बिरादरी को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है

84 Bn CRPF ने नए साल के दिन चिनाब ओपन एयर जिम का उद्घाटन किया

रामबन, 01 जनवरी। सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स की 84 बटालियन ने नए साल के दिन अपने टैक्टिकल हेडक्वार्टर- बूम रामबन में चिनाब ओपन एयर जिम का उद्घाटन किया।जिम का औपचारिक उद्घाटन 84 Bn की फर्स्ट लेडी एन. गयाबती देवी ने एक कार्यक्रम में किया, जिसमें 84 Bn के कमांडेंट एन. रणबीर सिंह; सेकंड-इन-कमांड विक्रम सिंह; सेकंड-इन-कमांड ए. के. दीक्षित, साथ ही 84 Bn CRPF के अधिकारी, परिवार, जवान और मीडिया प्रतिनिधि मौजूद थे।

यह ओपन-एयर जिम CRPF कर्मियों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए बनाया गया है। इसमें 12 अलग-अलग उपकरण हैं जो समग्र शारीरिक फिटनेस को बेहतर बनाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, जिसमें ताकत, कार्डियो और लचीलेपन पर ध्यान दिया गया है। सभा को संबोधित करते हुए कमांडेंट ने इस बात पर ज़ोर दिया कि CRPF जैसी लड़ाकू फोर्स में शारीरिक फिटनेस बहुत ज़रूरी है। उन्होंने कहा कि खेल, स्पोर्ट्स और जिम गतिविधियाँ कर्मियों में फिटनेस की भावना पैदा करने के प्रभावी तरीके हैं। इसी उद्देश्य से बटालियन के भीतर फिटनेस संस्कृति को और मज़बूत करने के लिए यह सुविधा विकसित की गई है। 84 Bn CRPF, बूम रामबन में पहले से ही अपने कर्मियों की समग्र फिटनेस सुनिश्चित करने के लिए दो बैडमिंटन कोर्ट, एक वॉलीबॉल कोर्ट, एक लॉन टेनिस कोर्ट और एक आधुनिक जिम है।

विकास कार्यों का जायजा लिया

रामबन, 01 जनवरी। डिप्टी कमिश्नर रामबन, मोहम्मद इलियास खान ने आज चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया और कोवबाग में प्रस्तावित जगह पर केंद्रीय विद्यालय की लंबे समय से प्रतीक्षित शैक्षणिक गतिविधियों को शुरू करने की व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

डिप्टी कमिश्नर के साथ एडिशनल डिप्टी कमिश्नर वरुणजीत सिंह चरक; असिस्टेंट कमिश्नर रेवेन्यू, शौकत हयात मट्टू; तहसीलदार दीप कुमार और अन्य संबंधित अधिकारी भी थे।

NHAI और अन्य कार्यकारी एजेंसियों को सड़कों और अन्य परियोजनाओं के चल रहे निर्माण और रखरखाव को समय पर पूरा करने के लिए काम की गति तेज करने का निर्देश दिया गया। DC ने अधिकारियों को पार्किंग सुविधा के रूप में उपयोग के लिए पहचानी गई भूमि को साफ करने का निर्देश दिया।

LG कविंदर गुप्ता ने लोक निवास का सालाना कैलेंडर जारी किया

लेह, 1 जनवरी। लद्दाख के माननीय उपराज्यपाल, श्री कविंदर गुप्ता ने आज लोक निवास में मुख्य सचिव श्री आशीष कुंद्रा और लद्दाख विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. साकेत कुशवाहा की उपस्थिति में यार्ग्यास लद्दाख- एक समृद्ध भविष्य की ओर बढ़ते कदम शीर्षक से सालाना कैलेंडर जारी किया। यह शानदार कैलेंडर केंद्र शासित प्रदेश में मनाए जाने वाले प्रमुख त्योहारों और कार्यक्रमों को दिखाता है, साथ ही लद्दाख के सर्वांगीण विकास और यहां के लोगों की समृद्धि के लिए अ प्रशासन द्वारा शुरू की गई प्रमुख बदलाव लाने वाली पहलों पर भी प्रकाश डालता है। कैलेंडर में शामिल प्रमुख विषयों में स्थानीय प्रतिभाओं को निखारने के लिए खेल विकास; स्थायी बिजली की ओर ऊर्जा में छलांग; PM आयुष्मान भारत जैसी प्रमुख स्वास्थ्य सेवा पहल जो सुलभ चिकित्सा देखभाल सुनिश्चित करती है; नई शुरुआत का समर्थन करने वाली विवाह सहायता योजनाएं; पारदर्शिता, जवाबदेही और सेवा पहुंच को बढ़ावा देने के लिए डिजिटल लद्दाख; उद्यमियों और कारीगरों का सशक्तिकरण; राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में लद्दाखी खुबानी को बढ़ावा देना; शैक्षिक परिवर्तन; लद्दाख को एक प्रमुख पर्यटन और साहसिक स्थल के रूप में स्थापित करना; वित्तीय प्रबंधन में पारदर्शिता; खाद्य सुरक्षा; और ग्रामीण सशक्तिकरण शामिल हैं। माननीय उपराज्यपाल ने कैलेंडर की सराहना करते हुए इसे अ प्रशासन के जन-केंद्रित दृष्टिकोण को दर्शाने वाला एक विज़ुअल रोडमैप बताया और एक जीवंत और आत्मनिर्भर लद्दाख के निर्माण की दिशा में सामूहिक प्रयासों को प्रेरित करने के लिए इसके व्यापक प्रसार को प्रोत्साहित किया।

खेलो इंडिया से भारत की खेल उपलब्धियों को मिली नई दिशा- बलबीर

जम्मू, 01 जनवरी (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर भाजपा के प्रवक्ता एवं पूर्व उपाध्यक्ष बलबीर राम रत्तन ने कहा है कि खेलो इंडिया पहल ने भारत की खेल आकांक्षाओं को ठोस आधार देते हुए देश को अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर एक सशक्त और आत्मविश्वासी शक्ति के रूप में स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 में भारत को मिली उल्लेखनीय खेल सफलताएँ किसी एक आयोजन का परिणाम नहीं बल्कि प्रतिभा पहचान, गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण और दीर्घकालिक खिलाड़ी विकास पर आधारित एक सुव्यवस्थित खेल प्रणाली का नतीजा हैं। खेलो इंडिया जैसी पहलों से युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए आवश्यक मंच और संसाधन उपलब्ध हुए हैं। बलबीर राम रत्तन ने बताया कि 2025 में महिला विश्व क्रिकेट कप, आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी, टी-20 विश्व कप, स्क्वैश विश्व कप, कबड्डी विश्व कप सहित कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत के प्रदर्शन ने वैश्विक स्तर पर देश की खेल क्षमता को नई पहचान दी है। उन्होंने स्वदेशी खेलों में भारत की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि पुरुष और महिला खो-खो विश्व कप में जीत ने पारंपरिक खेलों की अंतरराष्ट्रीय संभावनाओं को उजागर किया है। इसके अलावा पिकलबॉल विश्व कप में प्रदर्शन को उन्होंने नए खेलों में भारत की बढ़ती उपस्थिति का संकेत बताया। समावेशी खेल विकास पर जोर देते हुए उन्होंने डेफलंपिक्स में 20 पदक और युवा खेल प्रतियोगिताओं में 48 पदकों को भविष्य की मजबूत प्रतिभा श्रृंखला का प्रमाण बताया। वहीं विश्व बॉक्सिंग फाइनल्स में 20 पदकों की उपलब्धि को अनुशासन और बेहतर कोचिंग का परिणाम करार दिया।

श्री माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति की कोर कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक गीता भवन में संपन्न

जम्मू। श्री माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति की कोर कमेटी की एक अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक आज गीता भवन में आयोजित की गई, जिसकी संयुक्त अध्यक्षता संघर्ष समिति के अध्यक्ष कर्नल सुखवीर सिंह मनकोटिया और श्री सनातन धर्म सभा के अध्यक्ष श्री पुरुषोत्तम दधीचि जी द्वारा की गई। बैठक में मुख्य रूप से श्राइन बोर्ड द्वारा संचालित मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस सीटों के प्रवेश से जुड़े गंभीर विवाद पर चर्चा हुई। समिति ने कड़ा रोष व्यक्त करते हुए आरोप लगाया कि बोर्ड की मिलीभगत से गैर-सनातनियों को सभी सीटें दे दी गई हैं, जो सनातन समाज के साथ सरासर अन्याय है। इस अवसर पर वक्ताओं ने श्राइन बोर्ड की कार्यप्रणाली पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि श्रद्धालु अपनी अटूट श्रद्धा से मां के चरणों में जो चढ़ावा चढ़ाते हैं, उसके न्यायोजित प्रबंधन के लिए 1988 में बोर्ड का गठन हुआ था। बोर्ड का मूल कार्य यात्रियों की सुरक्षा, सुगम दर्शन और सनातन धर्म का प्रचार-प्रसार, गुरुकुलों व गौशालाओं का संचालन होना चाहिए था। परंतु खेद का विषय है कि पिछले दो दशकों से इस धन का दुरुपयोग उन अस्पतालों, विश्वविद्यालयों और सड़कों के निर्माण में किया जा रहा है जो मूलतः सरकार की जिम्मेदारी हैं। समिति का स्पष्ट रुख है कि मां वैष्णो देवी के चढ़ावे का एक-एक पैसा केवल सनातन धर्म के उत्थान के लिए ही खर्च होना चाहिए।

बैठक को संबोधित करते हुए कर्नल सुखवीर सिंह मनकोटिया ने भविष्य की रणनीति साझा करते हुए कहा कि अब इस संघर्ष को जन-आंदोलन का रूप देने के लिए पूरे प्रदेश में सनातन जागरण यात्रा का आगाज़ किया जाएगा। इसके माध्यम से जनता को जागरूक किया जाएगा कि कैसे सनातनी धन से बने संस्थानों में अपनों को ही दरकिनार कर गैर-सनातनियों को प्राथमिकता दी जा रही है।

उपायुक्त ने जागरूकता अभियान के प्रारंभ में सड़क सुरक्षा शपथ दिलाई

किश्तवाड़, 01 जनवरी (हि.स.)। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 अभियान का औपचारिक शुभारंभ आज किश्तवार जिले में उपायुक्त पंकज कुमार शर्मा द्वारा किया गया।

उपायुक्त ने विभिन्न विभागों के प्रमुखों, डीसी कार्यालय के अधिकारियों और परिवहन संघ के सदस्यों सहित उपस्थित लोगों को सड़क सुरक्षा शपथ दिलाई और सामूहिक जिम्मेदारी के माध्यम से सड़क दुर्घटनाओं को कम करने और यातायात नियमों के पालन को बढ़ावा देने के लिए जिला प्रशासन की प्रतिबद्धता को दोहराया।

डीसी ने बताया कि राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 1 जनवरी से 31 जनवरी 2026 तक मनाया जाएगा, जिसके दौरान जिले भर में कई लक्षित गतिविधियां और अभियान चलाए जाएंगे। इस अभियान का उद्देश्य सड़क उपयोगकर्ताओं को सुरक्षित ड्राइविंग प्रथाओं, पैदल यात्री सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन के महत्व के बारे में शिक्षित करना है।

उपायुक्त ने सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (एआरटीओ) तस्लीम वानी को निर्देश दिया कि वे महीने भर में निर्धारित गतिविधियों का आयोजन करें, जिनमें सड़क सुरक्षा जागरूकता शिविर, जनसंपर्क कार्यक्रम, प्रवर्तन अभियान और चालकों एवं ट्रांसपोर्टरों के लिए चिकित्सा जांच शिविर शामिल हैं, ताकि सुरक्षित ड्राइविंग के लिए स्वास्थ्य और फिटनेस को बढ़ावा दिया जा सके।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER IRRIGATION DIVISION KATHUA
CORRIGENDUM

SUBJECT: - EXTENSION OF DATE OF WORKS OF E-NIT NO.11 OF 12/2025-26.
REFERENCE: - THIS OFFICE E-NIT NO. 11 OF 12/ 2025-26 ISSUED VIDE NO:-IDK/ 4065-4105
DT:- 22-12-2025.
THE BELOW MENTIONED WORKS OF THE ABOVE MENTIONED E-NIT PUBLISHED ON 23-12-2025 IS HEREBY EXTENDED DUE TO POOR RESPONSE.

S No.	E-NIT No.	Tender ID	Name of work
1	eNIT No.11 of 12/2025	2025_IFC_298920_4	Silt clearance and jungle clearance of Naj canal from Rd 3385-4045 to provide adequate supply of Irrigation water to the farmers of the area..

DATE OF SUBMISSION OF BID :- 23-12-2025 TO 06-01-2026 (1800 HRS)
DATE OF OPENING OF TENDER :- 07-01-2026 (1400 HRS)
ALL OTHER TERMS AND CONDITIONS OF E-NIT NO. 11 OF 12 / 2025-26 SHALL REMAIN SAME.
NO: IDK/4230-33 DATED:- 30-12-2025

DIP/J-9663/25
Dtd:1-1-2026

SD/-
EXECUTIVE ENGINEER
IRRIGATION DIVISION
KATHUA

संपादकीय

सुरक्षा अभी भी एक बड़ी चुनौती

यह काफी संतोषजनक है कि 22 अप्रैल, 2025 को पहलगाम में हुए आतंकी हमले, भारत-पाकिस्तान सैन्य संघर्ष और खराब मॉनसून के बाद J&K में खराब पर्यटन सीजन के बाद, घाटी के मशहूर पर्यटन स्थलों पर नए साल की पूर्व संध्या पर फिर से रौनक लौटने लगी है, गुलमर्ग और सोनमर्ग के होटल पिछले साल की रुकावटों के बाद पहली बार पूरी तरह से बुक हो गए हैं। खबरों के मुताबिक, नए साल की पूर्व संध्या पर हुई ताज़ा बर्फबारी से पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है, जिससे उस इंडस्ट्री को बहुत ज़रूरी राहत मिली है जिसे 2025 में भारी झटका लगा था।

2019 में अनुच्छेद 370 हटने के बाद, पिछले कुछ सालों में जम्मू और कश्मीर में पर्यटकों की संख्या में तेज़ी से बढ़ोतरी हुई थी। कश्मीर के अपेक्षाकृत कम देखे गए इलाकों और ट्रेकिंग रूट्स पर भी बड़ी संख्या में पर्यटक आए। हालांकि, केंद्र शासित प्रदेश के मुख्य आर्थिक स्तंभों में से एक पर्यटन क्षेत्र को अप्रैल 2025 में उस समय बड़ा झटका लगा, जब वह पीक सीजन की तैयारी कर रहा था, दक्षिण कश्मीर के मशहूर पहलगाम रिसॉर्ट में हुए जानलेवा हमले के बाद। इस हमले का असर पूरे गर्मी और पतझड़ के पर्यटन सीजन में महसूस किया गया।

अब, जब उम्मीदें फिर से जगी हैं और पर्यटकों ने फिर से कश्मीर का रुख करना शुरू कर दिया है, तो यह ज़रूरी है कि केंद्र और J&K प्रशासन यह सुनिश्चित करें कि सभी सुरक्षा चुनौतियों का प्रभावी ढंग से मुकाबला किया जाए, सभी कमियों को दूर किया जाए और आतंकवादियों द्वारा किसी भी गलत हरकत का मुकाबला करने के लिए फुलप्रूफ बंदोबस्त किया जाए, क्योंकि केंद्र शासित प्रदेश आतंकवादी मौजूदगी या उनकी हिंसा की वजह से और ज़्यादा अशांति बर्दाश्त नहीं कर सकता।

इसमें कोई शक नहीं कि पर्यटन के मामले में 2025 छ्व×च के लिए एक बुरा साल रहा और इसलिए ज़िम्मेदार लोगों को पर्यटकों और अन्य हितधारकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी सावधानियां बरतनी चाहिए, क्योंकि कोई भी कमी भारी पड़ सकती है, और आने वाले पर्यटन वर्ष की संभावनाओं को बर्बाद कर सकती है।

दूसरी ओर, लोगों को सरकार और सुरक्षा बलों के कान और आंख बनकर काम करना चाहिए और किसी भी संदिग्ध गतिविधि या व्यक्ति की सूचना बिना एक पल भी गंवाए नज़दीकी सुरक्षा सुविधा को देनी चाहिए, क्योंकि यह J&K में आतंकवाद से संबंधित गतिविधियों का मुकाबला करने के लिए बहुत ज़रूरी है। जम्मू-कश्मीर में शांति बहुत मुश्किल से मिली है और इसलिए इसे बनाए रखना इस क्षेत्र से जुड़े सभी लोगों की ज़िम्मेदारी है।

यह सच है कि शांति, प्रगति और खुशहाली टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए ज़रूरी हैं और इसलिए सभी को जम्मू-कश्मीर में इन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए ताकि यह क्षेत्र जल्द से जल्द अपनी खोई हुई पुरानी शान वापस पा सके, क्योंकि पिछले एक दशक में इस दिशा में बहुत कुछ हासिल किया गया है।

राष्ट्रीय नवोन्मेष और विकसित भारत की संकल्पना

भविष्य पर गौर करते हुए ताजे अनुभवों पर ध्यान देना ठीक होगा। बीता वर्ष भारत के लिए चुनौतियों भरा था। अमेरिकी नीति ने भारत के निर्यात, रुपये की कीमत, निवेश तथा भुगतान संतुलन आदि को लेकर मुश्किलें खड़ी कर दीं। राष्ट्रपति ट्रम्प की तथाकथित अमेरिकी हितों को आक्रामक ढंग से आगे धकेलने की नीति ने निश्चित ही व्यापारिक दृष्टि से अहित किया। अमेरिका द्वारा पारस्परिक सीमा शुल्क अर्थात् 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का निर्णय लिया गया। इन सबको देखते हुए स्थिति संभालने के लिए भारत ने कई कदम उठाए गए। जीएसटी की दरें कम की गईं और श्रम कानून में बदलाव लाया गया।

-गिरीश्वर मिश्र

पिछले एक दशक में भारत की छवि निश्चित रूप से एक सशक्त देश के रूप में निखरी है। नए वर्ष में इस बदलते भारत के भविष्य के बारे में सोचते हुए हमें देश की समृद्ध प्राचीन सभ्यता और आधुनिक राष्ट्र राज्य की संकल्पना दोनों को ध्यान में रखना होगा। लोक की स्मृति में अभी भी नैतिक और न्यायपूर्ण शासन के लिए राम-राज्य की अमिट छवि कायम है।

न केवल साल 1950 में लागू भारत के संविधान की मूल प्रति में मौलिक अधिकारों वाले अध्याय के आरंभ में राम का चित्र अंकित किया गया था बल्कि साल 2025 में अक्टूबर तक 22 करोड़ लोग अयोध्या में रामलला के दर्शन कर चुके हैं। साल के अंत तक यह संख्या 50 करोड़ हो सकती है। इसलिए जहाँ वैश्वीकरण के अनुकूल आकांक्षाओं को ध्यान में रखना होगा वहीं नैतिकता, सत्य तथा अहिंसा जैसे मानदंडों की भी चिंता करनी है।

राम-राज्य धर्म का राज्य की संकल्पना है जिसमें समता, समानता और सौहार्द के साथ सबका हर तरह से कल्याण मुख्य लक्ष्य है। देश की प्रगति की कथा को देखें तो उसमें निरंतरता और परिवर्तन दोनों के तत्व मिलते हैं। आज हमें संयत होकर यह विचार करना होगा कि विकसित भारत कैसा होगा ? यह प्रश्न इसलिए भी जरूरी हैं कि भारतीय समाज में अनेक प्रकार की बहुलताएँ हैं जिसे लेकर कुछ विचारक देश की मौलिक एकता को प्रश्नांकित करते हैं। वे भूल जाते हैं कि भारतीय दृष्टि में बहुलता अंतर्निहित मौलिक एकता का ही प्रकटन होती है- एकम् सद् विप्रा- बहुधा वदंति। उसी एकता को खोजना पहचानने का उद्देश्य होना चाहिए। यही सात्विक ज्ञान है जैसा गीता में कहा गया है- अविभक्तम् विभक्तेषु य- पश्यति स पश्यति यानी बंटे हुओं में वह तत्व जो अनबंटा रहते हुए सब में मौजद रहता है उसे देखना चाहिए।

पूरे प्राणी जगत में निकटता को आधार बना कर विविधताओं का सह अस्तित्व और पारस्परिक संवाद इस भारत की मौलिक सोच रही है। ऐसे में दूसरा या अन्य अनन्य (गहरा दोस्त!) हो जाता है। तब दूसरा या 'पर' हमारे अपने स्व या आत्म का हिस्सा या 'अपर' हो जाता है। हम दूसरे का आदर करते हैं और अपरिचित को अतिथि देवता के रूप में पूजते हैं । यह अकारण नहीं है कि परिवार या कुटुंब का रूपक हमारी सोच में केंद्रीय है। सबको शामिल करते हुए वसुधैव कुटुंबकम् के लक्ष्य को अपनाते हुए ही विविधता में समरसता स्थापित हो सकेगी। देश की एकता, देश को अपनाने के भाव और देशप्रेम के लिए भी यह दृष्टि जरूरी है।

भविष्य पर गौर करते हुए ताजे अनुभवों पर ध्यान देना ठीक होगा।

बीता वर्ष भारत के लिए चुनौतियों भरा था। अमेरिकी नीति ने भारत के निर्यात, रुपये की कीमत, निवेश तथा भुगतान संतुलन आदि को लेकर मुश्किलें खड़ी कर दीं। राष्ट्रपति ट्रम्प की तथाकथित अमेरिकी हितों को आक्रामक ढंग से आगे धकेलने की नीति ने निश्चित ही व्यापारिक दृष्टि से अहित किया। अमेरिका द्वारा पारस्परिक सीमा शुल्क अर्थात् 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का निर्णय लिया गया। इन सबको देखते हुए स्थिति संभालने के लिए भारत ने कई कदम उठाए गए। जीएसटी की दरें कम की गईं और श्रम कानून में बदलाव लाया गया।

यह बड़ी उपलब्धि है कि अंतरराष्ट्रीय अनिश्चितिता की विकट परिस्थितियों में भी भारत की जीडीपी की दर विश्व में अव्वल दर्जे की बनी रही। खुदरा मंहगाई दर भी आठ साल में सबसे कम रही। अच्छी पैदावार, आपूर्ति श्रृंखला में सुधार, कच्चे तेल की कम कीमत ने इस परिस्थिति में मदद की। शेयर बाजार में घरेलू निवेशक हमारी अर्थव्यवस्था की ताकत बने। आयकर रिटर्न के दाख़िलों और कर-संग्रह में भी सुधार हुआ। कई देशों के साथ व्यापार समझौते भी किए जा रहे हैं। बिजली, शहरी विकास, खनन, और वित्तीय सेवा के क्षेत्र में नई पहलें की गईं। भारत एक बड़ी वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने की राह पर अग्रसर है और अनुमान है कि साल 2030 तक 7.3 ट्रिलियन डॉलर जीडीपी के साथ वह दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जायेगा।

आशा की जाती है कि आर्थिक उन्नति से आम जनों का जीवन स्तर ऊँचा उठेगा। सामाजिक संरचना की दृष्टि से मध्यम वर्ग का आकार बढ़ रहा है जिससे खपत और शहरीकरण में वृद्धि और ग़रीबी में कमी के आसार बन रहे हैं। देश में बुनियादी ढांचा विस्तृत और सुदृढ़ हो रहा है। खासतौर पर डिजिटल प्रौद्योगिकी, कृत्रिम मेधा (एआई), अंतरिक्ष विज्ञान, मेट्रो और बुलेट ट्रेन आदि को लेकर प्रगति दर्ज हो रही है। मेड इन इंडिया के तहत मैन्युफैक्चरिंग, आईटी, स्वास्थ्य सेवा और स्टार्टअप्स में भारी वृद्धि से रोजगार के नए अवसर बढ़ रहे हैं। उत्पादन क्षेत्र में प्रगति की संभावना दिख रही है और स्वदेशी विकास की नीति अपनाई जा रही है। अनुमान है कि 5-जी और रोबोटिक्स के उपयोग का दायरा विस्तृत होता जायेगा। व्यापारिक लेनदेन अधिकाधिक 'कैशलेस' होते जाएँगे। अब ऑनलाइन ख़रीददारी और ओटीटी प्लेटफॉर्म तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। भविष्य में एआई का प्रभुत्व और भी बढ़ेगा। उसी के साथ साइबर अपराध भी बढ़ रहे हैं। ऐसे में साइबर सुरक्षा बड़ा महत्वपूर्ण सरोकार बन रहा है।

इन सबके साथ यह भी याद रखना जरूरी है कि देश का भविष्य सिर्फ आर्थिक उन्नति के सूचकों तक सीमित नहीं किया जा सकता। आर्थिक विकास को केवल वृद्धि दर के अर्थ में ही नहीं, बल्कि रोजगार के अधिक अवसर, सामाजिक गतिशीलता और आम जनों के जीवन-स्तर में उन्नति के संदर्भ में भी देखना होगा। जनसंख्या का विशाल आकार और सबके लिए गुणवत्तापूर्ण जीवन सुनिश्चित करना निश्चित रूप से एक बड़ी चुनौती है।

इसके लिए हमारी अर्थव्यवस्था को ज्ञान-केंद्रित और सामाजिक रूप से ज्यादा उत्तरदायी भी बनाना होगा। आत्मनिर्भर भारत के लिए अवसर भी है पर हम अपनी सीमाओं को भी नजरअंदाज़ नहीं कर सकते। उदाहरण के लिए युवा भारत को अक्सर एक पूंजी के रूप में घोषित किया जाता है पर इसके लिए कौशल, स्वास्थ्य और शिक्षा में निवेश करना होगा। कौशल विकास की कमी और युवाओं में बेरोज़गारी के चलते समाज में असंतोष पैदा हो रहा है। यद्यपि नई शिक्षा नीति के दस्तावेज में अनेक प्रावधान हैं पर उसकी विसंगतियों को दूर कर उनके कार्यान्वयन के लिए गंभीर प्रयास करने होंगे।

उपेक्षा और साधनों के अभाव में विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में शिक्षा व्यवस्था में गिरावट चिंताजनक है। शिक्षा की पहुँच, उसकी गुणवत्ता और प्रासंगिकता को लेकर संशय बना हुआ है। इसी तरह सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा की मुश्किलें भी बढ़ी हैं। मानसिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी सुविधाएँ पर्याप्त नहीं हैं। अभी भी महिला श्रम-भागीदारी निम्न दर पर है। विकास रोजगार-रहित या अल्प-रोजगार वाला हो रहा है, आय और संपत्ति की असमानता भी बढ़ी है और अनौपचारिक क्षेत्र की असुरक्षा बनी हुई है। साथ ही जाति, वर्ग, लिंग और क्षेत्रीय विषमताएँ भी हैं। उनको दूर कर बहिष्कृत जनों का समावेश जरूरी होगा अन्यथा राजनैतिक दलों द्वारा सामाजिक ध्रुवीकरण कर चुनावी लाभ लेने का चक्र चलता रहेगा। हमें बहुलता और राष्ट्रीय एकता को जोड़ना आवश्यक है। देश की सांस्कृतिक विरासत का स्वागत-संवर्धन और वैश्वीकरण के आकर्षण के बीच भी तनाव है जिसका समाधान जरूरी है।

यह भी उल्लेखनीय है कि देश की सीमाओं पर विदेशी आतंक और अस्थिरता लाने वाले देशी तत्वों की ओर से लगातार चुनौती आती रहती है। इस सिलसिले में आपरेशन सिन्दूर ने भारत की श्रेष्ठ स्तर की सामरिक तैयारी और अचूक मारक क्षमता का परिचय दिया। दुर्भाग्यवश कई पड़ोसी देशों की राजनैतिक अस्थिरता और उथल-पुथल को देखते हुए सतत चौकसी और सावधानी की जरूरत बनी हुई है। साथ ही प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से होने वाली अंतरराष्ट्रीय दखल परिस्थति को और जटिल बना रही है। आज विभिन्न देशों के समीकरण सीमित हितों को लेकर बन बिगड़ रहे हैं। यह मानवीय दुख है कि रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध अब चौथे साल में प्रवेश करेगा। संहार के बाद गाजा पट्टी की स्थिति दयनीय है। ईरान और इजरायल के बीच भी तनातनी जारी है।

आज डिजिटल प्रौद्योगिकी की क्रांति प्रशासन, शिक्षा और सामाजिक संबंधों समेत जीवन के हर हिस्से को नए ढंग से परिभाषित कर रही हैं। चुनौती है यह कि तकनीक को दक्षता का लाभ लेते हुए नैतिकता और मानवीय गरिमा के मूल्यों को कैसे सुरक्षित और संबर्धित किया जाय। डिजिटल रूप से सारे समाज का समावेश, डेटा विषयक नैतिकता और साइबर अपराध भारी चुनौती पेश कर रहे हैं। इसी तरह प्राकृतिक आपदाओं से मिलते संकेत जलवायु-परिवर्तन और तापमान में लगातार वृद्धि जैसे बदलाव पर्यावरणीय संकट की जटिलता को बता रहे हैं। भविष्य के लिए ये गहन चुनौतियाँ होंगी।

गौरतलब है कि भारतीय ज्ञान परम्परा और मूल्य दृष्टि प्रकृति के साथ संतुलन और सह जीवन पर बल देती आई है। वह प्रकृति के अंधाधुंध दोहन के विरुद्ध है। हमें अनिवार्य रूप से उपभोक्तावाद पर लगाम लगाते हुए ऐसी जीवन-शैली अपनानी होगी जो पर्यावरण और सतत विकास के विरुद्ध न हो। भारत का भविष्य उज्ज्वल और संभावनाओं से भरा है, जो एक युवा आबादी, तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, और तकनीकी प्रगति से अनुप्राणित है; हालाँकि, इसे गरीबी, जलवायु परिवर्तन और सामाजिक असमानताओं जैसी चुनौतियों का भी सामना करना पड़ रहा है। इन्हें दूर करने के लिए नवाचार और समावेशी विकास की आवश्यक है। यह भी जरूरी होगा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनता का भरोसा बढ़े और सामाजिक संवाद तथा सहिष्णुता को बढ़ावा मिले। इसके लिए भागीदारी, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व के अभ्यास पर व्यावहारिक स्तर पर बल देना होगा।

(लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।)

नववर्ष पर देश-विदेश से आए लाखों भक्तों ने लगाई बांकेबिहारीजी के चरणों में हाजिरी

मथुरा, 01 जनवरी(हि.स.)। नए वर्ष की शुरुआत ठाकुर बांकेबिहारी के दर्शन के साथ करने के लिए देश-विदेश से लाखों भक्त गुरुवार बांकेबिहारी की नगरी में पहुंचे और उन्होंने आराध्य के चरणों में अपनी हाजिरी लगाई।

सुबह भले ही मंदिर में दर्शनार्थियों की संख्या में गिरावट देखने को मिली। लेकिन, दिन चढ़ने के साथ व रात्रि तक श्रद्धालुओं की भीड़ में जबरदस्त बढ़ोत्तरी हुई। मंदिर आने वाले रास्तों पर श्रद्धालुओं की भीड़ आगे बढ़ती नजर आ रही थी।

ऐसे में पुलिस ने कमान संभाली और बैरियर लगाकर जगह-जगह श्रद्धालुओं को रोक रोक कर आगे बढ़ाया तो घंटों श्रद्धालुओं को भीड़ के दबाव से जूझते हुए आराध्य के दर्शन संभव हो सके। गुरुवार देर शाम तक श्रद्धालुओं की संख्या में वृद्धि देखने को मिली।

तो व्यवस्थाएं भी ध्वस्त होती नजर आईं। मंदिर प्रांगण में दर्शन कर चुके श्रद्धालुओं को बाहर निकालने में पुलिस व सुरक्षागार्डों को ठिठुरनभरी सर्दी में पसीना बहाना पड़ गया।

वर्ष के पहले दिन लगभग दो लाख भक्तों ने आराध्य के दर्शन कर साल की शुरुआत की। ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में गुरुवार को वर्ष के पहले दिन जब मंदिर के पट खुले तो श्रद्धालुओं की संख्या में भारी गिरावट देखने को मिली। लेकिन, सुबह दस बजे के बाद श्रद्धालुओं की संख्या में वृद्धि होना शुरू हुआ तो भक्तों के कदम थमे नहीं। मंदिर आने वाले एंट्री पाइंट विद्यापीठ व जुगलघाट से भीड़ के दबाव को पार करते हुए श्रद्धालुओं को करीब एक घंटे का समय मंदिर पहुंचने तक लगा। ऐसे में भीड़ के बीच फंसी महिलाओं और बच्चों को कठिनाईयों का सामना करना पड़ा।

हालांकि पुलिस ने मंदिर के अंदर भीड़ का दबाव न बन सके। इसके लिए श्रद्धालुओं को बैरियर पर रोक रोककर आगे बढ़ाया। जहां भी बैरियर पर श्रद्धालुओं को रोका जाने लगा, पीछे से भीड़ का दबाव बढ़ने लगता। ऐसे में महिलाओं, बच्चों को भीड़ के दबाव में कठिनाईयों का सामना करना पड़ा। जैसे ही बैरियर खुलता श्रद्धालु दौड़कर आगे बढ़ने लगते और आगे बैरियर पर फिर भीड़ का दबाव बन जाता। मंदिर चबूतरे पर चढ़ने के लिए श्रद्धालुओं की बीच आपाधापी का माहौल दिनभर बना रहा। जबकि मंदिर के अंदर प्रांगण में पुलिस व सुरक्षागार्ड दर्शन कर चुके श्रद्धालुओं को बाहर निकालने की मशक्कत करते रहे। शाम को भी श्रद्धालु भारी संख्या में आराध्य के दर्शन करने के लिए पहुंचे।

--अभेद्य सुरक्षा: ड्रोन और सीसीटीवी से निगरानी

जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने श्री बांके बिहारी जी मंदिर तथा आस-पास के क्षेत्र का निरीक्षण कर देखी श्रद्धालुओं हेतु विभिन्न व्यवस्थाएं की गई।

लाखों की भीड़ के बीच शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस- प्रशासन द्वारा चप्पे-चप्पे पर नजर रखने के लिए आधुनिक ड्रोन और सैकड़ों सीसीटीवी कैमरों का उपयोग किया गया।

माइक के जरिए लगातार अनाउंसमेंट कर भीड़ को एक स्थान पर एकत्रित होने से रोका गया। प्रमुख मार्गों पर बैरिकेडिंग और वन-वे सिस्टम लागू किया गया, ताकि पैदल यात्रियों को असुविधा न हो।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि और अन्य संवेदनशील स्थलों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। पुलिस बल के साथ- साथ सादे कपड़ों में भी पुलिसकर्मी (इंटेलिजेंस) तैनात रहे ताकि असामाजिक तत्वों पर नजर रखी जा सके। पुलिस और प्रशासन द्वारा सोशल मीडिया की निरंतर निगरानी सुनिश्चित की गई।

बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या और हमले की घटनाएं, सेक्युलर दलों की चुप्पी

-मृत्युंजय दीक्षित

अगस्त 2024 में बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को हिंसक प्रदर्शनों के चलते अपना देश छोड़ना पड़ा, जिसके बाद बांग्लादेश में हिन्दुओं पर आक्रमण, हत्या और आगजनी की भीषण घटनाएं हुईं क्योंकि हिन्दुओं को उनकी पार्टी का समर्थक माना जाता है। शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार बनी। यूनुस के आते ही पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई बांग्लादेश में सक्रिय हो गई और भारत तथा हिन्दू विरोधी आग भड़काने में जुट गई। दिसंबर 2025 में भारत विरोधी नेता उस्मान हादी की हत्या के बाद यह आग और भड़क गई। अब ईशनिंदा के झूठे आरोप लगाकर हिन्दुओं की हत्याएं की जा रही हैं। हिन्दू घरों में बाहर से ताला लगाकर आग लगाई जा रही है। इन सभी क्रूर आपराधिक घटनाओं को यूनुस सरकार का मौन समर्थन है जिससे हिन्दू जान बचाकर भाग तक नहीं पा रहा है।

बांग्लादेश हिंदू समाज के नरसंहार की भूमि बन चुका है।

विभाजन के समय बांग्लादेश में हिन्दू जनसँख्या 23 प्रतिशत थी। 1974 की जनगणना में यह घटकर मात्र 13.5 प्रतिशत रह गई थी और अब मात्र 7.96 प्रतिशत है। हिन्दुओं पर हो रहे धार्मिक अत्याचारों का यही हाल रहा तो बांग्लादेश में हिन्दू पूरी तरह से लुप्तप्राय हो जाएंगे। विदेश मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार 2022 में अल्पसंख्यकों पर 47 हमले दर्ज किए गए जो 2023 में बढ़कर 302 हो गए और फिर 2024 में तेजी से बढ़कर 3200 हो गए।

दिसंबर माह में ही पहले दीपू चन्द्र दास और फिर अमृत मंडल को भीड़ ने ईशनिंदा के नाम पर बर्बरता से मार डाला। चटगांव मे हिंदू परिवार के घर में आग लगा दी गई। घटनास्थल से एक धमकी भरा नोट मिला जिसमें हिन्दुओं पर इस्लाम विरोधी गतिविधियों का आरोप लगाया गया था और गंभीर परिणाम की चेतावनी दी गई। हादी की मौत का बदला लेने के लिए भीड़ हिन्दुओं के खून की प्यासी होकर हथियारों के साथ सड़कों पर घूम रही है। बांग्लादेश में प्रतिवर्ष किसी न किसी बहाने हिंदू मंदिरों पर हमले हो रहे हैं और अब तक 850 से अधिक हिंदू मंदिरों को ध्वस्त किया जा चुका है।

केवल ताजा हिंसा में ही अभी तक 200 से अधिक हिन्दुओं की हत्याएं और 170 से अधिक हिंदू महिलाओं के साथ बलात्कार जैसे जघन्य अपराध हो चुके हैं।

प्राप्त आंकड़ों के अनुसार बांग्लादेश में साल 2022 से 2024 के बीच हिन्दू अल्पसख्यकों पर हमलों के मामले आठ गुना बढ़ गए हैं।

बांग्लादेश में हिन्दुओं के खिलाफ हिंसा के मामलों में जिस प्रकार से वृद्धि देखी जा रही है वह केवल तात्कालिक कानून व्यवस्था की समस्या नहीं है अपितु देश की सामाजिक तथा जनसांख्यिकीय संरचना को बदलने के लिए दशकों से किए जा रहे कट्टर इस्लामी राजनीतिक प्रयासों का परिणाम भी है।

बांग्लादेश मे हिंदुओं के साथ हो रही हिंसा की पृष्ठभूमि बहुत पुरानी है। शेख हसीना की सरकार के समय भी हमले होते थे, विशेषकर जब हिन्दुओं के पवित्र नवरात्र प्रारंभ होते थे तब ईशनिंदा की झूठी अफवाहें फैलाकर दुर्गा पंडालों पर हमले किए जाते थे और उनमें तोड़फोड़ की जाती थी। अब अंतर यह आ गया है कि इन घटनाओं का नियंत्रण पाक खुफिया एजेंसी आईएसआई व कट्टरपंथी अराजक तत्वों के हाथ में आ गया है।

आठ ऐसे अवसर रहे हैं जब हिंदुओं पर ईशनिंदा के नाम पर भयानक हमले किए गए। सुनामगंज में एक फेसबुक पोस्ट के बाद पूरा हिंदू गांव तबाह कर दिया गया। रंगपुर के गंगा चरा में एक हिंदू युवक पर आरोप लगाने के बाद दंगाइयों ने 22 हिंदू घरों को ध्वस्त कर दिया। खुलना, बारिशाल, मौलवी बाजार, फरीदपुर, चांदपुर और कुमिल्ला जैसे जिलों मे भी हिंदुओं के साथ भयानक घटनाएं घटी हैं ।मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार बनने के बाद से हिन्दुओं की स्थिति दिन प्रतिदिन बदतर होती जा रही है। नोबेल शांति पुरस्कार पाने वाला वास्तव में हिन्दुओं रक्त का प्यासा हो गया है जो उस्मान हादी के अंतिम संस्कार की जनसभा में कहता है कि 卐हादी तुम जहां कहीं भी हो हम तुम्हारे हर सपने को अवश्य पूरा करेंगे।卐 यह भाषण यूनुस की खतरनाक मंशा का संकेत कर रहा है।

बांग्लादेश इस बात का प्रमाण है कि जहां मुस्लिम आबादी बढ़ जाती है, वहां पर अन्य अल्पसंख्यक समाज का रहना दूभर हो जाता है। आज बांग्लादेश में मुस्लिम जनसंख्या 91.08 प्रतिशत हो चुकी है और अल्पसंख्यक हिंदू समाज पूरी तरह से असुरक्षित हो गया है।

बांग्लादेश के कट्टरपंथी देश में शरीयत का कानून लागू करना चाहते हैं। वे हिंदू महिलाओं को माथे पर बिंदी न लगाने, साड़ी न पहनने और बुर्का पहनने को कह रहे हैं और ऐसा न करने पर बलात्कार तथा परिवार को मारने की धमकियां दे रहे हैं। बांग्लादेश में भारत-बांग्लादेश के मध्य मैत्री को मजबूती प्रदान करने के लिए जिन सांस्कृतिक केन्द्रों की स्थापना की गई थी उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दे रहे कलाकारों पर हमला किया जा रहा है। जगह -जगह हिन्दुओं का नरसंहार कर अस्तित्व समाप्त करने के पोस्टर लगाए जा रहे हैं।

दुर्भाग्यपूर्ण है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा में उस्मान हादी की मौत पर गहरी चिंता व्यक्त की जाती है किंतु हिन्दू नरसंहार पर चुप्पी साध ली जाती है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति चुनाव के दौरान, बांग्लादेशी हिन्दुओं के लिए कहा था कि अगर बाइडेन की जगह उन्हें चुना गया होता तो आज वहां के हालात ऐसे न होते किंतु ट्रंप अब शांत हैं और अमेरिका से हिंदुओं की हत्याओं की निंदा करने का कोई बयान अभी तक नहीं आया है। कनाडा की संसद में एक महिला सांसद ने हिंदुओं के पक्ष में आवाज उठाई है, कुछ और देशों से भी आवाज उठ रही है किंतु वह नाकाफी है। बांग्लादेश में हिन्दुओं के नरसंहार पर दुनिया भर में मानवाधिकार का हल्ला मचाने वालों ने चुप्पी साध ली है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

बेंगलुरु में बनेगा उच्च प्रदर्शन केंद्र, खेल मंत्री मांडविया ने किया वर्चुअली शिलान्यास

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने बेंगलुरु स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान (एनएसएनआईएस) में अत्याधुनिक उच्च प्रदर्शन केंद्र (एचपीसी) के शिलान्यास समारोह का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया। प्रस्तावित उच्च प्रदर्शन केन्द्र की कुल परियोजना लागत 75 करोड़ रुपये है। खेल मंत्रालय ने बताया कि इसे हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के 60 करोड़ रुपये के कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व सहयोग से विकसित किया जाएगा। यह एक ही स्थान पर एकीकृत, विश्व स्तरीय खेल विज्ञान और सहायक सुविधाएं प्रदान कर भारत में श्रेष्ठ एथलीट तैयार करने के परितंत्र में अहम योगदान देगा। निर्माण पूरा होने पर, उच्च प्रदर्शन केन्द्र में खेल चिकित्सा, शक्ति और कंडीशनिंग, पुनर्वास और रिकवरी, बायोमैकेनिक्स, फिजियोलॉजी, मनोविज्ञान, पोषण, प्रदर्शन विश्लेषण और हाइड्रोथेरेपी की उन्नत सुविधाएं होंगी, जो एथलीटों की समग्र, वैज्ञानिक और डेटा-संचालित तैयारी सक्षम बनाएंगी।

नए साल में भारतीय हॉकी के सामने वर्ल्ड कप और एशियन गेम्स की बड़ी चुनौती

एजेंसी

नई दिल्ली। साल 2025 में शानदार उपलब्धियों के बाद भारतीय हॉकी टीम 2026 में बेहद व्यस्त और अहम अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों के साथ कदम रख रही है। एक ओर जहां टीम की नजरें एफआईएच हॉकी विश्व कप में मजबूत प्रदर्शन पर होंगी। दूसरी ओर जापान में होने वाले एशियन गेम्स में खिताब बचाने की चुनौती भी सामने होगी। नए साल की शुरुआत हीरो हॉकी इंडिया लीग (हीरो एचआईएल) के दूसरे सीजन से होगी, जो सफल वापसी के बाद एक बार फिर चर्चा में है। महिला हीरो एचआईएल का समापन 10 जनवरी को रांची में होगा, जबकि पुरुष हीरो एचआईएल 3 जनवरी से 26 जनवरी तक खेली जाएगी। इस दौरान मुकाबले चेन्नई, रांची और भुवनेश्वर में होंगे, जबकि फाइनल मैच कलिंगा स्टेडियम, भुवनेश्वर में आयोजित किया जाएगा। घरेलू सीजन के बाद भारतीय पुरुष टीम एफआईएच प्रो लीग के भारतीय चरण में हिस्सा लेगी। यह मुकाबले 10 से 15 फरवरी के बीच राउरकेला स्थित बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में होंगे। इसके बाद टीम ऑस्ट्रेलिया में 21 से 25 फरवरी तक शेष प्रो लीग मैच खेलेगी। जून में प्रो लीग के अंतिम मुकाबले नीदरलैंड्स और यूनाइटेड किंगडम में आयोजित किए जाएंगे।

भारतीय महिला हॉकी टीम मार्च में एक अहम चुनौती का सामना करेगी। टीम 8 से 14 मार्च तक हैदराबाद में आयोजित विश्व कप क्वालिफायर में खेलेगी। यह टूर्नामेंट 2026 एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप (बेल्जियम और नीदरलैंड्स) में जगह बनाने का आखिरी मौका होगा। इस क्वालिफायर में इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, कोरिया, इटली, उरुग्वे, वेल्स और ऑस्ट्रिया जैसी मजबूत टीमें हिस्सा लेंगी। साल का सबसे बड़ा आयोजन एफआईएच हॉकी विश्व कप अगस्त में खेला जाएगा। बेल्जियम और नीदरलैंड्स की संयुक्त मेजबानी में यह टूर्नामेंट 15 से 30 अगस्त तक होगा, जहां भारतीय टीम हालिया ओलंपिक सफलता को आगे बढ़ाते हुए पदक जीतने का लक्ष्य रखेगी। सितंबर में भारतीय पुरुष और महिला दोनों टीमें 20वें एशियन गेम्स के लिए जापान के आइची-नागोया रवाना होंगी। यह महाकुंभ 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक आयोजित होगा।

रियल मैड्रिड को झटका: घुटने की चोट के कारण किलियन एम्बाप्पे बाहर

एजेंसी

मैड्रिड। रियल मैड्रिड के स्टार फॉरवर्ड किलियन एम्बाप्पे बाएं घुटने में चोट के कारण टीम से बाहर हो गए हैं। स्पेनिश क्लब ने एक संक्षिप्त बयान जारी कर बताया कि फ्रांस के इस सुपरस्टार को घुटने में मोच (स्प्रेन) आई है, हालांकि उनकी वापसी को लेकर कोई समय-सीमा नहीं बताई गई है। फ्रांस के प्रतिष्ठित खेल अखबार 'Equipe के अनुसार, एम्बाप्पे कम से कम तीन हफ्तों तक मैदान से दूर रह सकते हैं। अखबार ने किसी आधिकारिक सूत्र का हवाला नहीं दिया है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि एम्बाप्पे पिछले कई हफ्तों से घुटने के लैटरल लिगामेंट से जुड़ी समस्या से जूझ रहे थे और सुबह कराई गई एमआरआई जांच में ऐसी चोट (लेज़न) सामने आई है, जिसके लिए इलाज और आराम जरूरी है।

एम्बाप्पे इस समय शानदार फॉर्म में थे। इसी महीने की शुरुआत में उन्होंने 2025 में रियल मैड्रिड के लिए अपना 59वां गोल दागा था, जिसके साथ ही उन्होंने एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक गोल करने का क्लब रिकॉर्ड क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बराबर कर लिया। पेरिस सेंट-जर्मेन से 2024 की गर्मियों में रियल मैड्रिड से जुड़े एम्बाप्पे इस सीजन अब तक 29 गोल कर चुके हैं, जिनमें से 18 गोल ला लीगा में हैं और वह लीग के शीर्ष स्कोरर भी हैं। रियल मैड्रिड का अगला मुकाबला रविवार को ला लीगा में रियल बेटिस के खिलाफ होना है, जिसमें एम्बाप्पे की गैरमौजूदगी टीम के लिए बड़ा झटका मानी जा रही है।

डब्ल्यूपीएल के चौथे सीजन से पहले दिल्ली कैपिटल्स ने गोवा में शुरु किया अभ्यास

नई दिल्ली। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) का चौथा सीजन नौ जनवरी से शुरु होने वाला है। ऐसे में दिल्ली कैपिटल्स ने गोवा में इंटेंसिव प्री-सीजन ट्रेनिंग कैंप के साथ अपनी तैयारी शुरू कर दी है। अनुभवी ऑलराउंडर मारिजेन कैप, विकेटकीपर बल्लेबाज लिजेल ली, तानिया भाटिया, लूसी हैमिल्टन, भारतीय खिलाड़ी निकी प्रसाद, मिन्नू मणि, ममता माडीवाला, दीया यादव और नंदनी शर्मा मुख्य कोच जोनाथन बैटी की देखरेख में अभ्यास कर रही हैं। प्री-सीजन कैंप के बारे में बात करते हुए मुख्य कोच जोनाथन बैटी ने जारी बयान में कहा कि पूरी टीम को एक साथ लाना और सीजन के लिए अपनी योजनाओं पर काम शुरू करना बहुत अच्छा रहा। हमारी टीम में कुछ नए चेहरे हैं, इसलिए उन्हें हमारी सोच के साथ घुलते-मिलते देखना रोमांचक होगा। उन्होंने कहा कि गोवा का मौसम तैयारियों के लिए एकदम सही है। मुख्य कोच ने आगे बताया कि टीम के बाकी खिलाड़ी कुछ दिनों में शामिल हो जाएंगे और हम मुंबई जाने से पहले पूरी टीम के साथ पूरे जोश से अभ्यास शुरू करेंगे, ताकि अपना सीजन अच्छे से शुरू कर सकें और मैच दर मैच अपने लक्ष्यों की ओर बढ़ सकें। दिल्ली कैपिटल्स के सीईओ सुनील गुप्ता ने कहा कि फ्रेंचाइजी के नजरिए से, खिलाड़ियों का वापस आना बहुत अच्छा है, यह एक परिवार जैसा है। प्री-सीजन कैंप वह समय होता है जब मजा और कड़ी मेहनत, दोनों की शुरुआत होती है।

महापौर कप क्रिकेट प्रतियोगिता में फाफामऊ चैम्पियन

प्रयागराज। फाफामऊ क्लब ने चौधरी सिंह क्लब को चार विकेट से हराकर खेलो प्रयागराज के तहत आयोजित महापौर कप क्रिकेट प्रतियोगिता का खिताब जीत लिया। खेलगांव पब्लिक स्कूल मैदान पर खेले गए मुकाबले में टॉस जीतकर चौधरी नोनियल सिंह क्लब ने 20 ओवर में 140 रन (प्रथम मिश्रा 59, मनु राजा 47, विपिन पाल 3-20, प्रियांशु यादव, गौरव पाठक व अंकित यादव एक-एक विकेट) बनाए। जवाब में फाफामऊ क्लब ने 18 ओवर में 6 विकेट पर 144 रन (सौरभ प्रताप सिंह 53, नितिन यादव 29 नाबाद, गौरव पाठक 27, आदित्य यादव 3-30, अभिनव तिवारी, विशाल यादव व प्रथम मिश्रा एक-एक विकेट) बना लिए। मैच में शिशिर मेहरोत्रा व राहुल सिंह अम्पायर एवं आशीष भारतीय स्कोरर रहे। इस दौरान महापौर गणेश केसरवानी, खेलगांव पब्लिक स्कूल के चेयरमैन डॉ. यूके मिश्र, पार्षद आशीष द्विवेदी, एसीए के संयुक्त संयोजक (लीग मंडल) एवं इस टूर्नामेंट के मैच रेफरी एलबी काला और विनोद कुशवाहा, अंतरराष्ट्रीय बास्केटबाल खिलाड़ी आरएस बेदी, विद्या भारती के प्रांतीय मंत्री वीरेंद्र नाथ उपाध्याय आदि मौजूद रहे।

इंग्लैंड के जोश टंग समेत कई गेंदबाजों ने आईसीसी रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाई

दुबई। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच मेलबर्न में हाल ही समाप्त हुए चौथे टेस्ट मैच (बॉक्सिंग डे टेस्ट) में हिस्सा लेने वाले कई तेज गेंदबाजों ने नवीनतम आईसीसी पुरुष खिलाड़ी रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाई है। दो दिन के अंदर खत्म हुए इस टेस्ट में सभी 36 विकेट तेज गेंदबाजों ने लिए। मुकाबले में सात विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द मैच बने इंग्लैंड के तेज गेंदबाद जोश टंग को टेस्ट गेंदबाजों की सूची में 13 पायदान का फायदा हुआ है। इससे वह ऊपर चढ़कर 573 रेटिंग अंक के साथ 30वें स्थान पर पहुंच गए हैं। इंग्लैंड के लिए ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर यह पहली जीत थी, जिसमें टंग ने शानदार प्रदर्शन कर पहली पारी में पांच विकेट झटके, जबकि दूसरी पारी में दो बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा था। फिलहाल पांच मैचों की इस एशेज सीरीज में 3-1 से ऑस्ट्रेलिया ने विजयी बढ़त बनाई हुई है। सीरीज का अंतिम टेस्ट मैच सिडनी में चार जनवरी से खेला जाएगा। टंग के अलावा अन्य गेंदबाजों की भी रैंकिंग में उछाल आया है। तेज गेंदबाज गस एटकिंसन ने वापसी करते हुए जीत में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई और नई गेंद से अहम खिलाड़ी ट्रैविस हेड को आउट करके मैच की शुरुआत की। वह मैच में तीन विकेट की बदौलत रैंकिंग में चार पायदान ऊपर चढ़कर 13वें स्थान पर पहुंच गए। वहीं ब्रायडन कार्स के पांच विकेटों ने उन्हें छह पायदान ऊपर चढ़कर 23वें स्थान पर पहुंचा दिया।

ब्राज़ील के दिग्गज फुटबॉलर रॉबर्टो कार्लोस को हार्ट की समस्या, अस्पताल में भर्ती

एजेंसी

रियो डी जेनेरियो। ब्राज़ील और रियल मैड्रिड के पूर्व स्टार डिफेंडर रॉबर्टो कार्लोस को दिल से जुड़ी समस्या के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्पेन के प्रतिष्ठित खेल अख़बार डियारियो एएस के अनुसार, 52 वर्षीय कार्लोस को ब्राज़ील में छुट्टियां मनाने के दौरान मेडिकल जांच करानी पड़ी, जिसमें उनके हृदय की कार्यप्रणाली में गड़बड़ी पाई गई। रिपोर्ट के मुताबिक, रॉबर्टो कार्लोस शुरुआत में पैर में छोटे रक्त के थक्के (ब्लड क्लॉट) की जांच कराने पहुंचे थे। हालांकि, जब पूरे शरीर का एमआरआई किया गया तो डॉक्टरों को पता चला कि उनका दिल ठीक से काम नहीं कर रहा है। इसके बाद उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कर सर्जरी की गई, जिसमें हृदय में कैथेटर डाला गया।

यह प्रक्रिया करीब 40 मिनट की होनी थी, लेकिन एक जटिलता के कारण सर्जरी लगभग तीन घंटे तक चली। राहत की बात यह रही कि ऑपरेशन सफल रहा। फिलहाल रॉबर्टो कार्लोस खतरे से बाहर हैं, लेकिन डॉक्टरों की निगरानी में उन्हें अगले 48 घंटे तक अस्पताल में ही रखा जाएगा।

रॉबर्टो कार्लोस फुटबॉल इतिहास के सबसे आक्रामक लेफ्ट बैक खिलाड़ियों में गिने जाते हैं। उन्होंने ब्राज़ील के लिए 125 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले और रियल मैड्रिड के साथ 11 साल तक शानदार करियर बिताया। वह 1998 फीफा वर्ल्ड कप की उपविजेता और 2002 वर्ल्ड कप जीतने वाली ब्राज़ील टीम का हिस्सा रहे।

इसके अलावा, उन्होंने 1997 और 1999 में कोपा अमेरिका जीता और रियल मैड्रिड के साथ तीन बार चैंपियंस लीग का खिताब अपने नाम किया। रॉबर्टो कार्लोस अपने ऐतिहासिक 'बनाना फ्री किक' के लिए भी दुनिया भर में मशहूर हैं। 1997 में फ्रांस के लियोन में हुए एक प्रदर्शनी टूर्नामेंट के दौरान उन्होंने 35 गज दूर से गेंद को अपने बाएं पैर के बाहरी हिस्से से ऐसा मोड़ा कि वह फ्रांस की तीन खिलाड़ियों की दीवार को चकमा देती हुई सीधे गोल में समा गई। यह गोल इतना असाधारण था कि वैज्ञानिकों ने भी इसका विश्लेषण किया।

गेंद पहले पूरी तरह बाहर जाती हुई दिखाई दी, यहां तक कि गोल के पास खड़ा बॉल बॉय भी झुक गया, लेकिन आखिरी पल में गेंद ने अचानक दिशा बदली और नेट में चली गई। फ्रांस के गोलकीपर फैबियन बार्तेज़ हिल तक नहीं पाए।

रॉबर्टो कार्लोस ने उस समय दावा किया था कि उन्होंने ऐसा शॉट पहले भी इंटर मिलान के लिए खेलते हुए रोमा के खिलाफ लगाया था, हालांकि 1997 जैसा करिश्मा वह दोबारा नहीं दोहरा सके।

पुलिस लाइन क्लब ने जीता मेयर कप वॉलीबाल का उद्घाटन मैच

एजेंसी

प्रयागराज। नगर निगम प्रयागराज की ओर से प्रायोजित 'खेलो प्रयागराज महापौर कप-2025' के अंतर्गत तीन दिवसीय जिला स्तरीय वॉलीबाल प्रतियोगिता स्थानीय अमिताभ बच्चन स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स म्योहाल में बुधवार से शुरू हुई। प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग की कुल 26 टीम एवं महिला वर्ग की कुल 6 टीमों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का शुभारम्भ महापौर गणेश केशरवानी ने फीता काटकर किया। प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच पुलिस लाइंस प्रयागराज और फ्रेंड्स क्लब मेजा के बीच खेला गया। जिसमें पुलिस लाइंस क्लब ने फ्रेंड्स क्लब की टीम को 25-19 और 25-22 अंकों से हराकर उद्घाटन मैच जीत लिया। वहीं पुरुष वर्ग के अन्य मैचों में शिवाजी क्लब एडीए नैनी ने फूलमती इंटर कॉलेज को 25-11 और 25-8 अंकों से, वॉलीबाल क्लब मिश्रपुर ने भारत स्काउट क्लब कटरा को 25-18 और 25-21 अंकों से, बीएटी कॉलेज मेजारोड ने महर्षि विद्या मंदिर नैनी को 25-17 और 25-19 अंकों से, इलाहाबाद स्पोर्टिंग क्लब ने भास्कर क्लब महेवा को 25-16 और 25-18 अंकों से, इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने इलाहाबाद पब्लिक स्कूल को 25-17 व 25-19 अंकों से, इलाहाबाद स्पोर्टिंग क्लब ने बीएटी कॉलेज मेजारोड को 25-15 व 25-19 अंकों से, इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने वॉलीबाल क्लब मिश्रपुर को 25-21 व 25-23 अंको से, मदन मोहन मालवीय स्टेडियम ने सकून विद्या निकेतन नैनी को 25-21 व 25-17 अंको से, एम्बिशन क्लब पुलिस लाइंस प्रयागराज ने शिवाजी क्लब एडीए नैनी को 25-23 व 25-18 अंको से, टाउन स्पोर्ट्स क्लब फूलपुर ने मेजर रंजीत सिंह स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स को 25-14 व 25-21 अंकों से, उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज ने सोरांव यूथ क्लब को 25-19 व 25-21 अंकों से हराकर अगले चक्र में प्रवेश किया। वहीं म्योहाल के मैदान पर खेले गए महिला वर्ग के मैचों में टीमों ने अपने-अपने मैचों को जीतकर अगले चक्र में प्रवेश किया है। खेल प्रतियोगिता के दौरान अल्ताफ अली, फूलचंद गुप्ता, मुकेश शुक्ला, धनंजय राय, असफाक अहमद, संतोष भास्कर, नृपजीत सचान व राजू पाल आदि ने निर्णायक की भूमिका अदा की। डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन, प्रयागराज के महासचिव आर.पी.शुक्ला ने मुख्य अतिथि का बैच एवं माल्यार्पण कर स्वागत किया। उक्त अवसर पर वॉलीबाल के महापौर कप प्रतियोगिता के प्रभारी संयोजक एवं पार्षद अंतरराष्ट्रीय शतरंज खिलाड़ी आशीष द्विवेदी, अध्यक्ष प्रभात राय, विजया सिंह, रविकांत, प्रभाकर चौबे, आशीष कन्नौजिया व प्रवीण पांडेय आदि लोग उपस्थित रहे। शेष मैच गुरूवार को प्रातः 10 बजे से खेले जाएंगे।

सड़क हादसे के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज हुए एंथनी जोशुआ, दो करीबी साथियों की मौत

एजेंसी

लागोस। ब्रिटिश मुक्केबाज़ और दो बार के पूर्व हेवीवेट वर्ल्ड चैंपियन एंथनी जोशुआ को नाइजीरिया में हुए सड़क हादसे के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। नाइजीरियाई अधिकारियों ने बुधवार देर रात इसकी पुष्टि की। यह हादसा सोमवार को लागोस के पास हुआ, जिसमें जोशुआ के दो करीबी सहयोगी और टीम सदस्य – सीना घामी और लतीफ 'लैट्ज़' अयोदेल – की मौत हो गई। घामी जोशुआ के स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच थे, जबकि अयोदेल उनके ट्रेनर थे।

हादसे के बाद मामूली चोटों के चलते एंथनी जोशुआ को लागोस के लैगून अस्पताल में निगरानी में रखा गया था। उनके प्रमोटर एडी हर्न की कंपनी मैचरूम बॉक्सिंग ने बताया था कि उनकी हालत स्थिर है। लागोस राज्य के सूचना आयुक्त गबेंगा ओमोटोसो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर

बयान जारी कर कहा कि चिकित्सकीय रूप से फिट पाए जाने के बाद जोशुआ को बुधवार दोपहर अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया और उन्हें घर पर आराम करने की सलाह दी गई है। ओमोटोसो के अनुसार, 'एंथनी जोशुआ और उनकी मां बुधवार दोपहर लागोस के एक अंतिम संस्कार गृह में मौजूद थे, जहां उन्होंने अपने दोनों दिवंगत दोस्तों को अंतिम श्रद्धांजलि दी। दोनों शवों को देर शाम उनके देशों में भेजने की प्रक्रिया पूरी की गई। ' हादसे से कुछ घंटे पहले ही जोशुआ और अयोदेल ने सोशल मीडिया पर साथ में टेबल टेनिस खेलते हुए वीडियो साझा किया था।

इससे पहले एडी हर्न ने हादसे में जान गंवाने वाले दोनों लोगों को श्रद्धांजलि देते हुए इंस्टाग्राम पर लिखा, 'लैट्ज़ और सीना, शांति से आराम करें। आपकी ऊर्जा, निष्ठा और कई बेहतरीन गुण हमेशा याद किए जाएंगे। इस कठिन समय में उनके परिवार, दोस्तों और एजे के लिए प्रार्थना करता हूं। ' यह दुर्घटना लागोस-इबादान एक्सप्रेसवे पर सुबह करीब 11 बजे हुई, जब जोशुआ और उनकी टीम जिस वाहन में यात्रा कर रही थी, वह सड़क पर खड़े एक ट्रक से टकरा गई। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में जोशुआ को क्षतिग्रस्त वाहन से बाहर निकालते हुए दर्द में कराहते देखा गया। गौरतलब है कि नाइजीरिया जोशुआ के माता-पिता का मूल देश है।

मीडिया क्रिकेट : कांटे की टक्कर में पराड़कर एकादश चैंपियन

एजेंसी

वाराणसी। संतोष यादव के शानदार अर्ध शतक की बदौलत (50 गेंद पर 13 चौके और एक छक्के की मदद से 94 रन) पराड़कर एकादश ने 38वीं कनिष्क देव गोरावाला मीडिया क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल में हृदय प्रकाश एकादश को तीन विकेट से हरा कर खिताब जीत लिया।काशी पत्रकार संघ से संचालित वाराणसी प्रेस क्लब के बैनर तले आनंद चंदोला खेल महोत्सव के प्रथम चरण में क्रिकेट प्रतियोगिता के अंतिम दिन डॉ संपूर्णानंद स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स सिगरा में टास जीत कर पहले खेलते हुए हृदय प्रकाश एकादश ने 20 ओवर में चार विकेट खोकर 192 रन बनाए। अमित मिश्रा ने 32 गेंद में 5 चौके एक छक्के की मदद से 47 रन , इरफान ने 25 गेंद पर 42 रन (चार चौक एक छक्का) सोनू ने 23 गेंद पर 41 रन (6 चौक एक छक्का) और विजय ने 32 गेंद पर 40 रन (6 चौका) बनाए। पराड़कर एकादश की तरफ से सागर यादव ने दो तथा दीनबंधु राय और श्री प्रकाश ने एक-एक विकेट लिया। जवाब में खेलने उतरी पराड़कर एकादश ने 20वें ओवर की अंतिम गेंद पर सात विकेट खोकर जीत दर्ज कर ली। संतोष यादव ने 94 रन बनाए। संतोष ने कवर और प्वाइंट के बीच ऑफ साइड में और फाइन लेग और मिड विकेट क्षेत्र में बेहतरीन चौके लगाए। मिड विकेट में उनके द्वारा लगाया गया छक्का काफी दिनों तक दर्शकों को याद रहेगा। संतोष ने अंतिम गेंद पर कवर क्षेत्र में चौका लगा कर अपनी टीम को जीत दिला दी। प्रशांत मोहन ने महत्वपूर्ण 31 रन बनाए। हृदय प्रकाश एकादश की तरफ से पुरुषोत्तम ने तीन इरफान और सोनू ने एक-एक विकेट लिया। पुरुषोत्तम चतुर्वेदी को सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज, प्रशांत मोहन को सर्वश्रेष्ठ बैटर और सोनू को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। आरपी गुप्ता और मनोहर ने अंपायरिंग और नंदकिशोर यादव ने स्कोरिंग की।

टी20 वर्ल्ड कप 2026: ऑस्ट्रेलिया की प्रारंभिक टीम घोषित, कमिंस-हेजलवुड-टिम डेविड शामिल

एजेंसी

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया ने आगामी टी20 वर्ल्ड कप के लिए अपनी प्रारंभिक (प्रोविजनल) टीम का ऐलान कर दिया है। चोट से उबर रहे पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और टिम डेविड को टीम में शामिल किया गया है। टीम की कमान एक बार फिर मिचेल मार्श के हाथों में होगी। चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहा कि कमिंस, हेजलवुड और टिम डेविड की रिकवरी सही दिशा में है और तीनों के टूर्नामेंट तक फिट होने की पूरी उम्मीद है। कमिंस पीठ की चोट से उबर रहे हैं और इस महीने के अंत में उनका स्कैन होगा, जिसके बाद अंतिम टीम पर फैसला लिया जाएगा। बता दें की टिम डेविड को बॉक्सिंग डे पर बिग बैश लीग मैच के दौरान ग्रेड-2 हैमस्ट्रिंग चोट लगी थी। वहीं,जोश हेजलवुड एशेज सीरीज में एचिलीज़ में दर्द के कारण नहीं खेल पाए थे, जो हैमस्ट्रिंग समस्या के बाद

उभरा, जबकि पैट कमिंस ने पीठ की चोट के बाद एशेज के तीसरे टेस्ट (एडिलेड) में वापसी की थी। बेली ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के हवाले से कहा, 'टी20 टीम की हालिया सफलता को देखते हुए हमने भारत और श्रीलंका की परिस्थितियों के अनुरूप संतुलित टीम चुनी है। यह प्रारंभिक टीम है, जरूरत पड़ने पर सपोर्ट पीरियड से पहले बदलाव संभव हैं। ' स्पिन-भारी संयोजन भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए ऑस्ट्रेलिया ने स्पिन-भारी संयोजन रखा है। टीम अपने ग्रुप-बी के मुकाबले कोलंबो और पल्लेकेले में खेलेगी।

कैमरन ग्रीन और कूपर कॉनॉली की टीम में वापसी हुई है, जबकि

जोश इंग्लिस टीम के एकमात्र विकेटकीपर हैं। मिचेल ओवेन और बेन ड्वार्शुइस को टीम में जगह नहीं मिली। वर्ल्ड कप से पहले पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज की टीम बाद में घोषित की जाएगी।

ऑस्ट्रेलिया की प्रारंभिक टीम (टी20 वर्ल्ड कप):

मिचेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, कूपर कॉनॉली, पैट कमिंस, टिम डेविड, कैमरन ग्रीन, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), मैथ्यू कुनेमन, ग्लेन मैक्सवेल, मैथ्यू शॉर्ट, मार्कस स्टोइनिस, एडम ज़म्पा।

प्रो रेसलिंग लीग 2026: नीलामी की तारीख घोषित, छह फ्रेंचाइजी की पुष्टि

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की प्रमुख फ्रेंचाइज़ी आधारित पेशेवर कुश्ती प्रतियोगिता प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) अपने पांचवें सीज़न के साथ वापसी के लिए पूरी तरह तैयार है। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) से मान्यता प्राप्त इस लीग ने खिलाड़ियों की आधिकारिक नीलामी की तारीख 03 जनवरी 2026 तय की है। इसके साथ ही पीडब्ल्यूएल 2026 में भाग लेने वाली छह टीमों के नामों का भी ऐलान कर दिया गया है। आगामी सीजन में हरियाणा थंडर्स, टाइगर्स ऑफ मुंबई डांगल्स, पंजाब रॉयल्स, महाराष्ट्र केसरी, दिल्ली डांगल वॉरियर्स और यूपी डॉमिनेटर्स खिताब के लिए जोर आजमाइश करेंगी। ये टीमें देश के प्रमुख कुश्ती केंद्रों का प्रतिनिधित्व करती हैं और लीग की राष्ट्रीय पहचान को और मजबूत बनाती हैं। होने वाली नीलामी को सीजन की सबसे अहम कड़ी माना जा रहा है। इसमें 20 से अधिक देशों के 300 से ज्यादा पहलवान शामिल होंगे, जिनमें ओलंपिक और विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता भी मौजूद रहेंगे। भारतीय पुरुष और महिला पहलवानों की भी बड़ी भागीदारी रहेगी। पीडब्ल्यूएल के सीईओ अखिल गुप्ता ने कहा कि यह सीज़न लीग के विकास की दिशा में अहम कदम है और इसका उद्देश्य प्रतिस्पर्धी व पारदर्शी मंच प्रदान करना है।

PRO WRESTLING LEAGUE
PWL

पीडब्ल्यूएल 2026 का आयोजन 15 जनवरी से 01 फरवरी तक किया जाएगा, जहां देश-विदेश के शीर्ष पहलवान तेज़ और रोमांचक मुकाबलों में नजर आएंगे।

विमेंस एचआईएल: एसजी पाइपर्स ने सूमरा हॉकी क्लब को 1-0 से हराकर जीत की लय बरकरार रखी

एजेंसी

रांची। विमेंस हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) में एसजी पाइपर्स ने शानदार अनुशासित खेल का प्रदर्शन करते हुए जेएसडब्ल्यू सूमरा हॉकी क्लब को कड़े मुकाबले में 1-0 से मात दी। कप्तान नवनीत कौर के शुरुआती गोल की बदौलत पाइपर्स ने लगातार दूसरी जीत दर्ज की और अंक तालिका में शीर्ष स्थान बनाए रखा। मैच की शुरुआत से ही एसजी पाइपर्स ने संतुलित और आक्रामक खेल दिखाया। चौथे मिनट में कप्तान नवनीत कौर ने व्यक्तिगत कौशल का बेहतरीन नमूना पेश करते हुए अपनी ही हाफ में गेंद इंटरसेप्ट की, तेजी से आगे बढ़ीं और दो डिफेंडरों को चकमा देकर सटीक शॉट के जरिए टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद सूमरा हॉकी क्लब ने बराबरी के लिए कई हमले किए, लेकिन पाइपर्स की मजबूत रक्षा पंक्ति ने उन्हें गोल करने का कोई मौका नहीं दिया। दूसरे और तीसरे क्वार्टर में सूमरा को कई पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन वे उनका फायदा उठाने में नाकाम रहे। चौथे क्वार्टर में भी सूमरा ने दबाव बनाया, वहीं पाइपर्स को भी गोल के मौके मिले, पर स्कोर में कोई बदलाव नहीं हुआ। अंततः एसजी पाइपर्स ने 1-0 की बढ़त कायम रखते हुए मैच जीत लिया और टूर्नामेंट में अपनी मजबूत दावेदारी पेश की।

विजय हजारे ट्रॉफी : मुम्बई ने लगाया जीत का चौका, दिल्ली को मिली हार

एजेंसी

नई दिल्ली। विजय हजारे ट्रॉफी एलीट 2025-26 में ग्रुप सी के मुकाबले में मुम्बई की टीम ने गोवा को 87 रन से हराकर जीत दर्ज की है। दूसरी ओर से ग्रुप डी के मुकाबले ऋषभ पंत की कप्तानी वाली दिल्ली की टीम को ओडिशा के हाथों 79 रनों से हार का सामना कर पड़ा है। मुम्बई ने जहां गोवा की टीम को हराकर लगातार चौथी जीत दर्ज की, वहीं दिल्ली को लगातार 3 मैचों में जीत के बाद चौथे मैच में हार मिली है।

मुंबई की जीत, सरफराज का शतक

मुकाबले में पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी मुम्बई की टीम ने निर्धारित 50 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 444 रन का विशाल स्कोर बनाया। मध्यक्रम के बल्लेबाज सरफराज खान ने 75 गेंद में 157 रनों की विस्फोटक पारी खेली। इस दौरान सरफराज के बल्ले से 9 चौके और 14 छक्के निकले। मुशीर खान ने 60 रन और हार्दिक तमोरे ने 53 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। इनके अलावा यशस्वी जायसवाल ने 46 रन, शार्दुल ठाकुर ने 27 रन, शम्स

मुलानी ने 22 रन और तनुष कोटियान ने नाबाद 23 रनों का योगदान दिया।गोवी की ओर से दर्शन मिसल ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए, वी कौशिक और ललीत यादव ने दो-दो विकेट लिए, जबकि कप्तान दीपराज ने एक विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए गोवा की टीम 50 ओवर में नौ विकेट खोकर 357 रन ही बना सकी और जीत से 87 रन से पीछे रह गई। टीम के लिए अभिनव तेजराना ने शतक जरूर लगाया, लेकिन बाकी बल्लेबाज बड़े लक्ष्य के दबाव में टिक नहीं सके। अभिनव ने 70 गेंदों में 100 रन बनाए। उनके अलावा कप्तान दीपराज ने 70 रन और सुयश प्रभुदेसाई ने 31 रन की पारी खेली।

मुंबई के लिए शार्दुल ठाकुर ने तीन विकेट लिए। यशस्वी जायसवाल ने दो विकेट और तुषार देशपांडे, सिल्वेस्टर डिसूजा, मुशीर खान ने एक-एक विकेट लिया।

दिल्ली को मिली हार, पंत फिर नहीं चले

ग्रुप डी में खेले गए मुकाबले में दिल्ली को ओडिशा के खिलाफ 79 रनों से हार का सामना करना पड़ा। ओडिशा ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 8 विकेट खोकर 272 रन बनाए थे। टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बिप्लब सामंत्रे ने बनाए। उन्होंने 74 गेंदों में 72 रन की पारी खेली। उनके अलावा जी पोद्दार ने 35 रन, ओम टी मुंडे 26 रन, स्वास्तिक सामल ने 28 रन का योगदान दिया। दिल्ली के लिए ऋतिक शोकीन ने सबसे ज्यादा 4 विकेट अपने नाम किए। प्रिंस यादव ने 2 और नीतीश राणा ने एक विकेट लिया। 273 रनों के आसान लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली 42.3 ओवर में ही 193 रनों पर ही सिमट गई। दिल्ली की ओर से कप्तान ऋषभ पंत ने एक बार फिर निराश किया। उन्होंने 28 गेंदों में मात्र 24 रन बनाए। टीम के लिए हर्ष त्यागी ने 43, ऋतिक 32 रन, आयुष ने 28 रन और दिविज मेहरा ने 27 रन बनाए। ओडिशा की ओर से देबब्रत प्रधान और संबित एस बराल ने तीन-तीन विकेट लिए। राजेश मोहंती ने दो और बादल बिस्वाल को एक विकेट मिला।

रुपया 13 पैसे कमजोर

मुंबई। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 13 पैसे टूट गया और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 89.88 रुपये का बोला गया। भारतीय मुद्रा मंगलवार को 23.25 पैसे की मजबूती के साथ 89.75 रुपये प्रति डॉलर पर रही थी। रुपये पर आज शुरू से ही दबाव रहा। यह 14 पैसे टूटकर 89.89 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और दिन भर सीमित दायरे में रहा। यह ऊपर 89.85 रुपये प्रति डॉलर और नीचे 89.95 रुपये प्रति डॉलर तक गया। विदेशी संस्थागत निवेशकों के भारतीय पूंजी बाजार में बिकवाल रहने और दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर सूचकांक में गिरावट से भारतीय मुद्रा कमजोर हुई है। हालांकि शेयर बाजारों में तेजी के कारण इसकी गिरावट सीमित रही।

छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज की दरों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली। सरकार ने छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज की दरों को जनवरी-मार्च 2026 की अवधि के लिए स्थिर रखा है। वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग ने इस संबंध में आधिकारिक सूचना जारी की। इसमें बताया गया है कि जनवरी-मार्च तिमाही के लिए सभी छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज की दरें यथावत बनी रहेंगी। छोटी बचत योजनाओं में डाक बचत योजना, राष्ट्रीय आवर्ती जमा बचत योजना, डाक मासिक आय योजना, वरिष्ठ नागरिक बचत योजना, लोक भविष्य निधि (पीपीएफ), सुकन्या समृद्धि योजना, किसान विकास पत्र, राष्ट्रीय बचत पत्र आदि शामिल हैं। वरिष्ठ नागरिक बचत योजना और सुकन्या समृद्धि योजना में सबसे अधिक 8.2 प्रतिशत ब्याज है। राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र पर 7.7 प्रतिशत, किसान विकास पत्र और महिला सम्मान बचत प्रमाणपत्र पर 7.5 प्रतिशत, राष्ट्रीय बचत सावधि जमा पर 6.9 प्रतिशत से 7.5 प्रतिशत, और डाक मासिक आय योजना पर 7.4 प्रतिशत ब्याज है।

गेहूं मजबूत, चीनी, दालों में नरमी, खाद्य तेलों में घट-बढ़

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल के औसत भाव लगभग स्थिर रहे जबकि गेहूं में तेजी देखी गयी। चीनी और दालों के भाव टूट गये। खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 3,851 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रही। गेहूं आठ रुपये मजबूत होकर 2,860 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। आटा छह रुपये महंगा हुआ।दाल-दलहनों में तुअर दाल औसतन 33 रुपये और चना दाल 28 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। उड़द दाल 20 रुपये और मूंग दाल 10 रुपये प्रति क्विंटल मजबूत हुई। मसूर दाल में नौ रुपये प्रति क्विंटल की तेजी रही। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का मार्च वायदा 20 रिंगिट फिसलकर 4,050 रिंगिट प्रति टन रह गया। मार्च का अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 0.22 प्रतिशत की गिरावट के साथ 49.33 डॉलर के भाव बोला गया। स्थानीय बाजारों में सरसों तेल की औसत कीमत 60 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। वनस्पति 25 रुपये और सायो तेल 23 रुपये प्रति क्विंटल गिर गया। पाम ऑयल में 19 रुपये और मूंगफली तेल में सात रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट रही। सूरजमुखी तेल दो रुपये प्रति क्विंटल फिसल गया। मीठे के बाजार में आज गुड़ के औसत भाव में 35 रुपये प्रति क्विंटल टूट गये। चीनी भी 14 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई।

अबक्कस म्यूचुअल फंड ने पहले एनएफओ से जुटाये 2,468 करोड़ रुपये

मुंबई। अबक्कस म्यूचुअल फंड ने अपने फ्लेक्सी कैप फंड के पहले न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) के जरिये 2,468 करोड़ रुपये की राशि जुटायी है। कंपनी ने बताया कि 08 से 22 दिसंबर 2025 तक खुले रहे अबक्कस फ्लेक्सी कैप फंड के एनएफओ के दौरान कुल 2,468 करोड़ रुपये का निवेश आया है। एनएफओ में देश के लगभग दो हजार शहरों के लोगों ने निवेश किया है। एनएफओ अवधि के दौरान 36,688 खुदरा निवेशकों और 1,060 संस्थागत निवेशकों ने फंड में भागीदारी की। निवेश आधार को मजबूत करने और व्यवसाय विस्तार को गति देने के उद्देश्य से अबक्कस म्यूचुअल फंड ने देशभर में 4,700 पंजीकृत वितरकों का व्यापक नेटवर्क खड़ा किया है। अबक्कस इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स प्राइवेट लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी वैभव चुघ ने कहा, 'हमारे पहले ही फंड को मिला सकारात्मक समर्थन अबक्कस समूह की मजबूत ब्रांड साख और एनएफओ अवधि के दौरान हमारी बिक्री टीम और वितरकों द्वारा दिये गये अनुशासित और भरोसेमंद निवेश परामर्श का परिणाम है। आने वाले समय में और भी फंड पेश करने की योजना है।' अबक्कस फ्लेक्सी कैप फंड 30 दिसंबर 2025 से पुनः निवेश के लिए खुला है और नियमित तथा डायरेक्ट - दोनों योजनाओं में उपलब्ध है।

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में प्रगति की 50वीं बैठक, 85 लाख करोड़ से अधिक की परियोजनाओं को मिली गति

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'प्रगति' (सक्रिय शासन और समय पर कार्यान्वयन) मंच की 50वीं बैठक की अध्यक्षता की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में प्रगति आधारित तंत्र ने 85 लाख करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की परियोजनाओं को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रधानमंत्री ने अगले चरण के लिए मंत्र दिया– 'सरलता के लिए सुधार, परिणाम देने के लिए प्रदर्शन, प्रभाव डालने के लिए परिवर्तन '। प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रगति सुधारों की गति बनाए रखने और धरातल पर परिणाम सुनिश्चित करने के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने रेखांकित किया कि लंबे समय से लंबित कई राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाएं प्रगति मंच के माध्यम से पूरी की गई हैं। यह मंच सहकारी संघवाद का सशक्त उदाहरण है और विभागीय साइलो तोड़कर समन्वय आधारित कार्यसंस्कृति को बढ़ावा देता है।

50वीं बैठक में प्रधानमंत्री ने सड़क, रेलवे, बिजली, जल संसाधन और कोयला क्षेत्रों की पांच महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजनाओं की समीक्षा की, जो पांच राज्यों में फैली हैं और जिनकी कुल लागत 40 हजार करोड़ रुपये से अधिक है।

पीएम श्री स्कूलों पर विशेष जोर

पीएम श्री योजना की समीक्षा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इसे भविष्य के लिए तैयार, समग्र और परिणामोन्मुखी शिक्षा का राष्ट्रीय मानक बनना चाहिए। उन्होंने सभी मुख्य सचिवों से योजना की कड़ी निगरानी करने, वरिष्ठ अधिकारियों को क्षेत्रीय निरीक्षण करने तथा पीएम श्री स्कूलों को राज्य सरकार के अन्य स्कूलों के लिए बेंचमार्क बनाने का आग्रह किया।

प्रगति की उत्पत्ति और प्रभाव

प्रधानमंत्री ने बताया कि गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए शुरू किए गए 'स्वागत' मॉडल से प्रेरित होकर केंद्र में प्रगति मंच की स्थापना की गई। 2014 से अब तक प्रगति के तहत 377 परियोजनाओं की समीक्षा हुई है, जिनमें चिन्हित 3,162 मुद्दों में से 2,958 (लगभग 94 प्रतिशत) का समाधान किया गया है, जिससे देरी, लागत बढ़ोतरी और समन्वय की बाधाएं कम हुई हैं।

दशकों से अटकी परियोजनाओं को मिला समाधान

प्रगति के माध्यम से दशकों से लंबित कई परियोजनाएं पूरी हुईं या निर्णायक रूप से आगे बढ़ीं, जिनमें असम का बोगीबील रेल-सड़क पुल, जम्मू-उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक, नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, भिलाई इस्पात संयंत्र का आधुनिकीकरण तथा गाडरवाड़ा और लारा सुपर थर्मल पावर परियोजनाएं शामिल हैं।

टीम इंडिया की भावना

प्रधानमंत्री ने कहा कि परियोजनाएं अक्सर इरादों की कमी से नहीं, बल्कि समन्वय के अभाव से विफल होती हैं। प्रगति ने केंद्र और राज्यों को एक मंच पर लाकर साझा लक्ष्य की दिशा में काम करने की संस्कृति विकसित की है। अब तक करीब 500 केंद्रीय सचिव और राज्य मुख्य सचिव प्रगति बैठकों में भाग ले चुके हैं।

पान मसाले पर उपकर और तंबाकू उत्पादों पर जीएसटी की अधिसूचना जारी, 01 फरवरी से लागू

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार ने स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर अधिनियम, 2025 को आगामी 01 फरवरी से लागू करने और तंबाकू उत्पादों पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की नयी दरें तय करने संबंधी अधिसूचनायें जारी कर दी हैं। ये अधिसूचनाएं रात जारी की गयीं। संसद के शीतकालीन सत्र में उपकर से संबंधित विधेयक पारित किया गया था। अधिनियम में सामान बनाने या बनाने के लिए लगाई गई मशीनरी या की जाने वाली प्रक्रिया पर उपकर लगाने का प्रस्ताव है। इस उपकर से होने वाली कमाई केंद्र के समेकित कोष (कंसोलिडेटेड फंड) में जायेगी और सरकार को राष्ट्रीय सुरक्षा तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े खर्चों को पूरा करने में मदद करेगी। शुरुआत में इसे पान मसाले पर लागू किया गया है हालांकि अगर जरूरी हुआ तो सरकार दूसरे सामानों पर भी उपकर लगाने के लिए अधिसूचित कर सकती है। वित्त मंत्रालय इससे संबंधित नियम के लिए भी अधिसूचना जारी की है।एक अन्य अधिसूचना के अनुसार, 01 फरवरी से बीड़ी पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगाया जायेगा। पान मसाला, गैर-विनिर्मित तंबाकू और उसके अपशिष्ट, तंबाकू या तंबाकू के विकल्प से बनी सिगरेट, चेरूट, सिगारिलो और सिगार, अन्य विनिर्मित तंबाकू और तंबाकू के विकल्प, बिना दहन के उपभोग के लिए बने तंबाकू उत्पाद, और तंबाकू तथा निकोटीन के विकल्प से बने बिना दहन के उपभोग के लिए बने तंबाकू उत्पादों पर 40 प्रतिशत जीएसटी लगेगा। जीएसटी परिषद की अनुशंसा पर नयी दरों के लिए अधिसूचना जारी की गयी है।

बीएसएनएल की वीओवाईफाई सेवा शुरू, दूरदराज के इलाकों को भी मिलेगी स्पष्ट कॉलिंग सुविधा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने नए साल पर पूरे देश में वॉयस ओवर वाई-फाई (वीओवाईफाई) सेवा की आज शुरुआत की। इससे देशभर में लोगों को सभी टेलीकॉम सर्किलों में वाई-फाई कॉलिंग की सुविधा मिलेगी। इस सेवा से कमजोर मोबाइल सिग्नल वाले इलाकों जैसे घर, दफ्तर, बेसमेंट और दूरदराज इलाकों में भी स्पष्ट कॉलिंग की सुविधा मिलेगी।

बीएसएनएल के अनुसार यह सेवा आईपी मल्टीमीडिया सबसिस्टम (आईएमएस) आधारित है और वाई-फाई तथा मोबाइल नेटवर्क के बीच सहज हैंडओवर को सपोर्ट करती है। कॉल ग्राहक के मौजूदा मोबाइल नंबर और फोन डायलर से ही की जा सकेगी, किसी थर्ड-पार्टी एप की जरूरत नहीं होगी। बीएसएनएल ने बताया कि ग्रामीण और दूरस्थ इलाकों में जहां मोबाइल कवरेज सीमित है, वहां यह सेवा विशेष रूप से लाभकारी होगी। बीएसएनएल भारत फाइबर या अन्य ब्रॉडबैंड सेवाओं के जरिए स्थिर

वाई-फाई कनेक्शन होने पर ग्राहक आसानी से कॉल कर सकेंगे। इसके अलावा यह सेवा नेटवर्क कंजेशन को भी कम करेगी। बीएसएनएल ने स्पष्ट किया है कि वाई-फाई कॉलिंग के लिए कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। बीएसएनएल ने कहा कि वीओवाईफाई सेवा उसके नेटवर्क आधुनिकीकरण कार्यक्रम का अहम हिस्सा है और देशभर में कनेक्टिविटी सुधारने की दिशा में बड़ा कदम है। यह सेवा अधिकांश आधुनिक स्मार्टफोन पर उपलब्ध है। ग्राहकों को केवल अपने हैंडसेट की सेटिंग्स में वाई-फाई कॉलिंग विकल्प को सक्रिय करना होगा।

ब्रॉडबैंड सब्सक्राइबरों की संख्या 100 करोड़ के पार

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में ब्रॉडबैंड सब्सक्राइबरों की संख्या नवंबर में पहली बार 100 करोड़ के पार पहुंच गयी। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, नवंबर 2025 में देश में 100.37 करोड़ ब्रॉडबैंड सब्सक्राइबर हो गये। यह सालाना आधार पर 2.55 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। इसमें 95.85 करोड़ वायरलेस सब्सक्राइबर और 4.51 करोड़ वायरलाइन सब्सक्राइबर हैं।

ट्राई ने बताया कि पिछले 10 साल में ब्रॉडबैंड सब्सक्राइबरों की संख्या छह गुना से ज्यादा बढ़ी है। नवंबर 2015 में यह संख्या 13.15 करोड़ थी।वहीं, टेलीफोन सब्सक्राइबरों की संख्या 3.16 फीसद बढ़कर 123.45 करोड़ पर पहुंच गयी। इसमें 4.71 करोड़ वायरलाइन उपभोक्ता भी शामिल हैं। नवंबर में 1.47 करोड़ सब्सक्राइबरों ने मोबाइल नंबर पोर्ट कराने के लिए आवेदन दिया। ट्राई ने

बताया कि ब्रॉडबैंड सब्सक्राइबरों के मामले में 51.05 करोड़ के साथ रिलायंस जियो सबसे आगे रही। भारती एयरटेल 31.43 करोड़ के साथ दूसरे और वोडाफोन आइडिया 12.78 करोड़ के साथ तीसरे स्थान पर रही। सार्वजनिक क्षेत्र के भारत संचार निगम के 3.39 करोड़ ब्रॉडबैंड सब्सक्राइबर थे।

मोबाइल सब्सक्राइबरों की कुल संख्या नवंबर में बढ़कर 117.39 करोड़ हो गयी। इसमें माह-दर-माह 0.17 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी। यहां भी 41.41 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ रिलायंस जियो ने बाजी मारी। भारती एयरटेल की हिस्सेदारी 33.64 प्रतिशत, वोडाफोन आइडिया की 17.01 प्रतिशत और बीएसएनएल की 7.92 प्रतिशत रही।

निर्यातकों को विदेशी बाजारों में पैठ बढ़ाने में मदद के लिए 4531 करोड़ रुपये की बाजार पहुंच सहायता पहल लागू

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार ने निर्यातकों को विदेशी बाजार में पैठ मजबूत करने को प्रोत्साहित करने के लिए घोषित बाजार पहुंच सहायता (एमएएस) पहल को अधिसूचित कर दिया, जिसके तहत लघु और मझोले तथा नये पंजीकृत निर्यातकों को योजना के साथ जोड़ने पर विशेष बल दिया जाएगा। यह पहल सरकार द्वारा नवंबर में घोषित 25060 करोड़ रुपये के निर्यात प्रोत्सहन मिशन (ईपीएम) का हिस्सा है, और इस पर 2025-26 से 2030-31 के लिए

कुल 4531 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान है। इसमें से चालू वित्त वर्ष की आखिरी तिमाही पर 500 करोड़ रुपये खर्च किये जाएंगे। विदेश व्यापार महानिदेशक अजय भादू ने यहां संवाददताओं को एमएसएस की जानकारी देते हुए इसे केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा 12 नवंबर, 2025 को अनुमोदित एक प्रमुख पहल बताया। उन्होंने कहा कि ईपीएम के कुल 11 पक्ष हैं, जिनमें से आज एक पहल को अधिसूचित किया जा रहा है। इसमें बाकी पहलों के बारे में

अधिसूचनायें जनवरी 2026 के अंत तक जारी कर दी जायेंगी। उन्होंने कहा कि इस पहल को निर्यात प्रोत्साहन मिशन की निर्यात दिशा उप-योजना के अंतर्गत कार्यान्वित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य भारतीय निर्यातकों, विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों, पहली बार निर्यात करने वालों और प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की कंपनियों के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच को मजबूत करना है।

निर्यात प्रोत्साहन मिशन का संचालन वाणिज्य विभाग, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय और वित्त मंत्रालय द्वारा विदेशों में स्थित भारतीय दूतावासों, निर्यात प्रोत्साहन परिषदों (ईपीसी), कमोडिटी बोर्ड और अन्य उद्योग संघों के समन्वय से संयुक्त रूप से किया जा रहा है। विदेशी बाजारों में संपर्क बढ़ाने के लिए सहायता की पहल-एमएएस का उद्देश्य सुविचारित और परिणामोन्मुखी बाजार पहुंच संबंधी उपायों के माध्यम से खरीदारों से बेहतर संपर्क स्थापित करना तथा वैश्विक बाजारों में भारत की उपस्थिति को मजबूत करना है। श्री भादू ने कहा कि बाजार पहुंच सहायता हस्तक्षेप के अंतर्गत, क्रेता-विक्रेता बैठकों (बीएसएम), अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेलों और प्रदर्शनियों में भागीदारी, भारत में आयोजित बड़ी क्रेता-विक्रेता बैठकों (आरबीएसएम) और प्राथमिकता वाले तथा उभरते निर्यात बाजारों में व्यापार प्रतिनिधिमंडलों सहित गतिविधियों के लिए संरचित वित्तीय और संस्थागत सहायता प्रदान की जाएगी। इस पहल से तीन से पांच साल का एक दूरदर्शी कैलेंडर पहले से तैयार और अनुमोदित किया जाएगा, जिससे निर्यातकों और आयोजन एजेंसियों को समय से काफी पहले भागीदारी की योजना बनाने और बाज़ार विकास प्रयासों की निरंतरता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। इस पहल के तहत चलाये जाने वाले कार्यक्रमों में कम से कम 35 प्रतिशत सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों की भागीदारी अनिवार्य की गयी है, जिसमें निर्यात विविधीकरण को प्रोत्साहित करने के लिए नये भौगोलिक क्षेत्रों और छोटे बाज़ारों को विशेष प्राथमिकता दी जाएगी।

चीन, वियतनाम, नेपाल से स्टील उत्पादों पर डम्पिंग रोधी शुलक

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने घरेलू उत्पादकों को अनुचित बाजार प्रतिस्पर्धा के नुकसान से बचाने के लिए कुछ चुनिंदा स्टील उत्पादों पर तीन साल के लिए डंपिंग रोधी शुल्क लगा दिया है। वित्त मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार यह शुल्क 21 अप्रैल, 2025 से प्रभावी होगा और पहले साल 20 अप्रैल, 2026 तक 12 प्रतिशत, दूसरे साल 11.5 प्रतिशत और तीसरे साल में 11 प्रतिशत रहेगा और 20 अप्रैल, 2028 को खत्म हो जाएगा। इसे हॉट-रोल्ड और कोल्ड-रोल्ड कॉइल, शीट, प्लेट और कोटेड इस्पात उत्पादों पर लागू किया गया है। मंत्रालय के अनुसार यह फैसला घरेलू इकाइयों की शिकायत की जांच के बाद किया गया है। इन निर्माताओं ने कहा था कि विदेशों, खासकर चीन से, से कृत्रिम रूप से सस्ती दरों पर घरलू बाजार में आ रहे कुछ इस्पात उत्पादों से स्थानीय निर्माताओं को गंभीर नुकसान हो रहा है। अधिसूचना में कुछ विकासशील देशों से आने वाले इन उत्पादों को इस अधिसूचना से बाहर रखा गयाहै, लेकिन चीन,

वियतनाम और नेपाल से आने वाले माल पर यह शुल्क लागू होगा। स्टेनलेस स्टील जैसे विशेष स्टील उत्पादों को इससे अलग रखा गया है। टाटा स्टील और जेएसडब्ल्यू स्टील जैसे बड़े विनिर्माताओं के मंच इंडियन स्टील एसोसिएशन ने एक औपचारिक शिकायत दर्ज की थी जिसमें तर्क दिया गया था कि कम कीमत वाले इस्पात उत्पादों में अचानक और लगातार उछाल एक 'अप्रत्याशित घटना' है।

दिल्ली की रियल एस्टेट क्षमता बढ़ाने के लिए अनिवार्य ग्रीन बिल्डिंग प्रमाणीकरण की सिफारिश

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना द्वारा गठित संयुक्त सरकारी-उद्योग कार्य बल ने राजधानी में रियल एस्टेट क्षमता के विकास के लिए ग्रीन बिल्डिंग प्रमाणीकरण अनिवार्य करने की सिफारिश की है। राष्ट्रीय रियल एस्टेट विकास परिषद (नरेडको) के दिल्ली चैप्टर द्वारा आयोजित दिल्ली डेवलपर्स मीट 3.0 में हुई चर्चाओं के बाद तैयार नीतिगत और नियामकीय सिफारिशों में कहा गया है कि एक निर्धारित निर्मित क्षेत्र से परे परियोजनाओं के लिए अनिवार्य ग्रीन बिल्डिंग सर्टिफिकेशन लागू किया जाये। साथ ही प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट रूप से परिभाषित प्रोत्साहन और दंड भी निर्धारित किये जायें। हालांकि सैद्धांतिक रूप से ग्रीन बिल्डिंग प्रमाणीकरण मौजूद हैं

लेकिन अधिसूचित दिशानिर्देशों, विनियमों और कार्यान्वयन ढांचों के अभाव के कारण अब तक जमीनी स्तर पर उनके प्रभाव सीमित रहे हैं।

रिपोर्ट में बताया गया है कि अगर एक स्पष्ट ग्रीन बिल्डिंग नीति बनायी जाती है, तो सरकार अतिरिक्त फ्लोर एरिया रेशियो (एफएआर) और ग्राउंड कवरेज जैसे फायदे दे सकती है। इससे डेवलपर्स को ग्रीन बिल्डिंग बनाने में आने वाले ज्यादा खर्च की भरपाई करने में मदद मिलेगी। ग्रीन सर्टिफाइड परियोजनाओं को पांच प्रतिशत तक अतिरिक्त फ्लोर एरिया रेशियो देने का सुझाव भी दिया गया है। नरेडको दिल्ली के अध्यक्ष हर्ष वर्धन बंसल ने कहा कि अलग-अलग नियमों और सरकारी एजेंसियों में तालमेल की कमी के कारण दिल्ली की री-डेवलपमेंट क्षमता का पूरा फायदा नहीं मिल पा रहा है। ग्रीन बिल्डिंग और फ्लोर एरिया रेशियो से जुड़े सुझाव स्थिरता और आर्थिक फायदे के बीच संतुलन बनाते हैं। स्पष्ट नियमों से दिल्ली को ऑफिस, कमर्शियल और मिक्स्ड-यूज प्रोजेक्ट्स का मजबूत केंद्र बनाया जा सकता है। टास्कफोर्स ने 'ड्राफ्ट मास्टर प्लान दिल्ली 2041' में मौजूद कमियों को भी उजागर करते हुए कहा कि हरित भवन निर्माण मानदंडों पर सीमित जोर देने से डेवलपर्स के लिए अनिश्चितता पैदा होती है। इसके माध्यम से स्थिरता और दीर्घकालिक प्रभाव सुनिश्चित करने के लिए भविष्य की योजना सामग्री में स्थिरता को और अधिक मजबूती से एकीकृत करने की सिफारिश की गयी। बैठक में सार्वजनिक परिवहन, आवागमन सुविधा को ध्यान रखकर विकास और आरंभ से अंतिम छोर तक संपर्क जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हुई। तेजी से बढ़ती आबादी और बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए इन्हें जरूरी बताया गया।

वाणिज्यिक रसोई गैस सिलेंडर सात प्रतिशत महंगा

एजेंसी

नई दिल्ली। तेल विपणन कंपनियों ने नये साल पर वाणिज्यिक रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में करीब सात प्रतिशत की भारी-भरकम बढ़ोतरी की है जबकि घरेलू सिलेंडर के दाम में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।

देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन की वेबसाइट के अनुसार, दिल्ली में गुरुवार से 19 किलोग्राम वाला वाणिज्यिक रसोई गैस सिलेंडर 1,691.50 रुपये का हो गया है। यह जून 2025 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। दिसंबर में इसकी कीमत 1580.50 रुपये थी। इस प्रकार इसकी कीमत 111 रुपये (7.02 प्रतिशत) बढ़ी है। इससे पहले दिसंबर में यह 10 रुपये और नवंबर में पांच रुपये सस्ता हुआ था। वाणिज्यिक गैस सिलेंडर का उपयोग होटल, रेस्त्रां, ढाबों समेत सभी गैर-घरेलू उद्देश्यों के लिए होता है।

देश के अन्य मेट्रो शहरों में भी कीमतों में लगभग इतनी ही बढ़ोतरी

की गयी है। कोलकाता और मुंबई में इसके दाम 111 रुपये बढ़े हैं। अब कोलकाता में नयी कीमत 1,795 रुपये और मुंबई में 1,642.50 रुपये हो गयी है। चेन्नई में वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर 110 रुपये महंगा होकर आज से 1,849.50 रुपये का मिलेगा। वहीं, 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 08 अप्रैल 2025 के बाद से कोई बदलाव नहीं किया गया है। दिल्ली में इसकी कीमत 853 रुपये, कोलकाता में 879 रुपये, मुंबई में 852.50 रुपये और चेन्नई में 868.50 रुपये पर स्थिर है।तेल विपणन कंपनियां रसोई गैस की कीमतों की हर महीने समीक्षा करती हैं। अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में कीमतों में बदलाव और डॉलर की तुलना में रुपये की विनिमय दर के आधार पर आम तौर पर हर महीने की पहली तारीख से नयी कीमतें तय की जाती हैं।

विमान ईंधन सात प्रतिशत सस्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू विमान सेवा कंपनियों को बड़ी राहत देते हुए तेल विपणन कंपनियों ने नये साल पर विमान ईंधन की कीमतों में लगभग सात प्रतिशत की कटौती की है। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन से प्राप्त जानकारी के अनुसार, गुरुवार से दिल्ली में विमान ईंधन का मूल्य 7,354 रुपये (7.38 प्रतिशत) घटकर 92,323 रुपये प्रति किलोलीटर रह गया है। इससे पहले दिसंबर में इसकी कीमत 5.43 प्रतिशत बढ़ी थी।

कोलकाता में यह 6,993 रुपये (6.83 प्रतिशत) सस्ता होकर 95,378 रुपये प्रति किलोलीटर और मुंबई में 6,928 रुपये (7.43 प्रतिशत) सस्ता होकर 86,352 रुपये प्रति किलोलीटर का हो गया है। चेन्नई में विमान ईंधन की कीमत 7,532 रुपये (7.29 प्रतिशत) कम करके आज से 95,770 रुपये कर दी गयी है। विमान ईंधन के दाम कम होने से पहले से वित्तीय दबाव झेल रही घरेलू विमान सेवा कंपनियों को फायदा होगा। उनके कुल व्यय का 35 से 40 प्रतिशत ईंधन पर खर्च होता है।

सर्राफा बाजार में लगातार तीसरे दिन गिरावट, 1,310 रुपये तक सस्ता हुआ सोना

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार तीसरे दिन गिरावट का रुख बना हुआ है। ग्लोबल मार्केट में पिछले लगातार तीन सत्र के दौरान हुई जोरदार मुनाफा वसूली के कारण घरेलू सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में कमजोरी आ गई है। सर्राफा बाजार में आज हाजिर सोना 1,200 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,310 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। कीमत में आई इस कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,34,880 रुपये से लेकर 1,35,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,23,640 रुपये से लेकर 1,23,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह दिल्ली सर्राफा बाजार में आज चांदी 2,38,900 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर कारोबार कर रही है।

दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,35,030 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,23,790 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,34,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,23,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,34,930 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,23,690 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,34,880 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,23,640 रुपये प्रति 10

ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,34,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,23,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,34,930 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,23,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,35,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,23,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,34,930 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,23,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,35,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,23,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में गिरावट आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,34,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,23,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जापान की संसद में महिला टॉयलेट के बाहर लग रही सांसदों की कतार

नई दिल्ली। जापानी संसद में महिलाओं के लिए टॉयलेट की समस्या सामने आई है। इसमें प्रधानमंत्री साने ताकाइची और 60 अन्य सांसदों ने संसदीय भवन में और ज्यादा टॉयलेट बनाने की मांग की है। जापान में प्रधानमंत्री साने ताकाइची समेत 60 महिला सांसदों ने संसद भवन में महिलाओं के लिए अधिक टॉयलेट की मांग की है। यह मामला आपको छोटा लग सकता है, लेकिन असल में यह वहां की जेंडर असमानता की बड़ी तस्वीर को दिखाता है। संसद भवन में लंबे समय से महिलाओं के लिए सुविधाओं की कमी रही है। अब सांसदों ने इसके खिलाफ आवाज उठाई है। पीएम ने कहा कि महिला सांसदों की संख्या के अनुपात में हर हाल तत्काल महिला टॉयलेट का निर्माण होना ही चाहिए। ऐसा नहीं होने पर महिला सांसद विरोध-प्रदर्शन करेंगी। नीचे सदन में 73 महिला सांसदों के लिए केवल एक टॉयलेट है। इसमें सिर्फ दो बाथरूम क्यूबिकल हैं। मुख्य हॉल के पास यह व्यवस्था होने के कारण हर दिन लंबे समय तक कतारें लगती हैं। विपक्ष की यासुको कोमियामा ने कहा है कि बैठक शुरू होने से पहले बहुत सारी महिला सांसद टॉयलेट के बाहर लंबी कतार में खड़ी हो जाती हैं।

पुतिन के आवास पर ड्रोन हमले के दावे को लेकर रूस-यूक्रेन में टकराव

मॉस्को। रूस के रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को एक वीडियो फुटेज जारी कर दावा किया कि यूक्रेन ने इस सप्ताह राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के एक आधिकारिक आवास को निशाना बनाने की कोशिश की थी। यह वीडियो ऐसे समय सामने आया है, जब कीव इस तरह के किसी भी हमले से इनकार कर रहा है और रूस पर शांति वार्ता को बाधित करने के लिए आरोप गढ़ने का आरोप लगा रहा है। रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी ब्रीफिंग में मेजर जनरल अलेक्जेंडर रोमानेंकोव ने कहा कि यूक्रेन के सूमी और चेर्निहिव क्षेत्रों से 91 ड्रोन लॉन्च किए गए थे। उनके अनुसार यह 'सुनियोजित हमला' रूसी वायु रक्षा प्रणाली ने नाकाम कर दिया और इसमें न तो कोई नुकसान हुआ और न ही किसी के घायल होने की सूचना है। वीडियो में एक रूसी सैनिक को कथित तौर पर मार गिराए गए यूक्रेनी ड्रोन के मलबे के पास दिखाया गया है, जिसके बारे में कहा गया कि उसमें छह किलोग्राम विस्फोटक था। हालांकि मंत्रालय यह स्पष्ट नहीं कर पाया कि ड्रोन का लक्ष्य कैसे तय किया गया। यूक्रेन ने इन दावों को खारिज किया है, जबकि कई पश्चिमी देशों ने भी रूस के संस्करण पर संदेह जताया है। रॉयटर्स ने भी फुटेज की स्वतंत्र पुष्टि न कर पाने की बात कही है।

नए साल के संदेश में शी जिनपिंग ने ताइवान के साथ एकीकरण का संकल्प दोहराया

बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने नववर्ष की पूर्व संध्या पर देश को संबोधित करते हुए ताइवान के साथ चीन के पुनः एकीकरण के संकल्प को दोहराया। उन्होंने कहा कि 'मातृभूमि का एकीकरण समय की मांग है और इसे रोका नहीं जा सकता।' यह बयान ताइवान के आसपास हाल ही में हुए चीनी सैन्य अभ्यासों के एक दिन बाद आया है। चीन ताइवान को अपने क्षेत्र का हिस्सा मानता है, जबकि ताइवान एक स्वशासित द्वीप है। बीजिंग लंबे समय से यह स्पष्ट करता रहा है कि यदि आवश्यक हुआ तो वह बल प्रयोग से भी एकीकरण करेगा।अपने संबोधन में शी जिनपिंग ने देश की तकनीकी प्रगति का भी उल्लेख किया। उन्होंने हाई-टेक क्षेत्र में चीन की उपलब्धियों की सराहना करते हुए रोबोटिक्स और अंतरिक्ष मिशन तियानवेन-2 का जिक्र किया, जिसे इस वर्ष प्रक्षेपित किया गया। इसके साथ ही उन्होंने चीनी सांस्कृतिक उत्पादों की वैश्विक लोकप्रियता को रेखांकित किया। राष्ट्रपति ने वीडियो गेम 'ब्लैक मिथः वुकोंग' और एनिमेटेड फिल्म 'ने झा 2' की अंतरराष्ट्रीय सफलता को चीन की सॉफ्ट पावर की बढ़ती पहचान बताया।

नेपाल में 103 वर्षीय वृद्धा के मस्तिष्क का सफल ऑपरेशन

काठमांडू। नेपाल के काठमांडू स्थित वीर अस्पताल ने मस्तिष्क में हुए बड़े रक्तस्राव की सफल शल्यक्रिया कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। अस्पताल ने काठमांडू के कोटेश्वर निवासी 103 वर्षीय वृद्धा की विश्वस्तर पर दुर्लभ मानी जाने वाली न्यूरोसर्जिकल सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। वीर अस्पताल के न्यूरो विभाग के प्रमुख वरिष्ठ न्यूरोसर्जन डॉ. राजीव झा के अनुसार इतनी अधिक आयु और अत्यंत नाजुक अवस्था के बावजूद मस्तिष्क की सफल शल्यक्रिया होना चिकित्सा क्षेत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। परिवार के सदस्यों के मुताबिक वृद्धा को पिछले एक महीने से सिरदर्द और बार-बार गिरने की समस्या हो रही थी। परिवार ने शुरुआत में इसे अत्यधिक उम्र और सामान्य कमजोरी का परिणाम समझा लेकिन लगातार दो दिनों तक बेहोश रहने के बाद उन्हें पास के एक अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें वीर अस्पताल रेफर किया गया।

वीर अस्पताल के अनुसार इमरजेंसी में पहुंचते समय वे बेहोश थीं। विस्तृत जांच-पड़ताल के बाद पता चला कि उनके मस्तिष्क में अत्यंत बड़ा रक्तस्राव हो चुका था, जिसके लिए तत्काल न्यूरोसर्जिकल ऑपरेशन आवश्यक था। इस स्थिति में तुरंत न्यूरोसर्जरी करना अनिवार्य था, लेकिन 103 वर्ष की अत्यधिक आयु के कारण यह शल्यक्रिया चिकित्सीय दृष्टि से अत्यंत चुनौतीपूर्ण थी। मरीज के परिवार ने शुरुआत में उनके बचने की उम्मीद लगभग छोड़ दी थी।

अमेरिका ने वेनेजुएला की चार तेल कंपनियों पर कसा शिकंजा, तेल टैंकरों पर भी लगाया बैन

एजेंसी

नई दिल्ली । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला की तेल कंपनियों पर नई पाबंदी लगाई है। अमेरिका के वित्त विभाग ने वेनेजुएला की तेल इंडस्ट्री से जुड़ी चार कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया है। इसके साथ ही इन चारों कंपनियों से जुड़े तेल टैंकरों को बढ़ते बैन की लिस्ट में जोड़ा। अमेरिकी मीडिया की ओर से साझा जानकारी के अनुसार अमेरिका ने वेनेजुएला पर दबाव बनाने के लिए यह कदम उठाया है। अमेरिकी वित्त विभाग के दफ्तर ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि बैन एरीज ग्लोबल इन्वेस्टमेंट एलटीडी, कॉर्निथोला लिमिटेड, क्रेप मर्टल कंपनी एलटीडी और विंकी इंटरनेशनल लिमिटेड के साथ-साथ उनसे जुड़े जहाजों डेला, वैलिएंट, नॉर्ड स्टार और रोजालिंड पर लगाया गया है। विभाग की ओर से जारी बयान में कहा गया, 'आज की कार्रवाई इस बात का और इशारा

करती है कि वेनेजुएला के तेल व्यापार में शामिल लोगों पर अभी भी बड़े बैन का खतरा बना हुआ है। ' वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने एक बयान में कहा, 'राष्ट्रपति ट्रंप ने साफ कहा हैः हम गैर-कानूनी मादुरो सरकार को तेल एक्सपोर्ट करके फायदा नहीं उठाने देंगे, जबकि वह अमेरिका में जानलेवा ड्रग्स की बाढ़ ला रही है। वित्त विभाग, मादुरो सरकार पर राष्ट्रपति ट्रंप के दबाव वाले अभियान को लागू करना जारी रखेगा। ' इसके अलावा, विभाग ने इन जहाजों को वेनेजुएला की सेवा करने वाले गुप्त समुद्री जहाजी बेड़े का हिस्सा बताया। ट्रंप सरकार की तरफ से की गई इस हालिया कार्रवाई से पहले अमेरिका ने इस हफ्ते की शुरुआत में वेनेजुएला और ईरान में मौजूद 10 कंपनियों और लोगों पर बैन लगाया था। अमेरिका का कहना है कि वेनेजुएला और ईरान ने बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन तकनीक का बड़े स्तर पर व्यापार किया था। दूसरी ओर, अमेरिका ने इस इलाके में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ा दी है। बता दें, अमेरिका ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी और परिवार के सदस्यों और साथियों पर भी बैन लगाया है।

इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ने सोमवार को पुष्टि की थी कि यूएस ने वेनेजुएला में एक डॉक पर हमला किया। ट्रंप ने कहा कि इसका इस्तेमाल नावों पर ड्रग्स लोड करने के लिए किया जाता था और यह वेनेजुएला के खिलाफ पहला जमीनी हमला था। यह वेनेजुएला के सबसे बड़े एक्सपोर्ट और उसकी अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने का एक तरीका था। अमेरिकी राष्ट्रपति ने इससे पहले वेनेजुएला सरकार को आतंकवादी संगठन करार दिया था।

पूर्वी प्रशांत में कथित मादक पदार्थ ले जा रही नौकाओं पर अमेरिकी हमले में आठ लोगों की मौत

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी सेना ने पूर्वी प्रशांत महासागर के अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में दो दिनों के दौरान मादक पदार्थों की तस्करी के संदेह में पांच नौकाओं को नष्ट किया, जिनमें सवार आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि कुछ अन्य जान बचाने के लिए समुद्र में कूद गए। यह जानकारी अमेरिकी दक्षिणी कमांड ने दी। कमांड की वेबसाइट पर जारी बयान के अनुसार युद्ध सचिव पीट हेगसेथ के निर्देश पर जॉइंट टास्क फोर्स 'सदर्न स्पीयर' ने सोमवार को 'नामित आतंकवादी संगठनों' द्वारा संचालित तीन नौकाओं पर और दो अन्य नौकाओं पर हमले किए। कमांड ने बताया कि सोमवार को हुए पहले हमले में पहली नौका पर सवार तीन लोग मारे गए। बयान में कहा गया, 'शेष नार्को-आतंकवादियों ने अन्य दो नौकाओं को छोड़कर बिना देर किये समुद्र में छलांग लगा दी। जिसके बाद संबंधित नौकाएं डूब गईं। ' एक अन्य प्रेस विज्ञप्ति में कमांड ने बताया कि की गई कार्रवाई के दौरान पांच लोगों की मौत हुई, जिनमें पहली नौका पर तीन और दूसरी नौका पर दो लोग शामिल थे। पेंटागन ने सितंबर की शुरुआत से कल तक कैरिबियन सागर और पूर्वी प्रशांत महासागर में कथित तौर पर 35 मादक पदार्थ तस्करी से जुड़ी नौकाओं को डुबोया है, जिनमें कम से कम 115 लोगों की मौत हुई है। बीते कई महीनों से अमेरिका कैरिबियन क्षेत्र में, विशेषकर वेनेजुएला के तट के पास, बड़ी सैन्य मौजूदगी बनाए हुए है। अमेरिका का कहना है कि यह कदम मादक पदार्थों की तस्करी से निपटने के लिए उठाया गया है।

यूएन ने 3.45 बिलियन डॉलर के कम बजट और 19 प्रतिशत नौकरियों में कटौती के साथ की 2026 की शुरुआत

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र । दुनिया की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय संस्था संयुक्त राष्ट्र इस समय गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रही है। इसी कारण साल 2026 की शुरुआत वह 3.45 अरब डॉलर के कम बजट और 19 प्रतिशत नौकरियों में कटौती के साथ कर रही है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने उस बजट को मंजूरी दी है, जो महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के प्रस्ताव पर आधारित है। हालांकि यह बजट उनके सुझाए गए 3.238 अरब डॉलर से थोड़ा अधिक है। इस साल का बजट 2025 के 3.72 अरब डॉलर से लगभग 270 मिलियन डॉलर, या 7.25 प्रतिशत कम है। यह बजट केवल संयुक्त राष्ट्र के मुख्य प्रशासनिक कार्यों के लिए है। शांति मिशनों और अन्य संस्थाओं जैसे यूनेस्को और विश्व स्वास्थ्य संगठन के बजट अलग-अलग तय किए जाते हैं। नियमित बजट में भारत की हिस्सेदारी 1.016 प्रतिशत है। यह हिस्सेदारी सकल राष्ट्रीय आय, जनसंख्या और अन्य कई मानकों के आधार पर तय की जाती है।

इससे पहले, बजट से संबंधित महासभा की पांचवीं समिति को संबोधित करते हुए, सहायक महासचिव चंद्रमौली रामनाथन ने कहा कि खर्च में कटौती के तहत शुक्रवार से 2,900 पद खत्म किए जाएंगे। इसके अलावा करीब 1,000 कर्मचारी स्वेच्छा से सेवा छोड़ने पर सहमत हो चुके हैं।

193 सदस्य देशों के बीच लंबी और कठिन बातचीत के बाद बजट तैयार हुआ। इस प्रक्रिया पर रामनाथन ने कहा कि यह एक असाधारण उपलब्धि है, जिसे हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, एक दिसंबर तक बकाया राशि 1.586 अरब डॉलर थी। इसमें 2024 के 709 मिलियन डॉलर और 2025 के लिए 877 मिलियन डॉलर शामिल हैं। इसी कारण रामनाथन ने सदस्य देशों से अपील की है कि वे 2026 का बकाया योगदान जल्द से जल्द जमा करें।

बजट को सर्वसम्मति से पारित किए जाने से पहले दो संशोधनों को खारिज कर दिया गया। एक संशोधन रूस की ओर से था, जो सीरिया में मानवाधिकार उल्लंघन की जांच से जुड़ा था। दूसरा संशोधन क्यूबा की ओर से था, जो नागरिकों की सुरक्षा से जुड़े महासचिव के सलाहकार की भूमिका पर केंद्रित था। भारत ने इन दोनों संशोधनों पर मतदान से दूरी बनाए रखी।

संयुक्त राष्ट्र में सबसे बड़ा योगदान संयुक्त राज्य अमेरिका का है, जिसकी हिस्सेदारी 22 प्रतिशत है। इसके बाद चीन आता है, जिसका योगदान 20 प्रतिशत है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप संयुक्त राष्ट्र के मुखर आलोचक रहे हैं। उनके कार्यकाल में अमेरिका ने 2025 के लिए अपनी स्वीकृत राशि अब तक जारी नहीं की, जिससे संगठन की आर्थिक स्थिति और कमजोर हो गई।

नए साल पर जेलेंस्की का संदेश, कहा- हमें युद्ध का अंत चाहिए, यूक्रेन का नहीं

एजेंसी

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने नए साल की पूर्व संध्या पर अपने देश को संबोधित करते हुए कहा कि यूक्रेन युद्ध को खत्म करना चाहता है, लेकिन किसी भी हाल में कमजोर शांति समझौता स्वीकार नहीं करेगा। उनका कहना था कि ऐसा कोई समझौता नहीं होना चाहिए जिससे देश का भविष्य खतरे में पड़ जाए। जेलेंस्की का यह बयान ऐसे समय आया, जब रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने दोहराया कि उन्हें भरोसा है कि रूस इस युद्ध में जीत हासिल करेगा। करीब 21 मिनट के अपने टीवी संबोधन में जेलेंस्की ने माना कि लगभग चार साल से चल रहे युद्ध के कारण यूक्रेन के लोग बहुत थक चुके हैं। उन्होंने कहा कि यह समय अवधि दूसरे विश्व युद्ध के दौरान कई यूक्रेनी शहरों पर जर्मनी के कब्जे से भी ज्यादा लंबी रही है। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि थकान का मतलब हार मान लेना नहीं है। उन्होंने कहा, 'यूक्रेन शांति चाहता है, लेकिन किसी भी कीमत पर नहीं। हम युद्ध का अंत चाहते हैं, यूक्रेन का अंत नहीं। अगर कोई सोचता है कि यूक्रेन थककर आत्मसमर्पण कर देगा, तो वह पूरी तरह

गलत है। ' यूक्रेनी राष्ट्रपति ने चेतावनी दी कि अगर किसी समझौते में मजबूत और भरोसेमंद सुरक्षा गारंटी नहीं होगी, तो वह शांति नहीं बल्कि युद्ध को और लंबा करेगा। उन्होंने कहा, 'कमजोर समझौतों पर किया गया कोई भी साइन युद्ध को बढ़ावा देगा, जबकि मैं केवल मजबूत समझौते पर ही हस्ताक्षर करूंगा। '

जेलेंस्की ने बताया कि इस समय कूटनीतिक कोशिशें एक स्थायी और मजबूत शांति समझौते पर केंद्रित हैं। उन्होंने कहा कि हर बैठक, हर फोन कॉल और हर फैसला इसी मकसद से किया जा रहा है, ताकि लंबे समय तक टिकने वाली शांति मिल सके।

उन्होंने यह भी बताया कि अमेरिका की अगुवाई में हुई बातचीत अब अपने अंतिम चरण में है। उन्होंने कहा, 'शांति समझौता 90 प्रतिशत तैयार है। बचे हुए 10 प्रतिशत में सब कुछ है। यह शांति का भाग्य, यूक्रेन और यूरोप का भाग्य तय करेगा।' हालांकि, उन्होंने स्वीकार किया कि अनसुलझे क्षेत्रीय मुद्दे अंतिम समझौते में मुख्य बाधा बने हुए हैं।

यूक्रेनी मीडिया के अनुसार, रूस इस समय यूक्रेन के करीब 19 प्रतिशत इलाके पर कब्जा किए हुए है, जो ज्यादातर दक्षिण और पूर्वी हिस्सों में है। रूस चाहता है कि यूक्रेन पूर्वी डोनबास क्षेत्र से पूरी तरह पीछे हट जाए, लेकिन जेलेंस्की ने इस मांग को खारिज कर दिया और इसे धोखा बताया।

न्यूयॉर्क के पहले मुस्लिम मेयर बने जोहराम ममदानी, कुरान पर शपथ लेकर अमेरिका में लिखा नया इतिहास

एजेंसी

न्यूयॉर्क । अमेरिका के डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट जोहरान ममदानी ने गुरुवार सुबह न्यूयॉर्क शहर के 112वें मेयर के तौर पर शपथ ले ली है। ममदानी ने नवंबर 2025 में न्यूयॉर्क के पहले मुस्लिम मेयर के तौर पर जीत हासिल की। अब नए साल के मौके पर उन्होंने अपने पद की शपथ ली है। हालांकि, शपथग्रहण छोटे तौर पर हुआ, लेकिन शाम में एक पब्लिक सेरेमनी का आयोजन किया जाएगा। अमेरिका के राजनीतिक इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है कि जब न्यूयॉर्क के मेयर ने कुरान हाथ पर रखकर शपथ ली हो। इसके साथ ही उन्होंने इस हाई-प्रोफाइल पद को संभालने वाले सबसे कम उम्र के मेयर बनकर इतिहास रच दिया है। शपथ लेने के कुछ देर बाद ममदानी ने कहा, 'यह सच में जिंदगी का सम्मान और खुशकिस्मती है।' बता दें, ममदानी का भारत के साथ बेहद गहरा नाता है। नए साल के मौके पर ममदानी ने

आधी रात के ठीक बाद एक प्राइवेट सेरेमनी में अपनी पत्नी, कलाकार रमा दुवाजी के साथ न्यूयॉर्क के मेयर पद की शपथ ली। इस दौरान उनके माता-पिता, फिल्म निर्माता मीरा नायर और कोलंबिया यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर महमूद ममदानी भी मौजूद रहे। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, न्यूयॉर्क स्टेट अटॉर्नी जनरल लेटिटिया जेम्स ने उन्हें शपथ दिलाई। ममदानी जेम्स को राजनीतिक प्रेरणा बताते हैं। ममदानी ने मैनहट्टन में सिटी हॉल पार्क के नीचे पुराने सिटी हॉल सबवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर शपथ ली। ममदानी ने जिस जगह शपथ ली, उसके बारे में अमेरिकी मीडिया ने बताया कि यह जगह 1945 में स्टेशन बंद होने के बाद से बंद पड़ी हुई थी। यह जगह, गाइडेड टूर को छोड़कर आम लोगों के लिए बंद रहती है। यह न्यूयॉर्क के 28 ओरिजिनल सबवे स्टेशनों में से एक है। यह स्टेशन 1904 में खुला था, जिससे न्यूयॉर्क शहर में नवाचार और विकास की एक नई शुरुआत हुई थी। ममदानी एक शिया मुस्लिम युगांडाई शिक्षाविद महमूद ममदानी और भारत की मशहूर फिल्म निर्माता मीरा नायर के बेटे हैं। शिक्षाविद महमूद ममदानी के पूर्वज भी भारतीय हैं। वहीं मीरा नायर भारत में एक हिंदू परिवार से आती हैं। मीरा नायर की कुछ चुनिंदा फिल्मों में 'सलाम बॉम्बे', 'मानसून वेडिंग', 'द नेमसेक', 'कामसूत्र-द टेल ऑफ लव' और 'मिसिसिपी मसाला' शामिल हैं। ममदानी का जन्म 18 अक्टूबर, 1991 को युगांडा के कंपाला में हुआ था। वे युगांडा से दक्षिण अफ्रीका और न्यूयॉर्क में गए। अमेरिका में उन्होंने 2014 में बॉडॉइन कॉलेज से अफ्रीकाना स्टडीज में डिग्री हासिल करने से पहले बैंक स्ट्रीट स्कूल फॉर चिल्ड्रन और ब्रोंक्स हाई स्कूल ऑफ साइंस में पढ़ाई की। 2017 में वह राजनीतिक और सामाजिक संगठन 'डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट्स ऑफ अमेरिका' में शामिल हो गए और यहां से उनके राजनीतिक सफर की शुरुआत हुई।

दक्षिणी ब्राज़ील में गोलीबारी में 5 लोगों की मौत

एजेंसी

साओ पाउलो। दक्षिणी ब्राज़ील के पराना राज्य में हुई दो संबंधित गोलीबारी की घटनाओं में एक मृतक और चार सशस्त्र संदिग्धों सहित पांच लोगों की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों में यह जानकारी दी गयी। एक व्यक्ति का शव कॉर्नेलियो प्रोकोपियो के एक मोहल्ले में मिला, जिसे गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। यह शहर राज्य की राजधानी कुरुतिबा से लगभग 380 किमी और अर्जेंटीना और पैराग्वे के साथ ब्राज़ील की सीमा से लगभग 520 किमी दूर स्थित है। सैन्य पुलिस ने बाद में इस मामले से जुड़े माने जा

रहे चार सशस्त्र संदिग्धों का पता लगाया और उनका पीछा किया, जो बुधवार तड़के गोलीबारी में समाप्त हुआ, जिसमें चारों मारे गए। पुलिस ने बताया कि संदिग्धों ने एक वाहन में भागने की कोशिश करते हुए गोलीबारी की, जो पीछा करने के दौरान पलट गया। स्थानीय मीडिया के अनुसार, चारों लोगों के शव कार के अंदर दो आग्नेयास्त्रों के साथ मिले।

नए साल पर शेख हसीना का संदेश, बांग्लादेश को 'अंधेरे' से बचाने की जनता से अपील

एजेंसी

ढाका । बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री और अवामी लीग की अध्यक्ष शेख हसीना ने गुरुवार को मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार पर भ्रष्टाचार, झूठ और अपने निहित स्वार्थ के लिए देश को 'अंधेरे' की ओर धकेलने का आरोप लगाया। अवामी लीग पार्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उनका संदेश साझा किया, जिसमें हसीना ने कहा है कि देश को बर्बाद करने की साजिश करने वालों का राज जनता के सामने फाश हो चुका है। हसीना ने कहा, 'कामना है कि नया साल बांग्लादेश के सभी लोगों के लिए बहुत ज्यादा सामंजस्य, खुशियां और खुशहाली लेकर आए। यह बीते दिनों के दुख और तकलीफों को मिटा दे, जो गलतियां कीं या जो कमियां रह गईं उनको दूर करे और सभी के लिए एक यादगार साल बने। यह मेरा ख्वाब है और इस देश के लिए जिंदगी भर संघर्ष

करने के बाद दिली ख्वाहिश भी! मैं चाहती हूं यह देश सच में अपने सभी लोगों का हो–चाहे उनका धर्म, रंग, वर्ग, रोजगार या जातीय पहचान कुछ भी हो। ' उन्होंने आगे कहा, 'प्यारे देशवासियों, देश को बर्बाद करने की साजिश रचने वाले घिनौने चेहरे आपके सामने पहले ही बेनकाब हो चुके हैं। आपने देखा है कि कैसे गैर-कानूनी तरीके से कब्जा करने वालों ने, आपको बंधक बनाकर, बेहिसाब भ्रष्टाचार, झूठ और निजी फायदे के नशे में देश को अंधेरे की ओर धकेल दिया है। '

हसीना ने कहा कि बांग्लादेश का नाम खौफ से जुड़ गया है। नतीजतन, 'आज कोई भी देश बांग्लादेश और उसके लोगों का सम्मान नहीं करता। ' उन्होंने दावा किया कि विदेशी निवेशकों और दानकर्ताओं में असुरक्षा का भाव है और इस वजह से देश की अर्थव्यवस्था चरमरा गई है। उन्होंने कहा, 'देश को अंधेरे की इस यात्रा से बचाने के लिए हम सभी को एक साथ आना होगा। आइए, नए साल का स्वागत करते हुए, देश की रक्षा करने का संकल्प करते हैं। ' देश के लोगों को संबोधित करते हुए, हसीना ने कहा कि बांग्लादेश की अलग पहचान और पाकिस्तान के खिलाफ 1971 के मुक्ति युद्ध की विरासत–जिसके लिए उनकी सरकार ने देश को वैश्विक मंच पर सम्मानजनक स्थान दिलाने के लिए लगातार काम किया था–आज उस पर सवाल उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब भी देश में पहले ऐसा मुश्किल समय आया है, बांग्लादेश के लोग एक साथ आए हैं। हम सब वर्ग, धर्म, रंग, भाषा और जातीय मतभेदों को भुलाकर, और एक साझा सपने को पूरा करने के लिए मिलकर आगे बढ़े हैं। सुनहरे भविष्य की कामना करते हुए, हसीना ने कहा, 'मुझे पक्का यकीन है कि बांग्लादेश के लोग वर्तमान परेशानियों को और बढ़ने नहीं देंगे और नए साल में ही, हम इसका नतीजा देखेंगे। '

सिडनी ने बॉन्डी हमले के पीड़ितों को श्रद्धांजलि के साथ किया नए साल का स्वागत

एजेंसी

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी शहर ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 2026 का स्वागत किया। नववर्ष समारोह इस बार खास तौर पर भावुक रहा, क्योंकि कुछ सप्ताह पहले बॉन्डी इलाके में हुए एक यहूदी कार्यक्रम पर हमले में 15 लोगों की मौत हो गई थी। दुनियाभर में मशहूर सिडनी के न्यू ईयर ईव समारोह के दौरान हार्बर ब्रिज, ओपेरा हाउस और आसपास के बंदरगाह क्षेत्र में भव्य आतिशबाजी की गई। करीब सात किलोमीटर के दायरे में हजारों आतिशबाजी प्रभाव देखने को मिले। हालांकि इस बार समारोह से पहले रात 11 बजे हमले के पीड़ितों की याद में एक मिनट का मौन रखा गया। इस दौरान हार्बर ब्रिज को सफेद रोशनी से जगमगाया गया और उसके पिलर्स पर यहूदी धर्म के प्रतीक मेनोरा का प्रोजेक्शन किया गया। सिडनी की लॉर्ड मेयर क्लोवर मूर ने कहा कि शहर ने एक दुखद

साल का अंत देखा है, लेकिन नया साल लोगों को एकजुट होकर शांति और उम्मीद के साथ आगे बढ़ने का अवसर देगा।

हमले के बाद बॉन्डी क्षेत्र में क्रिसमस और नववर्ष से जुड़े कई कार्यक्रम रद्द कर दिए गए थे। नए साल के जश्न के दौरान करीब 3,000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया, ताकि लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। न्यू साउथ वेल्स के प्रीमियर क्रिस मिन्स ने कहा कि शहर आतंक के आगे झुकेगा नहीं और अपनी जीवनशैली को कायम रखेगा।

फेसबुक लाइव ने खोली पाकिस्तान की पोल

एजेंसी

वॉशिंगटन। एक सामने आए वीडियो में लश्कर-ए-तैयबा का डिप्टी चीफ सैफुल्ला कसूरी लाहौर में खुलेआम भारत विरोधी बयान देता दिखा, जिससे पाकिस्तान का दोहरा रवैया फिर से उजागर हो गया। आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान का दोहरा चरित्र एक बार फिर उजागर हुआ

है। सामने आए एक वीडियो में दिखता है कि कैसे वह अंतरराष्ट्रीय मंचों पर खुद को आतंकवाद का शिकार बताता है, जबकि उसकी जमीन पर आतंकी खुलेआम सक्रिय हैं। इस वीडियो में पहलगाम हमले का मास्टरमाइंड और लश्कर-ए-तैयबा का डिप्टी चीफ सैफुल्लाह कसूरी लाहौर में सभा को संबोधित करते हुए भारत के खिलाफ भड़काऊ बयान देता नजर आता है। करीब तीन घंटे का यह लाइव वीडियो पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग के आधिकारिक फेसबुक पेज पर साझा किया गया। इस पार्टी को लश्कर-ए-तैयबा के सरगना हाफिज सईद का समर्थक माना जाता है। वीडियो में सैफुल्लाह कसूरी भारत के खिलाफ भड़काऊ भाषा धमकियां देता दिखता है, साथ दावा करता है कि भारत अगले पचास साल तक पाकिस्तान को चुनौती नहीं देगा।

नए साल के जश्न में स्विट्जरलैंड के बार में धमाका, कई लोगों की मौत और कई घायल

एजेंसी

नई दिल्ली । नए साल के मौके पर स्विटजरलैंड से एक दुखद घटना सामने आई है। स्विस पुलिस की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, क्रैन्स मोंटाना के महंगे अल्पाइन स्की रिसॉर्ट शहर के एक बार में धमाका हुआ। इस धमाके में कई लोग मारे गए और कुछ घायल हो गए। दक्षिण-पश्चिमी स्विट्जरलैंड के वालिस कैंटन में पुलिस प्रवक्ता गेटन लैथियन ने बताया, 'एक धमाका हुआ है जिसका कारण पता नहीं है। कई लोग इसमें मारे गए और कई घायल हो गए।' पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि धमाका स्थानीय समयानुसार रात करीब 1:30 बजे ले कॉन्स्टेलेशन नाम के एक बार में हुआ। यह बार पर्यटकों के बीच काफी मशहूर है। हादसे के वक्त लोग यहां पर नए साल का जश्न मनाने के लिए जुटे हुए थे। पुलिस प्रवक्ता ने कहा, 'माना जा रहा है कि मरने वालों में ज्यादातर पर्यटक हैं, जो छुट्टियों के सीजन में क्रैन्स-मोंटाना आए थे। धमाके के समय बार में सौ से ज्यादा लोग थे। हम अभी अपनी जांच की शुरुआत में हैं। यह एक

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मशहूर स्की रिसॉर्ट है जहां बहुत सारे पर्यटक आते हैं।' स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स का दावा है कि आग में कम से कम 40 लोग मारे गए। स्थानीय मीडिया आउटलेट ब्लिक ने बताया कि अधिकारियों ने बचाव और जांच की कोशिशों के चलते क्रांस-मोंटाना के ऊपर नो-फ्लाई जोन भी लगा दिया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि धमाके के समय बार के अंदर 100 से ज्यादा लोग थे। स्विस ब्रॉडकास्टर आरटीएस ने बताया कि धमाका बार के बेसमेंट में हुआ, जिसकी कुल क्षमता लगभग 400 लोगों की है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बड़े पैमाने पर शेयर किए गए वीडियो में घटना के तुरंत बाद बार से धुएं का घना गुबार उठता हुआ दिख रहा है, जो धमाके और उसके बाद लगी आग के पैमाने को दिखाता है। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, पुलिस ने मरने वालों और घायलों की सही संख्या नहीं बताई, और न ही आग लगने के कारण के बारे में और जानकारी दी। यह इलाका हाई-एंड हॉलिडे रिसॉर्ट्स के लिए जाना जाता है। पुलिस और क्षेत्रीय लोक अभियोजक के साथ अमेरिकी समयानुसार सुबह करीब 10 बजे (ईटी टाइम जोन के हिसाब से सुबह 4 बजे) एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की जाएगी। पीसी में घटना से संबंधित अधिक जानकारी सामने आएगी। अमेरिकी मीडिया ने बताया कि स्विट्जरलैंड की सबसे खास जगहों में से एक, क्रैन्स-मोंटाना अपनी साल भर रहने वाली धूप के लिए मशहूर है। इसकी खास वजह यह है कि क्रैन्स-मोंटाना रोन वैली में दक्षिण की ओर वाले पठार पर स्थित है। यह इलाका समुद्र तल से 1,500 मीटर ऊपर, मैटरहॉर्न से लेकर यूरोप की सबसे ऊंची चोटियों में से एक मोंट ब्लांक तक फैला है। लगभग 15,000 की छोटी आबादी का एक समुदाय यहां रहता है, और यह सेलिब्रिटीज के स्काई डाइविंग, गोल्फ खेलने और खाने-पीने के लिए पसंदीदा और शांत जगहों में से एक माना जाता है।

page 1 and 8 jan 2_page 1 Mar 25 final ds.qxd 1/2/2026 12:16 AM Page 2

विदेशी फल है ड्रैगन फ्रूट

ड्रैगन फ्रूट भारतीय फल नहीं है, लेकिन इसके लाजवाब स्वाद और लाभकारी फायदों के कारण भारत में भी इसकी मांग काफी बढ़ गयी है। यही वजह है कि हमारे देश में पंजाब, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ आदि राज्यों में इसका सर्वाधिक उत्पादन किया जा रहा है। ड्रैगन फ्रूट का उपयोग ताजे फल के रूप में करने के साथ-साथ रस, जैम तथा आइसक्रीम के रूप में भी किया जाता है। यह फल खाने में तो स्वादिष्ट लगता ही है, इसके अलावा यह अनेक गंभीर रोगों को ठीक करने की क्षमता भी रखता है।

ड्रैगन फ्रूट, हिलोकेरस केक्टेसिया परिवार से संबंधित है। इसे होनोलुलु रानी व पिताया फल के नाम से भी जाना जाता है। यह संतरा, आम, पपीता, केला, सेब आदि की तुलना में अधिक पौष्टिक और फायदेमंद फल है। ड्रैगन फ्रूट बाहर से अनन्नास की भांति दिखाई देता है, लेकिन अन्दर से गूदा सफेद और काले छोटे-छोटे बीजों से भरा हुआ नाशपाती या कीवी की तरह होता है। इस आकर्षक एवं रहस्यमय फल का रंग लाल-गुलाबी होता है। इसकी त्वचा में हरे रंग की पंक्तियां होती हैं, जो ड्रैगन की तरह दिखाई देती हैं इसलिए इसको ड्रैगन फ्रूट के नाम से भी जाना जाता है।

ड्रैगन फ्रूट ज्यादातर मैक्सिको और मध्य एशिया में पाया जाता है। यह फल खाने में तरबूज की तरह मीठा होता है।

ड्रैगन फ्रूट के मुख्य प्रकार

बाहरी रंग और गूदे के आधार पर यह फल मुख्य रूप से तीन प्रकार का होता है:

- सफेद गूदा वाला, लाल रंग का फल
- लाल गूदा वाला, लाल रंग का फल
- सफेद गूदा वाला, पीले रंग का फल पोषक तत्व

जलवायु

ड्रैगन फ्रूट की खेती के लिए उष्ण जलवायु जिसमें निम्नतम वार्षिक वर्षा 50 से.मी. और तापमान 20 से.36 डिग्री सेल्सियस हो, सर्वोत्तम मानी जाती है। पौधों के बढ़िया विकास आरै फल उत्पादन के लिए इन्हें अच्छी रोशनी व धूप वाले क्षेत्र में लगाना चाहिए। इसकी खेती के लिए सूर्य की ज्यादा रोशनी उपयुक्त नहीं होती।

मृदा

इस फल को रेतीली दोमट मृदा से लेकर दोमट मृदा जैसी विभिन्न प्रकार की मृदाओं में उगाया जा सकता है। इसकी खेती के लिए कार्बिनक पदार्थ से भरपूर, उचित जल निकास वाली काली मृदा, जिसका पी-एच मान 5.5 से 7 हो, अच्छी मानी जाती है।

ड्रैगन फ्रूट उत्पादन विधि

अंतरण

अधिक उत्पादन के लिए पौधे से पौधे एवं पंक्ति से पंक्ति के बीच की दूरी 2म2 मीटर रखते हैं। गड्ढे का आकार 60म60म60 सें.मी. रखते हैं। इन गड्ढों को कम्पोस्ट, मृदा व 100 ग्राम सुपर फॉस्फेट मिलाकर भर दिया जाता है।

पादप सघनता

ड्रैगन फ्रूट से अधिकतम उत्पादन लेने के लिए एक हैक्टर भूमि में लगभग 277 पौधे लगाए जा सकते हैं। ट्रिमिंग व प्रूनिंग पौधों की सीधी वृद्धि एवं विकास के लिए इनको लकड़ी व सीमेंट के खंभों से सहारा प्रदान करना चाहिए। अपरिपक्व पादप तनों को इन खंभों से बांधकर, पाश्विक शाखाओं को सीमित रखते हुए दो से तीन मुख्य तनों को बढ़ने के लिए छोड़ देना चाहिए। इसके बाद इसके ढांचे को गोलाकार रूप में सुरक्षित कर लेना चाहिए।

खाद एवं उर्वरक

अधिक उत्पादन लेने के लिए प्रत्येक पौधे को अच्छी सड़ी हुई 10 से 15 कि.ग्रा. गोबर या कम्पोस्ट खाद देनी चाहिए। इसके अलावा लगभग 250 ग्राम नीम की खली, 30-40 ग्राम फोरेट एवं 5-7 ग्राम बाविस्टिन प्रत्येक गड्ढे में अच्छी तरह मिला देने से पौधों में मृदाजनित रोग एवं कीट नहीं लगते हैं। 50 ग्राम यूरिया, 50 ग्राम सिंगल सुपर फॉस्फेट तथा 100 ग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश का मिश्रण बनाकर पौधों को फूल आने से पहले अप्रैल में फल विकास अवस्था तथा जुलाई-अगस्त और फल तुड़ाई के बाद दिसबंर में देना चाहिए।

सिंचाई

इस फल के पौधों को दूसरे पौधों की तुलना में कम पानी की आवश्यकता होती है। इस प्रकार रोपण, फूल आने एवं फल विकास के समय तथा गर्म व शुष्क मौसम में बार-बार सिंचाई की आवश्यकता होती है। इसके लिए सिंचाई की बूंद-बूंद पद्धति का उपयोग करना चाहिए।

कीट एवं व्याधियां

सामान्यत: ड्रैगन फ्रूट में कीट और व्याधियों का प्रकोप कम होता है। फिर भी इसमें एंथ्रेक्नोज रोग व थ्रिप्स कीट का प्रकोप देखा गया है। एंथ्रेक्नोज रोग के नियंत्रण के लिए मैन्कोजेब दवा के घोल का 0.25 प्रतिशत की दर से छिड़काव करें। थ्रिप्स के लिए एसीफेट दवा का 0.1 प्रतिशत की दर से छिड़काव करना चाहिए।

तुड़ाई

प्राय: ड्रैगन फ्रूट प्रथम वर्ष में फल देना शुरू कर देता है। सामान्यत: मई और जून में फूल लगते हैं तथा जुलाई से दिसंबर तक फल लगते हैं। पुष्पण के एक महीने बाद फल तुड़ाई के लिए तैयार हो जाते हैं। इस अवधि के दौरान इसकी 6 तुड़ाई की जा सकती है। ड्रैगन फ्रूट के कच्चे फल हरे रंग के होते हैं, जो पकने पर लाल रंग में परिवर्तित हो जाते हैं। फलों की तुड़ाई का सही समय रंग परिवर्तित होने के तीन-चार दिनों बाद का होता है। फलों की तुड़ाई दरांती या हाथ से की जाती है।

उपज

ड्रैगन फ्रूट का पौधा एक सीजन में 3 से 4 बार फल देता है। प्रत्येक फल का वजन लगभग 300 से 800 ग्राम तक होता है। एक पौधे पर 50 से 120 फल लगते हैं। इस प्रकार इसकी औसत उपज 5 से 6 टन प्रति एकड़ होती है।

औषधीय गुण

ड्रैगन फ्रूट में अधिक मात्रा में विटामिन 'सी', फ्लेवोनोइड औ फाइबर पाए जाने के कारण यह घावों को जल्दी भरने, रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने एवं हृदय संबंधित समस्याओं से बचाने के साथ-साथ भोजन को पचाने में भी सहायक होता है। यह आंखों की दृष्टि में सुधार करने के साथ ही त्वचा को चिकना और मॉयस्चराइज करता है। इसके नियमित सेवन से खांसी और अस्थमा से लड़ने में मदद मिलती है। इसमें विटामिन बी1, बी2 और बी3 पाए जाते हैं, जो ऊर्जा उत्पादन, कार्बोहाइड्रेट चयापचय, भूख बढ़ाने, खराब कोलेस्ट्रॉल, पेट के कैंसर और मधुमेह के स्तर को कम करने के अलावा कोशिकाओं को ठीक कर शरीर को मजबूती प्रदान करते हैं। दंत स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए भी इसको औषधीय रूप में प्रयोग किया जाता है।

भूमि की तैयारी

खेत अच्छी तरह से जुताई किया हुआ हो, कीट-पतंगों व खरपतवारों से मुक्त होना चाहिए। भूमि में 20 से 25 टन प्रति हैक्टर की दर से अच्छी सड़ी हुई गोबर की खाद अथवा कम्पोस्ट मिला देनी चाहिए।

प्रवर्धन एवं लगाने की विधि

ड्रैगन फ्रूट का प्रवर्धन कटिंग द्वारा होता है, लेकिन इसे बीज से भी लगाया जा सकता है। बीज से लगाने पर यह फल देने में ज्यादा समय लेता है, जो किसान के दृष्टिकोण से सही नहीं है। इसलिए बीज वाली विधि व्यावसायिक खेती के लिए उपयुक्त नहीं है। कटिंग से इसका प्रवर्धन करने के लिए कटिंग की लंबाई 20 सें.मी. रखते हैं। इसको खेत में लगाने से पहले गमलों में लगाया जाता है। इसके लिए गमलों में सूखे गोबर, बलुई मृदा तथा रेत को 1:1:2 के अनुपात से भरकर छाया में रख दिया जाता है।

स्त्रोत - फल-फूल पत्रिका(आईसीएआर), दुर्गाशंकर मीना और हर लाल मीणा-कृषि अनुसंधान केंद्र, मंडोर, कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर (राजस्थान) हरि सिंह मीना-पादप कार्यिकी संभाग, भाकृअनुप-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली-110012

अंजीर की खेती की पूरी जानकारी

भारत में अंजीर की खेती व्यापारिक दृष्टि से बहुत ही महत्वपूर्ण खेती है। बाज़ार में अंजीर के फल की अच्छी कीमत मिलने के कारण इसकी खेती करने वाले किसान भाई अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। अंजीर का फल अपने स्वास्थ्यवर्धक गुणों के लिए भी जाना जाता है।

अंजीर के फल में अनेक प्रकार के पोषक तत्व विटामिन ए, विटामिन बी, विटामिन सी, फाइबर और कैल्शियम पाये जाते है। इसके फल का सेवन ताजा व फल को सुखाकर कर सकते हैं। अंजीर के फल का सेवन करने से सर्दी-जुकाम, दमा, स्तन कैंसर और अपच और मधुमेह जैसी बीमारियों में काफी राहत मिलती है। अंजीर के फलों का उपयोग आयुर्वेदिक दवाइयों को बनाने में भी किया जाता है।

भारत में अंजीर की खेती करने वाले प्रमुख राज्य

भारत में अंजीर की खेती करने वाले प्रमुख राज्यों में महाराष्ट्र का पहला स्थान हैं। महाराष्ट्र में व्यापारिक दृष्टि से अंजीर की खेती की जाती हैं। महाराष्ट्र के अलावा अंजीर की खेती तमिलनाडु, कर्नाटक, गुजरात के अलावा उत्तर प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में की जाती है।

अंजीर की उन्नत किस्में

अंजीर की कई किस्में विकसित की गई है। उनमें से कुछ बेहतर किस्में इस प्रकार से हैं-

पंजाब अंजीर

पंजाब अंजीर किस्म के फल आकार में बड़े और पीले रंग के होते हैं। इसके पौधे समान्यत 2 साल बाद फल देना शुरू कर देते हैं। पौधे की लंबाई 10 से 15 फीट की होती हैं। 5 वर्ष के पौधे की औसतन पैदावार 15 से 18 किलोग्राम तक प्राप्त हो सकती है।

पुणे अंजीर

पुणे अंजीर का फल आकार में मध्यम और पीले रंग के होते हैं। इसके पौधे 35 डिग्री से 40 डिग्री तक के तापमान में अच्छी बढ़ोतरी करते हैं। पौधे की ऊंचाई 8 फीट और चौड़ाई 2.5 मीटर तक होती है। पुणे अंजीर के पौधो 1 वर्ष की आयु पूरी करते ही फल देना शुरु कर देते हैं।

मार्शलीज अंजीर

मार्शलीज अंजीर, अंजीर के पौधे की हाइब्रिड किस्म है। इसके फल का भंडारण अधिक समय तक किया जा सकता है। इसके पौधे की लंबाई 3 से 5 मीटर तक की होती है। मार्शलीज अंजीर के प्रत्येक पौधे से 1 वर्ष में 20 से 25 किलोग्राम तक फल प्राप्त हो सकते हैं।

पुणेरी अंजीर

पुणेरी अंजीर किस्म के फल स्वादिष्ट और जामुनी रंग के होते हैं। इसके पौधे की ऊंचाई 8 से 12 फीट तक होती है। एक पौधे से 1 वर्ष में 21 से 25 किलोग्राम तक फल प्राप्त हो सकते हैं।

जलवायु और मिट्टी

अंजीर की खेती करने के लिए शुष्क और आर्द्र जलवायु की आवश्यकता होती है। अंजीर की खेती करने के लिए अच्छी जल निकासी वाली उपजाऊ दोमट भूमि की जरूरत होती है। अंजीर की खेती के लिए 6 से 7 पीएच मान वाली मिट्टी अच्छी मानी जाती है। अंजीर के फल की अच्छी पैदावार पाने के लिए 25 से 35 डिग्री तक का तापमान उपयुक्त होता है।

खेत की तैयारी

अंजीर की खेती में भुरभुरी मिट्टी की आवश्यकता होती हैं। सबसे पहले खेत से फसलों के अवशेष हटाने के लिए कल्टीवेटर की मदद से खेत की 2 से 3 बार तिरछी जुताई करके फसल अवशेष को हटा लें। इसके बाद खेत की मिट्टी को रोटावेटर की मदद से भुरभुरी बना लें। उसके बाद खेत को पाटा लगाकर समतल बना लें। इसके बाद 5-5 मीटर की दूरी पर गड्ढे बना लें। इन गड्ढों में अंजीर के पौधे की रोपाई के बाद हल्की सिंचाई कर दें।

बुआई और बीज की मात्रा

अंजीर के पौधों की रोपाई के लिए बारिश का मौसम जुलाई से अगस्त का महीना सबसे उपयुक्त होता है। सबसे पहले आप अंजीर के पौधें की नर्सरी तैयार कर लें या आप अपने पास की नर्सरी से उन्नत किस्म का पौधा खरीद सकते हैं। एक हेक्टेयर में करीब 250 पोधों की जरूरत होती है। एक पौधे से दूसरे पौधे के बीच की दूरी 5 मीटर रखें।

पौधों की सिंचाई

अंजीर की खेती में पौधे की सिंचाई मौसम के चक्र के अनुसार होती हैं। अगर आपने बारिश के मौसम समानतय: जुलाई व अगस्त में लगाया है, तो आपको सिंचाई की जरुरत कम ही पड़ेगी। सर्दियों के मौसम में 14 से 20 दिन के अंतराल में सिंचाई करनी चाहिए। गर्मियों के मौसम में अंजीर के पौधों को अधिक सिंचाई की जरुरत होती हैं, गर्मियों में अंजीर के पौधों की सप्ताह में दो बार सिंचाई कर देनी चाहिए। जबकि बारिश के मौसम में इसके पौधों को सिंचाई की आवश्यकता नहीं होती। लेकिन अगर समय पर बारिश न हो तो पौधों की आवश्यकता अनुसार सिंचाई करनी चाहिए।

पौधों की देखभाल

अंजीर के पौधों से अधिक फल का उत्पादन प्राप्त करने के लिए पौधे की देखभाल करना काफी जरूरी होता है। अंजीर के पौधे की अच्छी बढ़वार होने के लिए पौधों को खेत में लगाने के एक साल बाद उनकी छटाई कर दें। पौधों की पहली छटाई के दौरान पौधों पर 1 मीटर की ऊंचाई तक कोई भी नई शाखा ना बनने दे। इसके अलावा इसकी अधिक लंबी बढ़ने वाली शाखा की कटाई कर दें। ताकि पौधे में नई शाखा लगे और पौधा धना हो जाए, पौधे के धने होने से पैदावार में बढ़ोतरी होती है। अंजीर के पौधों की छटाई फल आने शुरू होने के बाद हर साल गर्मियों के मौसम में करना चाहिए।

खरपतवार नियंत्रण

अंजीर की खेती में खरपतवार होने की स्थिति में निराई-गुड़ाई करने की आवश्यकता होती हैं। इसीलिए आप को जब भी अंजीर के खेतों में खरपतवार दिखे उसे निराई करके निकाल दे। सामान्यत- अंजीर की खेती में दो निराई-गुड़ाई करना पर्याप्त होता है।

फलों की तुड़ाई

अंजीर के पौधों से फलों की तुड़ाई, फलों के पूरी तरह से पकने के बाद ही करनी चाहिए। क्योंकि इसके कच्चे फल को तोड़ने से फल अच्छी तरह से पकते नहीं है। जिसके कारण फलों की गुणवत्ता में कमी हो जाती है व फल आधे पके होने के कारण किसानों को बाज़ार में अंजीर के फल का सही दाम नहीं मिल पाता, इसलिए इसके फलों को अच्छी तरह से पकने के बाद ही तोड़ना चाहिए।

उत्पादन और लाभ

अंजीर के पौधे का उत्पादन किस्मों के आधार पर अलग-अलग पैदावार प्रदान करते है। एक हेक्टेयर के खेत में लगभग 250 अंजीर के पौधों को लगाया जा सकता है तथा एक पौधे से लगभग 20 किलो अंजीर का फल प्राप्त होता है अंजीर के फल गुणवत्ता के हिसाब से 500 रुपये से 800 रुपये प्रति किलो तक बिकता हैं, इस हिसाब से किसान भाई अंजीर की 1 हेक्टेयर खेती से सालाना 25 से 30 लाख रुपये तक आसानी से कमा सकते हैं।

- **स्त्रोत - ट्रैक्टरजंक्शन.**

जापानी फल (परसीमन) की खेती

हिमालय क्षत्रों में सेब व अनार के बाद अब जापानी फल (परसीमन) भी कृषकों या बागवानों की पसंद बनता जा रहा है। कम लागत और अच्छी रखरखाव क्षमता होने के कारण घाटी के बागवानों का रुख जापानी फल (परसीमन) की खेती की ओर बढ़ा है। अंग्रेजों द्वारा भारत लाए गए इस फल ने देश के लोगों को अपने स्वाद का कायल बना लिया है ।

जागरूकता और तकनीक के अभाव के कारण भारत में इसका बड़े पैमाने पर उत्पादन आज भी चुनौती है। इस लेख में जापानी फल (परसीमन) की वैज्ञानिक तकनीक से बागवानी कैसे करें, की जानकारी का उल्लेख किया गया है। ताकि जापानी फल उत्पादक बन्धु इसकी फसल से अधिकतम और गुणवत्ता युक्त उत्पादन प्राप्त कर सकें,

उपयुक्त जलवायु

जापानी फल (परसीमन) एक पर्णपाती फल वृक्ष है। जापानी फल समुद्र तल से 1000 से 1650 मीटर तक की ऊँचाई पर आसानी से खेती या बागवानी की जा सकती है। भारत में अभी इसकी खेती बहुत ही कम मात्रा में हिमालय क्षत्रों में की जाती है। इसे कम शीतन (चिलिंग) की आवश्यकता होती है।

जापानी फल (परसीमन) की खेती या बागवानी के लिए गहरी उपजाऊ दोमट मिट्टी जिसमें जल निकास का उचित प्रबन्ध होना चाहिए, तथा जिसका पीएच मान 5 से 6.5 के बीच हो उपयुक्त होता है, कम से कम 1.5 से 2 मीटर की गहराई तक कोई कठोर चट्टान न हो, ताकि जड़ तन्त्र आसानी से फ़ैल सके और उसमें वृद्धि हो सके।

उन्नत किस्में

जापानी फल की अनेक किस्में है, लेकिन व्यवसायिक तौर पर कुछ गिनी चुनी किस्में ही उपयोग में लाई जाती है, जो इस प्रकार है, जैसे-

फ्यू- यह जापानी फल टमाटर की आकृति का, सख्त फल भी खाने योग्य, फल का स्वाद कसैला नहीं होता है।

हैचिया- फल कसैला, लम्बूतरा, अगला भाग नोकवाला, फल उत्तम श्रेणी का, अच्छी उपज देने वाली किस्म है।

हयाक्यूम- फल गोलाई वाला, अण्डाकार, बड़ा, छिलका पीले-संतरी रंग का, गूदा गहरे जामनी रंग का, ठोस तथा उत्तम श्रेणी का होता है।

कण्डाघाट पिंक (बीज से चयनित किस्म)- इसे व्यावसायिक किस्म - हेचिया में परागण के लिए अनुमोदित किया जाता है। इसमें अधिक समय तक फूल खिलते हैं, पराग की अंकुरण क्षमता अधिक तथा मधुमक्खियों को अधिक आकर्षित करने की क्षमता है।

पौधे तैयार करना (प्रवर्धन)

जापानी फल का प्रवर्धन अमलोक मूलवृत पर सितम्बर माह में विनियर ग्राफ्टिंग से किया जाता है। इसके लिए टंग ग्राफ्टिंग से भी पौधे तैयार कर सकते हैं। कलम को कली फूटने तक मिट्टी में दबाकर रखते हैं।

जापानी फल का पौधा लगाने से पहले उसके सिरे से काट दें (हैड बैक)। उसके बाद अच्छे से खाद व उर्वरक डाल कर तैयार किए गये गड्ढों में 5.5 से 6 मीटर की दूरी पर लगाएं। इसके बाद पौधों की हल्की सिंचाई करे। उसके बाद समय समय पर आवश्यकतानुसार सिंचाई और खाद उर्वरक देते रहें।

जापानी फल का पौधा लगाते समय इसे भूमि से 60 सेंटीमीटर ऊँचाई देकर आगे से काट दें। पौधे को अच्छा आकार देने हेतु तने के चारों ओर उपयुक्त कोण पर चुनी हुई 4 से 5 शाखाओं को ही बढ़ने दें। रोगी, टूटी और एक दूसरे से उलझी हुई टहनियों को काटते रहें। पूर्ण विकसित पौधे की काट-छांट नहीं की जाती है, केवल रोगग्रस्त और सूखी टहनियों को ही काटें। पुराने पेड़ों की खूब काट-छांट करें, इससे नई वानस्पतिक वृद्धि होगी तथा नियमित उत्पादन मिलता रहेगा।

किसान और बागवान भाइयों जापानी फल (परसीमन) में रोग व कीट न के बराबर लगते है, इस लिए यहां ज्यादा कुछ लिखने की आवश्यकता नही है।

फलों की तुड़ाई

जब जापानी फल ठोस हो तथा पीला लालिमा वाला हो जाये तब इसको डण्डी सहित काट कर निकालें। फल को थोड़ा कच्चा ही तोड़कर बेचने के लिए भेजा जाता है।

कभी-कभी फल मण्डी पहुँचने पर भी कसैले रहते है। इसलिए फलों को घर पर ही पकने का समय दिया जाना आवश्यक है। फल तोड़ने के लगभग तीन सप्ताह तक रखने के बाद खाने योग्य हो जाते हैं। पकने पर फल नर्म पड़ जाते है।

रसभरी की खेती और उत्पादन तकनीक

लेखक- शरद प्रकाश पाण्डेय

रसभरी स्वयं मे एक अनूठा, खट्टा-मीटा एवं रसीला स्वादिष्ट लोकप्रिय फल है, तथा रूचिकर एवं स्वास्थ्यवर्धक होने के साथ ही साथ मौसमी फलों मे यह अपनी विशिष्ट पहचान के लिए विख्यात हैं। इसका सेवन सलाद एवं साबुत रूप में भी किया जाता है। इसमें औषधीय गुण भी विद्यमान है तथा यह फल विटामिन ए तथा सी का उत्तम स्रोत है। इसमें 40: प्रोटीन, 15 -कैल्शियम तथा 10: विटामिन सी तत्व प्राप्त होते है। लघुस्तरीय उद्योग स्तर पर इसका जैम तथा सॉस बनाकर धानेपार्जन किया जा सकता है।

1. प्रजातियाँ

रसभरी की प्रमुखत: तीन उन्नत प्रजातियों की खेती की जाती है, जिनका संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है:-

(अ) देशी रसभरी- इस प्रजाति का फल हल्का पीला तथा इसका स्वाद कुछ खट्टा होता है। इसकी पैदावार 25 क्विंटल प्रति एकड़ है।

(ब) डिस्को रसभरी - इसका फल उपरोक्त प्रजाति की अपेक्षा स्वाद में खट्टा -मीठा तथा नारंगी रंग लिए हुए होता है। इसका भार 50 ग्राम से 75 ग्राम तक होता है।

(स) कौशल रसभरी - इस प्रजाति का फल उपरोक्त दोनों प्रजातियों के फलों से अधिक स्वादिष्ट एवं रूचिकर होता है। इसमें रस की मात्रा अधिक होती है तथा यह शिमला मिर्च के आकार का होता है। इसका भार 60 ग्राम से 80 ग्राम तक होता है। इसकी भण्डारण अवधि भी तुलनात्मक दृष्टि से अधिक होती है। रसभरी की फसल के लिए लगभग सभी प्रकार की भूमि उपयुक्त है तथापि बलुई दोमट मिट्टी में इसकी पैदावार अधिक एवं अछी होती है। दोमट मिट्टी में इसकी पैदावार अपेक्षाकृत कम होती है। रसभरी की अधिक से अधिक एवं संतोषजनक फसल उगाने के लिए खेत से जल निकासी की सुविधा सुनिश्चित करना अति आवश्यक है। साधारणत: इसकी उन्नत खेती के लिए पी0एच0 6.5 तथा 7.5 क्षमता वाली भूमि अत्यधिक उपयुक्त एवं अनुकूल होती है।रसभरी की फसल के लिए चयनित भूमि की जून के प्रथम सप्ताह में मिट्टी पलट हल से न्यूनतम दो बार जुताई की जानी चाहिए तथा जून के अन्तिम सप्ताह में तीन अथवा चार बार कल्टीवैटर से भूमि की जुताई कर मिट्टी को भुरभुरा बनाएं। तत्पश्चात् पटेला फिराकर भूमि समतल बनायें। सर्वप्रथम रसभरी की पौध तैयार की जाती है, जिसके लिए 20 जून से 5 जुलाई तक का समय उपयुक्त माना जाता है। रसभरी की खेती के लिए औसतन 20 डिग्री सैल्सियस से 25 डिग्री सैल्सियस तापमान अपेक्षित होता है परन्तु 15 डिग्री सैल्सियस से 20 डिगी सैल्सियस तापक्रम में भी सफलतापूर्वक इसकी खेती की जाती सकती है। इस तापक्रम में फल का रंग नांरगी के समान हो जाता है तथा उसका विकास भी अछा होता है। तापक्रम की न्यूनाधिकता का प्रभाव फल की संख्या, भार, स्वाद, रंग, आकार एवं पौष्टिकता पर भी पड़ता है। एक हैक्टेयर कृषि क्षेत्र के लिए 200 से 250 ग्राम तक बीज की मात्रा पर्याप्त होती है। सर्वप्रथम पौधशाला के लिए निर्धारित भूभाग पर रसभरी के बीज बो दिये जाते है और जब वे अंकुरित हो कर अपेक्षित लम्बाई के पौधे बन जाते है तो उन्हें क्यारियों मे प्रत्यारोपित कर दिया जाता है। पौधे तैयार करने लिए जीवांशुयुक्त मिट्टी काफी उपयुक्त होती है, अत: पौधशाला (नर्सरी) की मिट्टी में कम्पोस्ट खाद अथवा गोबर की खाद भलीभाँति मिला दें। स्वस्थ एवं पुष्ट पौधे तैयार करने के लिए प्रतिवर्ग मीटर में 10 ग्राम अमोनियम फास्फेट तथा एक किलो सड़ी हुई गोबर की खाद का प्रयोग करें। रसभरी के पौधों की नर्सरी उठी हुई भूमि पर तैयार की जानी चाहिए। क्यारियाँ जमीन की सतह से लगभग 20 से 25 सेंटीमीटर ऊँची होनी चाहिए। क्यारियों का आकार लगभग 3 मीटर लम्बा तथा 1 मीटर चौड़ा उपयुक्त माना जाता है। रसभरी के बीजों की बुवाई अधिक घनी नहीं होनी चाहिए। बीज बोने के पश्चात् उन्हें (बीजों को) सड़ी हुई गोबर की खाद में बालू मिलाकर अछी तरह ढक दें। इसके पश्चात् फव्वारे की विधि से हल्की सिंचाई कर दें। अब इन क्यारियों को जिनमें रसभरी के बीज बोए गये है, धूप से बचाने के लिए घास-फूँस से बनाया गया छप्पर, सरकण्डे अथवा लो-पॉलीटनल से ढक दें। रसभरी के फलों की पैकिंग इस प्रकार की जानी चाहिए की उनके बण्डलों मे पर्याप्त मात्रा में हवा का आवागमन होता रहें। इसके लिए बाँस की डलियाँ, टोकरियाँ तथा प्लास्टिक क्रेटो का प्रयोग करना चाहिए। यदि पैकिंग सावधानीपूर्वक एवं भलीभाँति की गयी है तो रसभरी के फलों को 72 घण्टों तक बिना किसी संसधान के सुरक्षित रखा जा सकता है। विक्रय हेतु तैयार किये जाने वाले बण्डलों में मात्र स्वस्थ, बेदाग एवं सुन्दर फलों को ही रखना चाहिए। कटे-कटे, दागदार अथवा अन्य प्रकार से अनुपयोगी फलों को अलग निकाल कर रख लें।